राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 281 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, बुधवार ,14 अप्रैल 2021, मूल्य रु. 1.50

## एक नज़र...

### विभिन्न त्योहारों पर राष्ट्रपति ने देशवासियों को दी बधाई

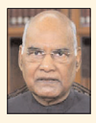

**नई दिल्ली।** राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने चैत्र शुक्लादि, उगादी, वैशाखी सहित विभिन्न त्योहारों पर देशवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। श्री कोविंद ने मंगलवार को ट्वीट के जरिये दिए बधाई संदेश में कहा कि चैत्र शुक्लादि, उगादी, गुड़ी पड़वा, चेती चांद, नवरेह, सजिबु चीरोबा, विशु और वैशाखी पर सभी देशवासियों को बधाई।

### डोडा सड़क दुर्घटना में छह की मौत

**जम्मू।** जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में मंगलवार को एक बस के फिसलकर नाले में गिर जाने से कम से कम छह लोगों की मौत हो गई तथा चार अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि मिनी बस थाथ्री से पियाकल कहारा जा रही थी तभी यह हादसा हुआ। बस पर 18 यात्री सवार थे। पुलिस ने बताया कि इस हादसे में छह लोगों की मौत घटनास्थल पर ही हो गई।

### ज्ञानवापी मस्जिद के पुरातत्व सर्वेक्षण पर रोक की मांग

**वाराणसी।** वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद की प्रबंधन समिति अंजुमन इंतेजामिया मस्जिद समिति ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के समक्ष एक तत्काल याचिका दायर कर वाराणसी की एक स्थानीय अदालत द्वारा 8 अप्रैल को सुनाए गए उस फैसले पर रोक लगाने की मांग की है, जिसके तहत भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा पूरे परिसर के पुरातात्विक सर्वेक्षण किए जाने की अनुमति दी गई है।

### उप्रः बाबरी केस के जज नियुक्त किए गए उप लोकायुक्त

**लखनऊ।** अयोध्या बाबरी विध्वंस मामले में भाजपा के वरिष्ठ नेता लाल कृष्ण आडवाणी समेत 32 आरोपियों को बरी करने वाले सीबीआई की विशेष अदालत के पूर्व न्यायाधीश सुरेंद्र कुमार यादव को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य का अगला उप लोकायुक्त नियुक्त कर दिया गया है।

### घूस लेने के आरोप में वरिष्ठ पासपोर्ट सहायक गिरफ्तार

**नई दिल्ली।** केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने मंगलवार को कहा कि उसने रिश्वतखोरी के एक कथित मामले में जम्मू के क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय में तैनात एक वरिष्ठ पासपोर्ट सहायक आदर्श कुमार को गिरफ्तार किया है।

# देश में हालात गंभीर, भारत अब सभी विदेशी टीकों को देगा मंजूरी

## 24 घंटों में 1,61,736 नए मामले व 879 मरीजों की मौत

- केंद्र सरकार ने तेज की मंजूरी की प्रक्रिया
- जल्द लगने लगेगी स्पूतनिक वी की डोज
- भारत के पास फिलहाल तीन टीके है मौजूद

### मध्य प्रदेश में 10वीं, 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं रद्द

**भोपाल।** मध्य प्रदेश में मामलों को देखते हुए 10वीं 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं स्थगित कर दी गई हैं यहां बोर्ड परीक्षाएं 30 अप्रैल से आयोजित थीं। बताया जा रहा है कि अब ये बोर्ड परीक्षाएं जून में होंगी

> दिल्ली में सीबीएसई की परीक्षा में छह लाख बच्चे बैठेंगे और एक लाख से अधिक शिक्षक शामिल होंगे। कोरोना की चौथी लहर में युवा ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। दिल्ली में 65 फीसदी कोरोना मरीज 45 साल से कम उम्र के हैं:
>
> **अरविंद केजरीवाल**

**(एजेंसी)**

**नई दिल्ली।** देश में कोरोना से हालात लगातार खराब होते जा रहे हैं। कई राज्य टीके के संकट से जूझ रहे हैं। सरकार ने देश में कोरोना वैक्सीन की संख्या बढ़ाने के लिए विदेशी टीकों को झटपट अनुमति देने की नीति अपनाई है। केंद्र ने आज कहा कि उन विदेशी कोविड वैक्सीन को भारत में आपातकालीन उपयोग की मंजूरी देने की प्रक्रिया तेज की जाएगी जिनका विदेशों में इस्तेमाल किया जा रहा है। देश में पिछले 24 घंटों के दौरान देश के विभिन्न हिस्सों में करीब 1.62 लाख नए मामले दर्ज किए गए। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से मंगलवार जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटों के दौरान देश में 1,61,736 नए मामले दर्ज किए गए। इसके साथ ही संक्रमितों की संख्या एक करोड़ 36 लाख 89 हजार 453 हो गई है। वहीं इस दौरान 97,168 मरीज स्वस्थ हुए

### महाराष्ट्र में लॉकडाउन जैसी पाबंदियां

**मुंबई।** महाराष्ट्र में कोरोना की बेकाबू रफ्तार पर मुख?मंत्री उद्धव ठाकरे ने मंगलवार को राज्य की जनता को संबोधित किया। उद्धव ठाकरे ने महामारी को मात देने के लिए बुधवार रात से 'ब्रेक द चेन' मुहिम का ऐलान किया है। जिसके तहत राज्य में 15 दिनों का सख्त कर्फ्यू रहेगा। केवल जरूरी काम होने पर ही घर से बाहर निकलें। 14 अप्रैल से 15 दिन के लिए रात 8 बजे से सुबह 7 बजे तक धारा 144 लागू रहेगी। उद्धव ठाकरे ने कहा कि महाराष्ट्र में मौत का आंकड़ा सबसे ज्यादा है। राज्य पर काफी दबाव आ गया है।

### अधिक संक्रमित शहरों में पूर्ण लॉकडाउन लगाने पर विचार करें: हाईकोर्ट

**प्रयागराज।** इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रदेश में कोरोना संक्रमण से अधिक प्रभावित शहरों में राज्य सरकार को दो या तीन हफ्ते के लिए पूर्ण लॉकडाउन लगाने पर विचार करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा कि कहा है कि सड़क पर कोई भी व्यक्ति बिना मास्क के दिखायी न दे अन्यथा कोर्ट पुलिस के खिलाफ अवमानना कार्यवाही करेगी। कोर्ट ने कहा है कि सामाजिक धार्मिक आयोजनो मे 50 आदमी से अधिक न इकट्ठा हों। याचिका पर अगली सुनवाई 19 अप्रैल को होगी। सरकार ट्रैकिंग, टेस्टिंग व ट्रीटमेंट योजना मे तेजी लाए।

## दिल्ली मेट्रो के कई स्टेशन अस्थाई रूप से बंद

- कोरोना नियमो की हो रही थी अनदेखी
- दिल्ली मे रेस्टोरेंट, थिएटर 50 फीसदी क्षमता के साथ चलेंगे

**(एजेंसी)**

**नई दिल्ली।** देश में कोरोना वायरस की दूसरी लहर बेकाबू हो गई है और दिल्ली में कोरोना की बेतहाशा वृद्धि को देखते हुए सरकार ने 30 अप्रैल तक के लिए कई पाबंदियां लगाई हैं। इसके तहत रेस्टोरेंट, थिएटर और मेट्रो केवल 50 फीसदी क्षमता के साथ चलेंगे। अब सामाजिक दूरी का पालन करने के लिए दिल्ली मेट्रो ने कई स्टेशनों पर एंट्री गेट को अस्थाई रूप से बंद कर दिया है।

**इन स्टेशनों पर एंट्री गेट अस्थाई रूप से बंद:** दिल्ली मेट्रो ने प्लेटफॉर्म और ट्रेनों में सामाजिक दूरी का पालन करने के लिए साकेत, कुतुब मीनार, कश्मीरी गेट, शास्त्री पार्क और सीलमपुर स्टेशन पर एंट्री गेट को बंद कर दिया है। हालांकि इन स्टेशनों के एग्जिट गेट खुले हैं और लोग यहां से बाहर निकल सकते हैं।

**दिल्ली मेट्रो ने ये दी जानकारी:** दिल्ली मेट्रो ने बताया कि इन मेट्रो स्टेशनों के प्रवेश द्वार इसलिए बंद किए गए हैं, ताकि भीड़ को कम कर सामाजिक दूरी के नियम का पालन हो सके। इससे पहले नई दिल्ली और चांदनी चौक मेट्रो स्टेशन पर भी एंट्री गेट बंद किए गए थे, जो बाद खोल दिए गए हैं।

**झंडेवालान मंदिर बंद, कालकाजी में ई-पास जरूरी:** दिल्ली में झंडेवालान मंदिर को बंद कर दिया गया और श्रद्धालु को नवरात्र में दर्शन नहीं कर पाएंगे। वहीं कालकाजी मंदिर में एंट्री के लिए ई-पास बनवाना होगा। मंदिर प्रशासन ने आम लोगों से अपील की है कि 10 साल से कम उम्र और 60 साल से अधिक उम्र के लोगों के साथ मंदिर आनें से बचें।

### सुप्रीम कोर्ट का बड़ा आदेश

## राज्य सरकारें प्रवासी बच्चों का डाटा दें

**(एजेंसी)**

**नई दिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों में प्रवासी बच्चों और श्रमिकों के बच्चों की संख्या के साथ-साथ उन्हें मिलने वाले लाभों से संबंधित आंकड़ा प्रदान करने का राज्य सरकारों को मंगलवार को निर्देश दिये। मुख्य न्यायाधीश शरद अरविंद बोबडे, न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना और न्यायमूर्ति वी रमासुब्रमण्यम की खंडपीठ ने 'चाइल्ड राइटस ट्रस्ट' की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान राज्य सरकारों को डाटा उपलब्ध कराने के निर्देश दिये।

**मौलिक अधिकारों को लागू करने की मांग**

याचिका में मुख्य रूप से

- मिलने वाले लाभों का ब्यौरा भी मांगा
- कितनी संख्या मे है वो भी बताया जाए

कोविड-19 महामारी के दौरान संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 19, 21, 21ए, 39 और 47 के तहत प्रवासी बच्चों और प्रवासी परिवारों के बच्चों के मौलिक अधिकारों को लागू करने की मांग की गई है। न्यायालय ने राज्यों को संख्या प्रदान करने के साथ-साथ उन राज्यों में बच्चों पर स्थिति रिपोर्ट देने का भी निर्देश दिया।

**राज्य द्वारा दिए गए लाभों के बारे में भी बताएं**

गैर सरकारी संगठन की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता जयना कोठारी ने पीठ से अनुरोध किया कि वह न केवल जवाब के लिए निर्देश दें, बल्कि राज्यों से प्रवासी बच्चों की संख्या प्रदान करने का अनुरोध करें, साथ ही उन्हें राज्य द्वारा दिए गए लाभों के बारे में भी बताएं।

### यूपीए अध्यक्ष सोनिया गांधी की प्रधानमंत्री को चिट्ठी, लिखा

## गरीबों के खाते में 6,000 महीना डाले जाएं

**(एजेंसी)**

**नई दिल्ली।** कांग्रेस पार्टी की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखकर कहा है कि कोविड-19 महामारी गरीबों के खाते में 6,000 रुपए महीने के डाले जाए। यह संकट का समय है लोगों के सामने खान-पान का संकट मंडरा रहा है। साथ ही उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी के इलाज के लिए उपयोग में लाई जाने वाली दवाइयों और आवश्यक उपकरणों पर छूट दी जाए और साथ ही गरीबों के खाते में 6,000 रुपए महीने के डाले जाए। सोनिया गांधी ने कहा कि राज्यों में वैक्सीन की कमी है और इसे

> देश की जनता संकट मे है। सरकार इस पर विशेष ध्यान दे। साथ ही टीको की कमी को जल्द पूरा करें: **सोनिया गांधी**

प्राथमिकता पर उपलब्ध कराया जाना चाहिए। उन्होंने उन सभी वैक्सीनों को अनुमति प्रदान किए जाने की भी बात कही है, जिन्हें मंजूरी दे दी गई है। कोरोना संक्रमण के चलते प्रवासी मजदूरों का एक बार फिर से पलायन शुरू हो गया है।

- कोरोना की दवाओं को जीएसटी से बाहर रखा जाए
- आवश्यक चिकित्सक उपकरणों पर छूट मिले

**लॉकडाउन या कर्फ्यू से प्रभावित होंगे लोग:** जनता को राहत पहुंचाने के लिए सोनिया गांधी ने अपील की है कि केंद्र सरकार द्वारा ऐसी किसी योजना को लागू किया जाए, जिसके तहत जरूरतमंदों के खाते में हर महीने 6,000 स्थानांतरित हो क्योंकि कोरोना के प्रसार पर काबू पाने के चलते लगाए गए लॉकडाउन या कर्फ्यू से इनकी जिंदगी काफी प्रभावित हुई है।

**कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों संग की बैठक:** उन्होंने कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों संग बैठक करने के बाद यह पत्र लिखा। पार्टी द्वारा सभी के टीकाकरण के लिए एक सोशल मीडिया अभियान भी शुरुआत की गई है। देश में इस वक्त टीकों की संख्या में आई कमी का जिक्र करते हुए पार्टी ने कहा कि वैक्सीन के निर्यात पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाई जाए और देशवासियों को पहले टीके की खुराक उपलब्ध कराई जाए।

## इटली की कांग्रेस लीडरशिप, रूस-चीन के कम्युनिस्ट, दीदी के वोटर घुसपैठिए: अमित शाह

**दार्जिलिंग।** केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ममता बनर्जी के बाहरी कार्ड का जवाब देते हुए कांग्रेस, कम्युनिस्ट दलों और टीएमसी पर हमला बोला है। दार्जिलिंग में एक रैली को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा, दीदी मुझे बाहरी कहती हैं। वह पीएम नरेंद्र मोदी को बाहरी बताती हैं। दीदी, मैं आपको बताता हूं कि बाहरी कौन हैं। कम्युनिस्ट विचारधारा बाहरी है, रूस और चीन से आई है। कांग्रेस की लीडरशिप बाहरी है, जो इटली से आई है। टीएमसी का वोटबैंक बाहरी है, जो घुसपैठिए हैं। दरअसल ममता बनर्जी अकसर चुनाव प्रचार के दौरान बांग्ला कार्ड खेलती रही हैं और बीजेपी के नेताओं को बाहरी करार देती रही हैं।

यही नहीं दार्जिलिंग में गोरखा समुदाय को लुभाते हुए अमित शाह ने कहा कि बीजेपी आपके सम्मान के लिए किसी से भी लड़ने को तैयार है। उन्होंने कहा, गोरखा और नेपाली भाईयों- यदि कोई आपको डराने का प्रयास करता है तो डरें नहीं। गोरखा और नेपाली समुदाय के सम्मान के लिए बीजेपी किसी से भी लड़ सकती है। यही नहीं उन्होंने गोरखा समुदाय की 11 जातियों को एसटी का दर्जा दिए जाने का भी वादा किया। अमित शाह ने कहा कि ममता दीदी को हटाओ और बीजेपी का सीएम बनाओ। पार्टी गोरखा समुदाय की 11 जातियों को एसटी का दर्जा देगी।

यही नहीं 1986 की घटना को याद करते हुए अमित शाह ने कहा कि कम्युनिस्टों ने पहाड़ियों पर आग लगा दी थी। इसमें 1,200 गोरखाओं की मौत हो गई थी। दीदी ने कुछ नहीं किया। तमाम लोगों की मौत हुई थी और हजारों लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। लेकिन उस केस में चुनिंदा लोगों पर से एफआईआर को वापस ले लिया गया। बीजेपी की सरकार बनने के बाद गोरखा लोगों के खिलाफ दर्ज केसों को एक सप्ताह के भीतर ही वापस ले लिया जाएगा। बता दें कि गोरखालैंड से बीजेपी को चुनाव में बड़ी उम्मीदें हैं।

## बंगाल चुनावः धरने पर बैठ पुराना शौक पूरा कर रहीं ममता बनर्जी, पेंटिंग बना समर्थकों को दिखाई

**कोलकाता।** चुनाव आयोग की ओर से प्रचार करने पर 24 घंटे के बैन के विरोध में पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी धरने पर बैठ गई हैं। धरने पर बैठने के दौरान वह पेंटिंग्स बनाने में व्यस्त हैं। कई पेंटिंग्स बनाकर उन्होंने अपने समर्थकों को भी दिखाई हैं। गांधी स्टेचू के पास धरने पर बैठीं ममता बनर्जी पेंटिंग की शौकीन रही हैं। व्हीलचेयर पर आईं ममता बनर्जी एक खाली कैनवास, कुछ पेंटब्रश और कलर अपने साथ लेकर आई हैं। उनके आसपास भीड़ न जुट सके, इसलिए बैरिकेडिंग कर दी गई है। वह अकेले ही धरनास्थल पर बैठी हैं।

टीएमसी के एक सीनियर नेता ने बताया कि पार्टी के किसी भी नेता को ममता बनर्जी के पास जाने की अनुमति नहीं दी गई है। वह अकेले ही बैठी हैं।

हालांकि ममता बनर्जी से कुछ दूरी पर पार्टी के कार्यकर्ता और उनके समर्थक प्रदर्शन कर रही हैं। धार्मिक आधार पर वोटरों से एक होने की अपील करने को चुनाव आयोग ने ममता बनर्जी की ओर से आचार संहिता का उल्लंघन माना था। यही नहीं आयोग ने उनके चुनाव प्रचार करने पर एक दिन का बैन लगा दिया था। उन पर लगा यह बैन आज रात को समाप्त हो रहा है। इस बीच खबर है कि बैन समाप्त होने के बाद बुधवार को वह कूच बिहार जाएंगी।

बता दें कि बंगाल चुनाव में फिलहाल कूच बिहार चर्चा का केंद्र बना हुआ है। चौथे चरण की वोटिंग के दौरान कूच बिहार के सितालकुची में फायरिंग से 4 लोगों की मौत हो गई थी। केंद्रीय सुरक्षा बलों पर भीड़ के हमले के बाद जवानों ने फायरिंग कर दी थी, जिसमें ये मौतें हुई थीं। आयोग ने अपनी रिपोर्ट में कहा था कि जवानों को भीड़ के हमले से बचने के लिए गोलियां चलानी पड़ी थी, जो धारदार हथियारों से लैस थी। बता दें कि पश्चिम बंगाल में 8 चरणों में मतदान होना है, जिनमें से 4 राउंड पूरे हो चुके हैं।

## दिल्ली में अगले तीन दिन पड़ेगी भीषण गर्मी, 40 डिग्री पार पहुंचेगा पारा

**नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में अगले तीन दिन तेज गर्मी पड़ने के आसार हैं। इस दौरान अधिकतम तापमान 40 डिग्री तक पहुंच सकता है। सोमवार के दिन भी अधिकतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री ज्यादा रिकॉर्ड किया गया। दिल्ली के ज्यादातर हिस्सों में सोमवार की सुबह से ही तेज चमकदार सूरज निकला रहा। दिन चढ़ने के साथ ही धूप भी तेज हो गई।**

दिल्ली के सफदरजंग मौसम केन्द्र में दिन का अधिकतम तापमान 39.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया जो कि सामान्य से तीन डिग्री ज्यादा है। जबकि, न्यूनतम तापमान 18.3 डिग्री सेल्सियस रहा जो कि सामान्य से तीन डिग्री कम है। दिल्ली के स्पोर्ट्स कांप्लेक्स क्षेत्र में सबसे ज्यादा गर्मी रही। यहां का अधिकतम तापमान 41.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले तीन दिनों के बीच खासी

गर्मी रहेगी। इस दौरान अधिकतम तापमान 40 डिग्री तक पहुंच सकता है। जबकि, इसके बाद पश्चिमी विक्षोभ के असर से मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। हालांकि मौसम विभाग 16 अप्रैल तक पश्चिमी विक्षोभ के कारण आकाश में बादल छाए

- सफदरजंग में दिन का अधिकतम तापमान **39.2**

रह सकते हैं। 16 अप्रैल के बाद गर्मी से कुछ राहत मिल सकती है। इस दौरान शुक्रवार और शनिवार को हल्की बारिश की भी संभावना जताई गई है। वहीं गुरुवार तक शहर में अधिकतम तापमान 40 डिग्री तक रह सकता है। मौसम विभाग ने कई राज्यों के लिए मौसम विभाग ने बारिश का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग की मानें तो अगले 4 से 5 दिनों में मध्य प्रदेश, विदर्भ, तेलंगाना, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल और ओडिशा के अधिकांश हिस्सों में आंधी-तूफान के साथ तेज बारिश होने की संभावना है। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में तूफान आने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने बिहार, यूपी, गुजरात और राजस्थान में 'लू' का अलर्ट जारी किया हुआ है। आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में भी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है, विभाग ने कहा है कि बारिश के दौरान 30 से 40 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं भी चलेंगी। बिहार में पछुआ हवाओं के कारण गर्मी का रौद्र रूप जारी है, राज्य के 14 जिलों में लू का यलो अलर्ट जारी किया गया है। कई जिलों में पारा 40 डिग्री तक पहुंच गया है तो वही हाल बंगाल का भी है, यहां भी गर्मी चरम पर है, कोलकाता 36 डिग्री पर उबल रहा है, आने वाले दिनों में भी बंगाल का पारा चढ़ने वाला है, ऐसा मौसम विभाग का अनुमान है।

## जॉर्ज फ्लॉयड के बाद अमेरिका में फिर अश्वेत युवक की हत्या, भारी प्रदर्शन के बीच पुलिस ने लगाया कर्फ्यू

**वाशिंगटन।** अमेरिका के मिनीपोलिस में एक अश्वेत युवक को पुलिसकर्मी ने गोली मार दी, जिसकी मौके पर ही मौत हो गई। युवक पर आरोप था कि उसने ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन किया। यह घटना पिछले साल मई में अश्वेत जार्ज फ्लॉयड को मारे जाने के घटनास्थल से करीब 16 किमी. दूर हुई। गुस्साए सैकड़ों लोगों की भीड़ ब्रुकलिन सेंटर पुलिस डिपार्टमेंट के भवन के सामने एकत्रित हो गई। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर रबर बुलेट चलाई । प्रदर्शनकारियों ने भी पथराव करते हुए कई वाहनों को क्षतिग्रस्त कर दिया। क्षेत्र में कर्फ्यू लगा दिया गया है।

मरने वाले युवक की उसके परिजनों ने पहचान कर ली है। उसका नाम दौंते राइट है। यहां के पुलिस कमिश्नर जॉन हेरिंगटन ने कहा कि वारदात के बाद लोग इकट्ठा हो गए थे, जिन्हें बाद में तितर-बितर कर दिया गया। प्रदर्शनकारियों ने शॉपिंग सेंटर की दुकानों में लूटपाट की। ब्रुकलिन सेंटर में सोमवार की सुबह से कर्फ्यू लगा दिया गया है। मारे गए दौंते की मां कैटी राइट ने घटनास्थल पर बताया कि रविवार को उनके पुत्र ने दोपहर में फोन किया था। उसकी आवाज से लग रहा था कि पुलिस उसको गाड़ी से बाहर खींचने की कोशिश कर रही है। एक पुलिसकर्मी कह रहा था कि भागना मत। उसके बाद कॉल बंद हो गई। उन्होंने जब दोबारा फोन किया तो उसकी गर्लफ्रेंड ने फोन उठाया। उसने बताया कि वह ड्राइविंग सीट पर मृत पड़ा हुआ है। पुलिस मामले में वीडियो रिकार्डिंग के माध्यम से जांच कर रही है।

## बैसाखी मनाने 815 भारतीय सिख पहुंचे पाकिस्तान, गुरुद्वारा पंजा साहिब में आज होगा मुख्य आयोजन

**इस्लामाबाद।** 16वीं सदी के गुरुद्वारे पंजा साहिब और अन्य अहम ऐतिहासिक स्थलों पर 10 दिवसीय बैसाखी उत्सव मनाने के लिए 815 भारतीय सिख सोमवार को लाहौर पहुंचे। बैसाखी के दिन ही 1699 में गुरु गोबिंद सिंह ने खालसा पंथ की स्थापना की थी। यह सिखों का नया साल भी होता है। सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी और इवैक्यूई ट्रस्ट प्रापर्टी बोर्ड (ईटीपीबी) के अधिकारियों ने वाघा सीमा पर भारतीय सिख श्रद्धालुओं का स्वागत किया। ईटीपीबी एक वैधानिक बोर्ड है जो विभाजन के बाद भारत चले गए हिंदुओं और सिखों की संपत्तियों व धर्मस्थलों का प्रबंधन करता है। ईटीपीबी के प्रवक्ता आमिर हाशमी ने बताया कि यात्रियों को वाघा सीमा पर सिख परंपरा के मुताबिक लंगर परोसा गया।

गुरुद्वारा पंजा साहिब पंजाब प्रांत की राजधानी लाहौर से करीब 350 किमी दूर हसन अब्दल में स्थित है। माना जाता है कि यहां सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक के हाथों की छाप है। हाशमी ने बताया, आवश्यक आव्रजन मंजूरियों के बाद श्रद्धालुओं को बस से गुरुद्वारा पंजा साहिब ले जाया गया। मुख्य कार्यक्रम 14 अप्रैल को पंजा साहिब में ही आयोजित किया जाएगा। श्रद्धालुओं को 10 दिवसीय यात्रा के दौरान पाकिस्तान के सभी महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक गुरुद्वारों में लेकर जाया जाएगा और वे 22 अप्रैल को लौटेंगे। बता दें कि नई दिल्ली स्थित पाकिस्तानी उच्चायोग ने बैसाखी उत्सव के सिलसिले में 1,100 से ज्यादा सिख श्रद्धालुओं को वीजा जारी किए थे।

## पाक सरकार को धमकी देने के आरोप में कट्टरपंथी इस्लामी पार्टी के नेता साद रिजवी लाहौर में गिरफ्तार

**लाहौर।** पाकिस्तान में कट्टरपंथी इस्लामी पार्टी के नेता साद रिजवी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इससे एक दिन पहले रिजवी ने सरकार को धमकी दी थी कि अगर पैगंबर मुहम्मद के चित्र बनाने के मुद्दे पर फ्रांस के राजदूत को देश से नहीं निकाला गया तो इसके विरोध में प्रदर्शन किए जाएंगे।

**लाहौर के पुलिस प्रमुख ेनकहा- कानून व्यवस्था कायम रखने के लिए रजिवी को किया गिरफ्तार**

लाहौर के पुलिस प्रमुख गुलाम मुहम्मद डोगर ने बताया कि रिजवी को शहर में कानून व्यवस्था कायम रखने के लिए गिरफ्तार किया गया है। डोगर ने गिरफ्तारी के बारे में और ज्यादा जानकारी नहीं दी। रिजवी ने कहा कि सरकार ने प्रतिबद्धता जताई थी कि फ्रांस में पैगंबर के चित्र प्रकाशित करने के मुद्दे पर फ्रांस के राजदूत को 20 अप्रैल से पहले देश से बाहर कर दिया जाएगा। सरकार का कहना है कि उसने केवल इस मुद्दे पर संसद में चर्चा करने के लिए प्रतिबद्धता जाहिर की थी। रिजवी के समर्थकों ने इस कार्रवाई का विरोध किया और पार्टी कार्यालय के सामने प्रदर्शन किया। सोमवार को लाहौर की कुछ सड़कों पर जाम लगाया जिसके बाद सरकार ने अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया।

### हमले से खफा ईरानः परमाणु संवर्द्धन केंद्र पर हमले की घटना के बाद ईरान ने कहा-

# इजरायल के दुसाहस का बदला लेंगे

**तेहरान।** ईरान के नातांज परमाणु संवर्द्धन केंद्र पर संदिग्ध हमले के बाद ब्लैकआउट का मामला अन्तर्राष्ट्रीय तनाव का केंद्र बनता जा रहा है। ईरान ने इस हमले के लिए इजरायल को जिम्मेदार ठहराया है। ईरानी विदेश मंत्री जावेद जरीफ ने कहा कि हम इस हमले का बदला लेंगे। यह हमला वियना में परमाणु समझौते को बचाने के लिए चल रही बातचीत को संकट में डालेगा। जरीफ के इस बयान के बाद दोनों देशों के बीच चल रहे छद्मयुद्ध के और तेज होने की आशंका बढ़ गई है।

हालांकि इजरायल ने आधिकारिक रूप से इस हमले में किसी तरह की भूमिका से इनकार किया है। लेकिन न्यूयॉर्क टाइम्स को कुछ शीर्ष अमेरिकी और इजरायली अधिकारियों ने बताया है कि इस हमले के पीछे इजरायल ही है। विभिन्न इजरायली मीडिया संस्थानों ने भी सूत्रों के हवाले इस हमले के पीछे इजरायली खुफिया एजेंसी मोसाद को ही जिम्मेदार बताया है। दो ईरानी अधिकारियों ने बताया कि परमाणु संवर्द्धन केंद्र को पावर सप्लाई करने वाले अंडरग्राउंड सेंट्रीफ्यूज को निशाना बनाकर धमाका किया गया। इस कारण बिजली चली गई और बड़े स्तर का ब्लैकआउट हुआ। अमेरिका रक्षा मंत्री इस हमले को लेकर इजरायल से बात करने वाले हैं। यह स्पष्ट नहीं है कि इजरायल ने हमले की सूचना अमेरिका को दी थी या नहीं।

**ईरान को समझौते पर वापस लाने के अमेरिकी प्रयासों को भी झटका**

विशेषज्ञों का मानना है कि रविवार के हमले के बाद बाइडेन प्रशासन के लिए भी मुश्किलें खड़ी होंगी। ईरान को 2015 के परमामु समझौते पर वापस लाने के लिए अमेरिकी प्रयासों को इससे झटका लगेगा। अमेरिका चाहता है कि ईरान समझौते में वापस आए और अपने परमाणु संवर्द्धन कार्यक्रम को रोक दे। अगर यह मामला उलझता है तो एक नए युद्ध की पृष्ठभूमि भी तैयार होगी।

## आधी आबादी को पूरा खाना तक नसीब नहीं

### ब्राजील में दो करोड़ लोग भूखे मरने को मजबूर, आधी आबादी का पेट अधभरा; कोरोना से बढ़ी महंगाई और बेरोजगारी

**ब्राजीलीया।** ब्राजील में कोरोना का कहर लगातार बढ़ता जा रहा है। एक ओर रोज हजारों लोगों की मौत हो रही हैं। कब्रिस्तानों में लाशें दफन करने की जगह नहीं बची है। दूसरी ओर, ब्राजील में करीब दो करोड़ लोग कोरोना से उपजे हालातों के कारण भूख से जूझ रहे हैं। आलम ये है कि कुल 21.1 करोड़ की आबादी में से लगभग आधे लोगों को ठीक से भोजन नसीब नहीं हो रहा।

यह जानकारी सामने आई है ब्राजील के ब्राजील के खाद्य संप्रभुता और पोषण सुरक्षा अनुसंधान नेटवर्क की रिपोर्ट में। नेटवर्क के अध्यक्ष रेनाटो मालूफ कहते हैं कि शहरों में तो फिर भी लोग सड़कों पर निकलकर खाना मांग सकते हैं। लेकिन गांवों में हालात बहुत खराब हैं, क्योंकि वहां सड़कों पर खाना देने वाला भी नहीं मिलेगा। विशेषज्ञों के अनुसार इस स्थिति का कारण है कोरोना के कारण बढ़ी बेकारी और बेतहाशा बढ़े जरूरी चीजों के दाम। ब्राजील इंस्टिट्यूट ऑफ ज्योग्राफी एंड स्टेटिक्स के अनुसार बीते एक साल में देश में चावल के दाम 70त्न और घरेलू गैस के 20त्न तक बढ़े हैं। ब्रिटेन में 12 अप्रैल से प्रस्तावित

अनलॉक की प्रक्रिया शुरू हो गई। गैरजरूरी दुकाने और हेयरसैलून कुल गए। पीएम जॉनसन ने सोमवार को कहा कि खुशियां मनाएं लेकिन सोशल डिस्टेंसिंग और सावधानी का पूरी ख्याल रखें। जॉनसन ने 4 जून 6 महीने का योजनाबद्ध और चरणबद्ध लॉकडाउन घोषिक किया था। उसी समय 6 महीने का पूरा प्लान घोषित किया गया था कि कब, क्या और कैसे खुलेगा। अनलॉक के बाद दुकानों और हेयरसैलून पर लोगों की भारी भीड़ देखी गई। सामान के लिए लोग लाइनों में खड़े दिखे।

**काम के लिए ब्राजील से यूएस गए लोगों का टीकाकरण नहीं**

रोजगार की तलाश में ब्राजील से बड़ी संख्या में लोग अमेरिका जाते हैं। लेकिन कोरोना के कारण उनके लिए मुसीबत खड़ी हो गई है, वहां उन्हें टीका नहीं लगाया जा रहा। क्योंकि, इनके पास ड्राइविंग लाइसेंस जैसे स्थानीय पहचान पत्र नहीं है। यूएस के 50 में 10 ही राज्यों ऐसे लोगों को टीका लगाया जा रहा है।

**जर्मनी में युवाओं में संक्रमण बढ़ा, यूके वैरियंट 90फीसदी मिला**

जर्मनी के रॉबर्ट कोच इंस्टीट्यूट के अनुसार वहां टेस्टिंग कम होने से केसों में वृद्धि हो रही है। इंस्टीट्यूट ने 70 अस्पतालों के डेटा के आधार पर पाया कि जर्मनी में युवाओं के कोरोना संक्रमित होने की दर तेजी से बढ़ रही है, इनमें सांस लेने में परेशानी प्रमुख लक्षण है। वहां 90फीसदी नए केस यूके वैरियंट के मिले।

**बांग्लादेश के बाद पाकिस्तान में भी लग सकता है लॉकडाउन**

कोरोना के बढ़ते मामलों की वजह से पाकिस्तान में भी लॉकडाउन लग सकता है। लाहौर में एक या दो हफ्ते के लिए पूरी तरह से लॉकडाउन करने पर विचार चल रहा है। यह प्रस्ताव राष्ट्रीय कमांड एंड ऑपरेशन सेंटर की बैठक में प्रस्तुत किया गया है। इमरान से मंजूरी के बाद अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

## कोरोना को डिटेक्ट करने वाली चिप

**ब्राजीलीया।** अमेरिकी रक्षा विभाग के मुख्यालय पेंटागन के वैज्ञानिकों ने एक ऐसी माइक्रोचिप और तकनीक विकसित की है, जो आपके शरीर में कोरोनावायरस के लक्षण को बेहद आसानी से पहचान लेगी और बाद में वायरस को फिल्टर के जरिए खून से निकाल लिया जाएगा। इस नई तकनीक को डिफेंस एडवांस रिसर्च प्रोजेक्ट एजेंसी (डीएआरपीए) ने विकसित किया है। इसे बनाने वाली टीम के प्रमुख महामारी विशेषज्ञ रिटायर्ड कर्नल डॉ. मैट हैपबर्न ने यह दावा भी किया कि कोविड-19 अंतिम महामारी होगी।

अब हम भविष्य में किसी भी प्रकार के जैविक और रासायनिक हमले से बचाव के लिए पूरी तरह तैयार हैं। डॉ. हेपबर्न ने कहा कि माइक्रोचिप को शरीर के किसी भी हिस्से में त्वचा के नीचे लगाया जा सकता है। यह शरीर में होने वाली हर तरह की रासायनिक प्रतिक्रिया बताएगी और उसके द्वारा भेजे जाने वाले संकेत बताएंगे कि आप कितनी देर में संक्रमित होने वाले हैं। डॉ. हेपबर्न ने टिश्यू जैसे जेल को दिखाते हुए बताया कि यह माइक्रोचिप में रहेगा और इसे इस तरह बनाया गया है कि यह खून की लगातार जांच कर रिपोर्ट देगा।

आप जहां हैं, वहीं आप अपने खून की जांच कर सकते हैं। इसका रिजल्ट भी 3 से 5 मिनट के अंदर आपको मिल जाएगा। चूंकि जांच और रिजल्ट तत्काल मिल रहे हैं, लिहाजा बिना समय गंवाए संक्रमण फैलने से पहले ही वायरस जहां है, उसे वहीं उसे खत्म कर सकते हैं। हमने इसके लिए पेंटागन की ही एक सहयोगी पैथोलॉजी संस्था के सहयोग से खून की जांच के लिए डायलिसिस की तरह एक मशीन विकसित की है। यह खून से वायरस को पूरी तरह से हटा देती है। डॉ. हेपबर्न ने बताया कि हमने एक सैन्यकर्मी 'पेशेंट-16' पर इसका प्रयोग किया। इस मशीन के जरिए उसके खून से वायरस को पूरी तरह खत्म कर दिया और वह अब वह तंदुरुस्त है। अमेरिकी फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) ने इस मशीन को आपातकालीन उपयोग के लिए मंजूरी दे दी है। जंगी जहाज के 1271 संक्रमित सैनिकों के सहयोग से आगे बढ़ी रिसर्चडॉ. हेपबर्न ने कहा- 'मैं अमेरिकी जंगी बेड़े थियोडर रूजवेल्ट के सैनिकों के संघर्ष से बेहद प्रभावित हुआ।

## लॉबिंग स्कैंडल में ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री डेविड के खिलाफ जांच शुरू

### विपक्ष ने सरकार पर साधा निशाना

**लंदन।** ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री डेविड कैमरन के लॉबिंग स्कैंडल की सरकारी जांच शुरू हो गई है। कैमरन पर एक वित्तीय कंपनी के लिए सरकारी अधिकारियों को प्रभावित करने का आरोप है। उधर इस मामले के सामने आने के बाद विपक्ष ने सरकार पर हमला करते हुए जांच को लीपापोती की कोशिश बताया है। इस मामले में रविवार को अठारह सौ पेज का लिखित बयान भी कैमरन की तरफ से जारी किया गया है। उनका बयान ग्रीन सिल कैपिटल के तबाह हो जाने के बाद आया है। ग्रीन सिल कैपिटल एक इस्पात कंपनी का वित्तपोषण कर रही थी। इस्पात कंपनी के हजारों कर्मचारियों की नौकरी पर संकट आ गया था। ग्रीनसिल कंपनी में कैमरन पार्टटाइम एडवाइजर थे। उन पर आरोप है कि कंपनी को बचाने के लिए उन्होंने ऋण देने के लिए वित्त मंत्री ऋषि सुनक सहित कई शीर्ष अधिकारियों से लॉबिंग की।डेविड कैमरन 2010 से 2016 के बीच प्रधानमंत्री रहे थे वे उसी कंजरवेटिव पार्टी के नेता रहे हैं जिसकी मौजूदा सरकार है। उन्होंने जांच शुरू होने के बाद चुप्पी तोड़ते हुए कहा कि उन्होंने न तो किसी कानून का उल्लंघन किया है और न ही लॉबिंग की है। इस घटना से मुझे यह सबक मिला है कि सरकार से बात करने के लिए केवल औपचारिक प्रक्रिया को ही अपनाना चाहिए। लॉबिंग का मामला सामने के बाद ब्रिटेन के राजनीतिक हलचल मच गई है। 2007 से 2010 तक ब्रिटेन के प्रधानमंत्री रहे

लेबर पार्टी के नेता गॉर्डन ब्राउन ने कहा कि पूर्व मंत्रियों के पद से हटने के बाद उन पर कम से कम पांच साल तक लॉबिंग करने पर प्रतिबंध होना चाहिए। उधर ब्रिटिश सांसद बर्नार्ड जेंकिन ने कहा कि ये मंत्रियों और अधिकारियों का कर्तव्य होना चाहिए कि यदि उन्हें कोई लॉबिस्ट अनुचित तरीके से प्रभावित करता है तो उन्हें फौरन सरकार को बताना चाहिए।

## कोरोना दुनिया में:लगातार 7वें हफ्ते मरीजों की संख्या में इजाफा

### एशिया और मिडिल ईस्ट के देशों में हालात सबसे खराब

**वाशिंगटन।** भारत, पाकिस्तान और ब्राजील समेत कई देश कोरोना की नई लहर से जूझ रहे हैं। पिछले 24 घंटे में दुनिया में 6.32 लाख नए केस सामने आए। 7,991 लोगों की मौत भी हुई। मौजूदा वक्त में भारत में कोरोना की लहर सबसे तेज है। यहां रोजाना 1.5 लाख से ज्यादा मामले सामने आ रहे हैं। दुनिया की बात की जाए तो लगातार 7वें हफ्ते संक्रमितों की संख्या में इजाफा हुआ है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन के डायरेक्टर जनरल टेड्रोस ग्रेब्रेयेसस ने यह जानकारी देते हुए सोमवार को बताया कि लगातार चौथे हफ्ते में मौतें भी बढ़ी हैं।

टेड्रोस ने कहा कि जनवरी और फरवरी में लगातार 6 हफ्ते केस कम हुए थे। अब स्थितियां बिल्कुल बदल गई हैं। एशिया और मिडिल ईस्ट के कई देशों में हालात बिगड़ रहे हैं। वैक्सीनेशन ड्राइव के बावजूद नए केस बढ़ रहे हैं। इसे रोकने में वैक्सीन सबसे मजबूत हथियार है, लेकिन यह अकेला काफी नहीं है। मास्क पहनना, फिजिकल डिस्टेंस, सफाई, टेस्टिंग, ट्रेसिंग और आइसोलेशन न सिर्फ संक्रमण रोकते हैं, बल्कि जिंदगी भी बचाते हैं।

**डेढ़ महीने में दोगुने हुए नए केस**

दुनिया में कोरोना का पीक 8 जनवरी को आया था। इस दिन सबसे ज्यादा 8.45 लाख मिले थे। इसके बाद 21 फरवरी को यह संख्या घटकर 3.22 लाख हो गई। यहां से केस बढ़ना शुरू हुआ और 11 अप्रैल को करीब दोगुना बढ़कर 6.32 लाख हो गए।

भारत एक बार फिर ब्राजील को पीछे छोड़कर दुनिया का दूसरा सबसे संक्रमित देश बन गया है। भारत में 1.35 करोड़ लोग कोरोना से संक्रमित हो चुके हैं। वहीं, ब्राजील में यह आंकड़ा 1.34 करोड़ है। अमेरिका 3.19 करोड़ संक्रमितों के साथ टॉप पर है। उधर, तुर्की में भी कोरोना अपना कहर बरपा रहा है। यहां पिछले 5 दिनों से 50 हजार से ज्यादा संक्रमित मिले हैं। रविवार को यहां 50,678 लोगों में कोरोना की पुष्टि हुई और 237 लोगों की मौत हुई। यहां अब तक 38.49 लाख लोग कोरोना की चपेट में आ चुके हैं और 33,939 लोगों की मौत भी हुई है।

चीन के एक सीनियर डिजीज कंट्रोल अफसर का कहना है कि देश में बनी कोरोना वैक्सीन बहुत ज्यादा असरदार नहीं हैं। अफसर का नाम गाओ फू है और वह चाइनीज सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के निदेशक हैं। गाओ ने शनिवार को दक्षिण-पश्चिमी शहर चेंगदू में हुए एक सम्मेलन में कहा कि मौजूदा टीके कोरोना से सुरक्षा देने में बहुत कारगर नहीं हैं।

## अमेरिकी विदेश मंत्री ने कहा- कोरोना महामारी के शुरुआती चरण में चीन ने नहीं बरती पारदर्शिता

**वाशिंगटन।** अमेरिकी विदेश मंत्री टोनी ब्लिंकन ने कोरोना महामारी के शुरुआती चरण में पारदर्शिता नहीं दिखाने पर चीन पर करारा हमला बोला है। उन्होंने कोरोना वायरस की उत्पत्ति को लेकर और अधिक गहन जांच की भी अपील की है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और चीन द्वारा वायरस को लेकर की गई संयुक्त जांच सामने आने के बाद ब्लिंकन ने यह टिप्पणी की है। इस जांच रिपोर्ट से यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि कैसे और कब वायरस इतनी तेजी से फैला।

**ब्लिंकन ने कहा- बीजिंग के हाथ से निकला वायरस का खामियाजा पूरी दुनिया झेल रही**

रिपोर्ट में पश्चिमी देशों द्वारा जताई गई चिंताओं का भी कोई जवाब नहीं दिया गया है। दिए साक्षात्कार में ब्लिंकन ने कहा, मुझे लगता है कि चीन जानता है कि कोरोना को फैलने से रोकने के लिए उसे जो करना चाहिए वह उसने नहीं किया। अंतरराष्ट्रीय विज्ञानियों को अपनी लैब तक पहुंच प्रदान करने के साथ ही उसे रियल टाइम जानकारी साझा करनी चाहिए। ऐसा नहीं करके वायरस बीजिंग के हाथ से निकल गया और उसका खामियाजा पूरी दुनिया झेल रही है।

**अमेरिकी राजनयिक ने कहा- संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए स्वास्थ्य प्रणाली बनानी होगी**

अमेरिका के शीर्ष राजनयिक ने कहा, हम कोरोना से लड़ रहे हैं, लेकिन हमें भविष्य में ऐसी स्वास्थ्य प्रणाली बनानी होगी कि अगर संक्रमण फिर से फैले तो उसे रोकने में हम सक्षम हों। इसके लिए जरूरी है कि हम पारदर्शिता बरतें, जानकारी साझा करें और अपनी प्रयोगशालाओं तक अंतरराष्ट्रीय विज्ञानियों को पहुंच प्रदान करें।इतना ही नहीं विश्व स्वास्थ्य संगठन को मजबूत करने के साथ ही इसमें सुधार करना होगा और चीन को इसमें एक महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी।

**अमेरिका वायरस की उत्पत्ति को लेकर तह तक जाएगा**

जब उनसे यह पूछा गया कि क्या वाशिंगटन विश्व को यह गारंटी देना जा रहा है कि वह वायरस की उत्पत्ति को लेकर तह तक जाएगा। इस पर उन्होंने कहा कि हमें ऐसा करना होगा क्योंकि ऐसा किया जाना आवश्यक है।

## हाउती का सऊदी के एयरपोर्ट और एयरबेस पर ड्रोन हमला, कई स्थानों पर चल रहे संघर्ष में मारे गए 47 लोग

**सना।** यमन के हाउती विद्रोहियों ने सऊदी अरब को एक बार फिर निशाना बनाया है। इसके साथ ही विद्रोहियों का यमन के शहरों में भी संघर्ष जारी है। कई स्थानों पर चल रहे संघर्ष में 47 लोग मारे गए, इनमें 27 हाउती विद्रोही और 20 सैनिक हैं। हाउती विद्रोहियों ने दावा किया है कि उन्होंने जिजैन एयर पोर्ट और किंग खालिद एयरबेस पर ड्रोन से हमला किया।

सऊदी अरब के दक्षिण-पश्चिम के दो शहर जिजैन और खमीस मिशायत को हाउती विद्रोही निरंतर निशाना बना रहे हैं। इन दोनों ही शहरों पर लगातार ड्रोन और मिसाइल हमले हो रहे हैं। विद्रोहियों ने यह भी दावा किया है कि उनके लड़ाकों ने जेद्दाह और जुबैल में रिफाइनरी पर हमला किया। सऊदी अरब ने इस हमले की पुष्टि नहीं की है।

2014 से निरंतर यमन में गृह युद्ध के हालात चल रहे हैं। इस युद्ध में 2015 से सऊदी अरब भी शामिल हो गया है, जो वहां की सरकार को समर्थन दे रहा है। इसीलिये सऊदी अरब के सीमावर्ती क्षेत्र भी हाउती विद्रोहियों के निशाने पर हैं।

### केजरीवाल ने केंद्र सरकार से की अपील

# सीबीएसई की परीक्षा रद्द की जाए

**नई दिल्ली (आनंद राय) ।**

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली समेत पूरे देश में बढ़ते कोरोना मामलों के मद्देनजर केंद्र सरकार से सीबीएसई की परीक्षा रद्द करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में सीबीएसई की परीक्षा में 6 लाख बच्चे बैठेंगे और एक लाख से अधिक शिक्षक शामिल होंगे।

उन्होंने कहा कि कोरोना की चौथी लहर में युवा ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। दिल्ली में 65 फीसद कोरोना मरीज 45 साल से कम उम्र के हैं। अस्पतालों को बैंक्विट हॉल से अटैच किया जा रहा है। कम गंभीर मरीजों का बैंक्विट हॉल में और ज्यादा गंभीर मरीजों का अस्पताल में इलाज किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कोरोना के चलते अस्पतालों में प्लांड सर्जरी दो-तीन महीने के लिए स्थगित रहेगी। अस्पतालों में भर्ती जिन मरीजों को बेड की जरूरत नहीं है, उनसे बेड खाली करने का अनुरोध किया जाएगा, ताकि गंभीर मरीजों के लिए बेड उपलब्ध रहे। सीएम ने कोरोना से ठीक हो चुके लोगों से प्लाज्मा दान करने के लिए आगे आने की अपील की है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कोरोना के संबंध आज डिजिटल प्रेस कॉन्फ्रेंस की। सीएम ने कहा कि कोरोना के केस बहुत तेजी से बढ़ रहे हैं। पिछले 24 घंटे में दिल्ली में 13,500 केस हो चुके हैं। 13,500 केस बहुत ज्यादा हैं। बीते नवंबर में जो पीक आई थी, उस दौरान अधिकतम 8,500 केस आए थे। हम सभी जानते हैं कि इस बार की लहर बहुत खतरनाक है। इस वाली लहर में युवा काफी ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। साथ ही बच्चे भी प्रभावित हो रहे हैं। पिछले 10-15 दिनों का डेटा दिखाता है कि कोरोना के अभी तक जो मरीज आए हैं, उसमें से 65 फीसद मरीज 45 साल से कम उम्र के हैं। मैं सभी युवाओं से अपील करना चाहूंगा कि आप देश के लिए बहुत कीमती हैं। आप लोग अपने परिवार के लिए बहुत कीमती हैं। आपकी जिंदगी, आपका स्वास्थ और आपकी सुरक्षा हम सबके लिए बेहद जरूरी है। सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मैं समझ सकता हूं कि युवाओं के ऊपर अपने माता-पिता, अपनी पत्नी और बच्चों की जिम्मेदारी है। युवाओं को अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने और दो वक्त रोटी कमाने के लिए घर से निकलना पड़ता है, लेकिन घर से तभी निकलें, जब बहुत जरूरी हो।

**45 साल से उपर उम्र के लोग तत्काल वैक्सीन लगवाएं : अरविंद केजरीवाल**

**पिछले 24 घंटे में दिल्ली में 13,500 मामले सामने आए**

## अस्पतालों को किया बैंक्विट हॉल से अटैच

मुख्यमंत्री ने कहा कि जैसा कि हमने कहा था कि हम लॉकडाउन नहीं लगाना चाहते हैं। हमारा पूरा प्रयास है कि स्वास्थ्य बुनियादी ढांचा काबू में रहे। हमने कल सभी अधिकारियों और मेडिकल स्टॉफ के साथ बैठक कर बहुत बड़े स्तर पर योजना बनाई है। हम बड़े-बड़े अस्पतालों के साथ बैंक्विट हॉल और होटल को अटैच कर रहे हैं। मसलन, किसी अस्पताल के अंदर 100 बेड है और उसके साथ हमने एक बैंक्विट हॉल को अटैच कर दिया और उस बैंक्विट हाल में भी 100 बेड है, तो इससे बेड की संख्या बढ़ जाएगी। कोरोना के जो थोड़े से कम गंभीर वाले मरीज होंगे, उनको हम बैंक्विट हॉल में शिफ्ट कर देंगे और अस्पतालों में केवल गंभीर मरीज ही रखे जाएंगे। अगर किसी को केवल ऑक्सीजन की जरूरत है, तो उसे बैंक्विट हॉल में भी दे सकते हैं। एलएनजेपी के सामने एक बैंक्विट हॉल है। उससे बैंक्विट हॉल में अगर ऑक्सीजन का भी इंतजाम कर देंगे और किसी को सिर्फ आक्सीजन की जरूरत है, तो उसका इलाज उसमें हो सकता है। इस तरह से हम बहुत बड़े स्तर पर बेड की क्षमता बना रहे हैं। इसके अलावा, कुछ सरकारी और प्राइवेट अस्पतालों को हमने पूरी तरह से कोविड-19 अस्पताल घोषित कर दिया है।

# दिल्ली को गंदा पानी दे रहा हरियाणा

### पानी में अमोनिया का स्तर 7.6 पीपीएम पहुंचा : राघव चड्ढा

**(संवाददाता)**

**नई दिल्ली।** दिल्ली जल बोर्ड के उपाध्यक्ष राघव चड्ढा ने हरियाणा द्वारा यमुना में अमोनिया युक्त गंदा पानी छोड़ने पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि हरियाणा द्वारा यमुना में छोड़े जा रहे पानी में अमोनिया का स्तर 7.6पीपीएम है।

एक तरफ हरियाणा अमोनिया युक्त पानी दे रहा है और दूसरी तरफ यमुना के जल स्तर को भी कम कर दिया है। इससे यमुना का 674 फीट से घट कर 670 फीट हो गया है। इस वजह से हमारे वाटर ट्रीटमेंट प्लांट 100 फीसद क्षमता पर नहीं चल पा रहे हैं। वजीराबाद प्लांट में पानी उत्पादन की क्षमता 135 से घट कर 82, चंद्रावल में 92 से 71 और ओखला में 21 से 10 एमजीडी हो गई है। उन्होंने कहा कि हरियाणा से गंदा और कम पानी मिलने की वजह से सेंट्रल दिल्ली, साउथ दिल्ली, नॉर्थ दिल्ली और वेस्ट दिल्ली के कई इलाकों में जल आपूर्ति प्रभावित रहेगी। हरियाणा आपराधिक लापरवाही और दिल्ली के दो करोड़ लोगों के जीवन जीने के अधिकार का उल्लंघन कर रहा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार दिल्ली वालों की जिंदगी से खेलना बंद करे और कानूनी तौर पर तय साफ पानी मुहैया कराए।

दिल्ली जल बोर्ड के उपाध्यक्ष राघव चड्ढा ने हरियाणा द्वारा यमुना में छोड़े जा रहे अमोनिया युक्त पानी के संबंध प्रेस कॉन्फ्रेंस की। श्री चड्ढा ने कहा कि आज हम ऐसे दौर से गुजर रहे हैं, जहां कोरोना रूपी राक्षस देश की राजधानी और पूरे हिंदुस्तान में अपना सर फिर से उठा रहा है। कोरोना का प्रकोप देश की राजधानी क्षेत्र में फैलता जा रहा है। इसी के साथ, नवरात्र और रमजान दोनों त्योहार भी शुरू हो गए हैं।

## डीजेबी ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया : राघव चड्ढा

उन्होंने कहा कि हरियाणा इस समय आपराधिक लापरवाही कर रहा है और दो करोड़ दिल्ली वालों के जीवन जीने के अधिकारों का उल्लंघन कर रहा है। हमने सुप्रीम कोर्ट का भी दरवाजा खटखटाया है। हरियाणा सरकार को पिछले 15 दिन में कई चिट्ठियां लिखी हैं। पिछले 15 से 20 दिन से अमोनिया का स्तर बढ़ता जा रहा था और हम लोग अपनी नजरें भी बनाए हुए थे और पानी डाइल्यूट कर अपना काम चला रहे थे, लेकिन आज जब प्रदूषण का स्तर 76 पीपीएम पहुंच गया, तो है तो हमें जनता के सामने यह सारे आंकड़े रखने पड़े।

## डॉ भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा का किया अनावरण

**नई दिल्ली, (एजेंसी)।**

दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष, आदेश गुप्ता ने भारत रत्न डॉ भीमराव अम्बेडकर जी की जयंती की पूर्व संध्या पर उत्तरी दिल्ली नगर निगम के मुख्यालय डॉ. एसपीएम सिविक सेंटर के परिसर में डॉ भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर उत्तरी दिल्ली के महापौर जय प्रकाश, उपमहापौर ऋतु गोयल, स्थायी समिति के अध्यक्ष छैल बिहारी गोस्वामी, नेता सदन योगेश वर्मा, नेता प्रतिपक्ष विकास गोयल, नेता कांग्रेस दल मुकेश गोयल और निगम के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि भीमराव रामजी अम्बेडकर को बाबासाहेब अम्बेडकर के नाम से भी जाना जाता है, वह एक महान भारतीय न्यायविद्, अर्थशास्त्री, राजनीतिज्ञ और समाज सुधारक थे, जिन्होंने दलित बौद्ध आंदोलन को प्रेरित किया और समाज के वंचित वर्ग के प्रति सामाजिक भेदभाव के खिलाफ अभियान चलाया। उन्होंने कहा कि वह हम सभी के लिए बड़ी प्रेरणा हैं। महापौर ने कहा कि बाबासाहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर भारत के महान सपूतों में से एक थे जिन्होंने भारत के संविधान को स्वरूप देने के साथ-साथ समाज के गरीब तथा दलित वर्ग के उत्थान के लिए काम किया।

## टीका लगवाने आए लोगों को जूस पिलाया

**नई दिल्ली।** उत्तरी दिल्ली के महापौर जय प्रकाश ने मंगलवार को हिन्दूराव अस्पताल के वैक्सीनेशन सेन्टर पर गैर सरकारी संगठन जम जम फाउन्डेशन के द्वारा लगाए गए टीका उत्सव स्टॉल में पहुंचकर अस्पताल में चल रहे कोविड टीकाकरण केन्द्र में टीका लगवाने आएं लोगों को जूस, बिस्कुट और मास्क आदि वितरित किए

## दिल्ली में ऑक्सीजन सिलेंडर की मांग 3 गुना बढ़ी, कोरोना मामलों में बेतरतीब उछाल से बिगड़ रहे हालात

**नई दिल्ली ।** राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कोरोनावायरस महामारी की चौथी लहर विकराल रूप लेती जा रही है. दिल्ली में कोरोना ने नया रिकॉर्ड बनाया. पिछले 24 घंटे में 11,491 नए संक्रमण मामले सामने आए हैं. वहीं 72 मरीजों की मौत हुई है. ये आंकड़ा 5 दिसंबर के बाद सबसे ज्यादा है. 5 दिसंबर को 77 मरीजों की मौत हुई थी. दिल्ली का पॉजिटिविटी रेट भी 12.44 प्रतिशत है जो कि 21 नवंबर के बाद सबसे ज्यादा है.

कोरोना मामलों में उछाल के साथ ही दिल्ली में होम आइसोलेशन में रहने वाले 17,000 लोगों के बीच ऑक्सीजन सिलेंडर और कॉन्सेंट्रेटर्स की मांग में तीन गुनी वृद्धि हुई है.

कोरोना संक्रमण के नए मामलों और ऑक्सीजन की बढ़ती मांग से चिंतित दिल्ली सरकार ने सोमवार को कहा कि जिस परिवार में कोरोना संक्रमण का एक भी मामला आए, वहां ऑक्सीमीटर दिया जाना सुनिश्चित किया जाए ताकि वह समय-समय पर ऑक्सीजन का स्तर नाप सकें. शरीर में ऑक्सीजन का स्तर 94 से नीचे आते ही अस्पताल को सूचित किया जाए.

दिल्ली के मुख्य सचिव विजय देव ने इस बारे में सोमवार को एक समीक्षा बैठक की. उन्होंने कहा कि समस्या से निपटने के लिए हेड क्वार्टर और दिल्ली सरकार के 11 अस्पतालों में 24म7 सेल बनाया जाए. यह सेल यह सुनिश्चित करेगा कि मरीज़ के हालात खराब होने पर हर अस्पताल का सिस्टम ठीक से काम करे.

यह सेल इस बात की भी पहचान करेगा कि भौगोलिक रूप से किस इलाके से सबसे ज्यादा लेट एडमिशन या मौत के मामले सामने आ रहे हैं जिससे आगे कार्रवाई की जा सके. यह सेल यह भी देखेगा कि अस्पतालों में जितने एडमिशन हो रहे हैं उनमें से कितनी मौत हो रही हैं.

### दो दिवसीय ऑनलाइन राउंड टेबल कॉन्फ्रेंस आयोजित

# वायु प्रदूषण कम करने के लिए जन भागीदारी पर जोर देगी सरकार

केजरीवाल सरकार ने पिछले 7 सालों में धूल प्रदूषण, वाहन प्रदूषण, बायोमास बर्निंग को कम करने का काम किया : गोपाल राया

**(संवाददाता)**

**नई दिल्ली ।** दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने दो दिवसीय ऑनलाइन राउंड टेबल कॉन्फ्रेंस के अंतिम दिन कहा कि दिल्ली में वायु प्रदूषण को कम करने के लिए सरकार जन भागीदारी पर जोर देगी।

केजरीवाल सरकार ने दिल्ली के अंदर पिछले 7 सालों में धूल प्रदूषण, वाहन प्रदूषण, बायोमास बर्निंग को कम करने का काम किया है। दिल्ली की राजनैतिक और भौगोलिक परिस्थिति के चलते बहुत तरह की बाधाएं आती हैं, इसके बावजूद दिल्ली के प्रदूषण को कम करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। दिल्ली सरकार प्रदूषण कम करने के लिए पॉलिसी और तकनीक के क्षेत्र में काम कर रही है। अभी जन अभियान बनाने की दिशा में काम करना है। दिल्ली के अंदर पैदा हो रही थोड़ी-थोड़ी धूल मिलकर बड़े प्रदूषण का कारण बनती है। ऐसे में लोगों को समझाने की जरूरत है कि क्या करना है और क्या नहीं करना है। जिन साथियों को जन-अभियानों का अनुभव है वो आगे आएं। महामारी के दौरान प्रदूषण के खिलाफ जन अभियान पैदा करने में मदद करें। दिल्ली के पर्यावरण विभाग की ओर से 12 से 13 अप्रैल तक दो दिवसीय ऑनलाइन राउंड टेबल कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। जिसमें शैक्षणिक संस्थानों के विशेषज्ञ, स्वयंसेवी संगठनों, गैर सरकारी संगठनों और प्रमुख सिविल सोसायटी संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि केजरीवाल सरकार ने दिल्ली के अंदर पिछले 5-7 सालों के दौरान कई सारे इनिशिएटिव लिए हैं। धूल प्रदूषण, वाहन प्रदूषण से लेकर बायोमास बर्निंग को कम करने के लिए काम किया है।

## घर से कूड़ा उठाने के लिए नीले व हरे डस्टबीन बांटे

**(संवाददाता)**

**नई दिल्ली ।** अनारकली वार्ड में पूर्वी दिल्ली नगर निगम की योजना के तहत घर-घर से कूड़ा उठाने के लिए स्थानीय नागरिकों को गीले और सूखे कूड़े के लिए नीलें व हरे डस्टबीन बांटे गए।

इस मौके पर आप नेता डॉ संजीत आचार्य, कृष्णा नगर से विधायक एसके बग्गा, स्थानीय निगम पार्षद रेखा दीक्षित व कई गणमान्य जन मौजूद रहे। डॉ संजीत आचार्य ने निगम पार्षद रेखा दीक्षित के कार्यों की तारीफ की । उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी जनहित में कार्य कर रही है व दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने दिल्ली को नया मोडल बनाया है, जिसकी तारीफ पूरे देश में तारीफ हो रही है। इस योजना के अंतर्गत जल्द ही वार्ड में नए डिजाइन के कूड़ा उठाने वाले ऑटो टिपर भी लगाए जाएंगे। निगम ने यह योजना इसलिए बनाई गई है ताकि लोग अपने घर का कूड़ा सड़क पर न डाले। घर-घर से गीला और सूखा कूड़ा अलग-अलग उठाया जाएगा। गीला कूड़ा निगम द्वारा प्लांट पर गैस व खाद बनाने के लिए भेजा जाएगा और बाकी कूड़ा गाजीपुर साइट पर जाएगा। निगम पार्षद रेखा दीक्षित ने कहा कि इस योजना के शुरू होने से क्षेत्र में जगह-जगह पड़ने वाले कूड़े से निजात मिलेगी और क्षेत्र में साफ सफाई से रहेगी।

## कभी ऐतिहासिक विरासत के लिए जाना जाता था बुराड़ी, आज भीषण जाम वाले इलाके के रूप में बनी पहचान

**नई दिल्ली ।** यमुना नदी के किनारे बसा बुराड़ी अपनी ऐतिहासिक विरासत के लिए जाना जाता रहा है। दिल्ली के सबसे प्राचीन गांवों में शामिल बुराड़ी में पांडवकालीन खांडेश्वर मंदिर है, लेकिन आज बुराड़ी की इस ऐतिहासिकता पर रोजाना लगने वाले भीषण जाम की ऐसी काली साया पड़ चुकी है कि अब यहां आने से पहले लोगों के शरीर में सिहरन पैदा होने लगती है और लोग कई बार सोचने लगते हैं।

जाम अब मानसिक प्रताड़ना का कारण बन चुका है और क्षेत्र में रहने वाली बड़ी आबादी के लिए प्रतिदिन मुख्य मार्ग (सौ फुटा रोड) पर सफर के दौरान इस प्रताड़ना से गुजरना नियति बन चुकी है। वाहनों के ईंधन व समय की बर्बादी के पर्याय इस जाम को लेकर लोग खुद को निरुपाय महसूस करने लगे हैं। वजह साफ है कि शासन प्रशासन की जाम से निजात के लिए अब तक की गई सभी कवायदें धरी की धरी रह गई हैं।

हालांकि क्षेत्र के विधायक ने फिर से यह कवायद शुरू की है और उन्होंने छह अप्रैल को दिल्ली विधानसभा कक्ष में संबंधित विभागों के अधिकारियों व क्षेत्र के पार्षदों के साथ बैठक कर समस्या के निदान पर विचार विमर्श किया है। बैठक में कोई ठोस कार्य योजना तो नहीं बन सकी, लेकिन यातायात पुलिस व नगर निगम की जिम्मेदारी जरूर तय कर दी गई। इसके चलते सुबह-शाम पीक आवर्स में तीन घंटे यातायात पुलिस की तैनाती के साथ नगर निगम को फुटपाथ पर कब्जे को हटाने के लिए कहा गया। बैठक में भाजपा पार्षद अनिल त्यागी ने निर्माणाधीन पुश्ता रोड के कार्य को जल्द पूरा करवाने का सुझाव दिया, ताकि मुख्य मार्ग पर यातायात का दबाव कम हो सके। बहरहाल, निर्माण कार्य के कारण झड़ौदा से हिनकी तक जाने वाले पुश्ता रोड पर आवागमन बंद है, जिसने मुख्य मार्ग पर हाल के दिनों में जाम को नासूर बना दिया है।

करीब एक सौ कालोनियां व 10 गांवों की बड़ी आबादी के कारण उत्पन्न यातायात के दबाव को मुख्य मार्ग डोल भी सकता है, बशर्ते सभी प्रकार के अतिक्रमण को हटा दिया जाए। अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों की इच्छाशक्ति के साथ वोट की राजनीति मुख्य मार्ग पर अवैध कब्जे को हटाने में रोड़ा साबित हो रही है। बिजली के ट्रांसफार्मरों, खंभों, रेहड़ी पटरी, दुकानदारों, मोटर वर्कशापों के अतिक्रमण ने सौ फुटा रोड की चौड़ाई कई जगहों पर आधी कर दी है, किंतु निदान के लिए आज तक खानापूर्ति के सिवा कुछ नहीं हो सका है। बंगाली कालोनी पुलिया की चौड़ीकारण को भी कोई लाभ नहीं मिल पा रहा है। हालांकि क्षेत्र के विधायक संजीव झा कहते हैं कि बैठक में ठोस ट्रैफिक प्लान तैयार किया गया है।

## दिल्ली में फ्री नहीं होंगे टोल नाके, अब नई कंपनी वसूलेगी टोल शुल्क

**नई दिल्ली ।** राजधानी दिल्ली में टोल नाकों को मुफ्त करने की योजना अब लागू नहीं होगी। दक्षिणी निगम ने अब सहकार ग्लोबल लिमिटेड के माध्यम से टोल वसूली का फैसला लिया है। दरअसल, निगम ने टोल वसूलने वाली कंपनी एमईपी इन्फ्रास्टक्चर लिमिटेड का कार्यादेश निरस्त कर दिया था। निगम का कहना था कि एमईपी तय शर्तों के मुताबिक निगम को भुगतान नहीं कर रही थी। इसके बाद बीते वर्ष निगम ने निविदा प्रक्रिया के जरिये सहकार ग्लोबल को इस कार्य के लिए चयन किया गया था। लेकिन, मामला दिल्ली हाईकोर्ट में लंबित होने के चलते सहकार ग्लोबल टोल को कार्यादेश जारी नहीं कर पा रहा था। दिल्ली हाई कोर्ट से पुरानी कंपनी के कार्यादेश को निरस्त करने की मंजूरी मिलने के बाद दक्षिणी निगम अब नई कंपनी को टोल वसूली का कार्य सौंप दिया है।

दिल्ली में जितने भी टोल एंट्री पॉइंट्स हैं, वहां टोल कलेक्शन के लिए नई एजेंसी दिखाई देने लगी है। एमसीडी अफसरों का कहना है कि एजेंसी को हर महीने 100 करोड़ (सालाना 1200 करोड़) का रेवेन्यू देना था। लेकिन एजेंसी हर महीने 80 करोड़ रुपये ही दे पा रही थी। नई एजेंसी के लिए नए टेंडर में एमसीडी ने इस बार कोरोना और दंगों जैसी स्थितियों का भी जिक्र किया है, ताकि दिल्ली में अगर कभी ऐसी समस्या हो तो, एजेंसी को राहत दी जा सके।

**मांग** आयुष्मान भारत योजना को दिल्ली में लागू करने की घोषणा करे सरकार : गुप्ता

# भाजपा ने कोविड संकट पर सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की

**नई दिल्ली, (एजेंसी)।**

दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने मंगलवार को एक पत्रकार सम्मेलन में आरोप लगाया कि अरविंद केजरीवाल सरकार अपने महिमामंडन में इतनी व्यस्त है कि उसके पास कोविड की स्वास्थ्य सेवाओं को सुचारू करने का समय ही नहीं है। उन्होंने कहा कि आज दिल्ली सरकार की अपनी कोविड व्यवस्थायें ठप्प हो चुकी हैं और वह पूरी तरह निजी अस्पतालों पर आश्रित नजर आ रही है। प्रदेश कार्यालय में हुए पत्रकार सम्मेलन में प्रदेश महामंत्री हर्ष मल्होत्रा, प्रदेश मीडिया प्रमुख नवीन कुमार, प्रदेश प्रवक्ता हरीश खुराना उपस्थित थे।

**सरकारी अस्पताल कोविड से लड़ाई के लिए तैयार नहीं हैं : आदेश गुप्ता**

आदेश गुप्ता ने कहा कि दिल्ली में कोविड संक्रमण की चौथी लहर लगभग दस दिन से तेजी पर है, लेकिन केजरीवाल सरकार ने आज तक एल.एन.जे.पी. सहित अपने किसी भी बड़े अस्पताल को पूरी तरह कोविड समर्पित नहीं किया। कल अचानक 14 बड़े निजी अस्पतालों को 100 प्रतिशत कोविड समर्पित करने की घोषणा से साफ है कि सरकारी अस्पताल कोविड से लड़ाई के लिए तैयार नहीं हैं।

उन्होंने कहा कि निजी अस्पतालों में कोविड का इलाज बहुत महंगा है। निम्न ही नही सामान्य तथा मध्यम आय वर्ग की क्षमता के बाहर है। जिसके चलते आज दिल्ली में हजारों गम्भीर मरीज खुद को

इलाज कराने में भी असमर्थ पा रहे हैं। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने गत वर्ष दिल्ली में आयुष्मान भारत योजना लागू करने की घोषणा की थी पर इसे आज तक लागू नहीं किया गया जिससे दिल्ली के मरीज बहुत परेशान हैं। आदेश गुप्ता ने कहा कि लगभग सारे देश में गरीब मरीज आयुष्मान योजना का लाभ उठा कर निजी अस्पतालों में अपना कोविड इलाज नि:शुल्क करवा रहे हैं, लेकिन दिल्ली के मरीजों को इस योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा। उन्होंने कहा कि इसी तरह दिल्ली में अधिकांश कोविड मरीजों को पंजीकरण के बावजूद सरकारी डाक्टरी सलाह, ऑक्सीमीटर एवं आवश्यकता पड़ने पर क्वारंटाइन सेन्टरों की सुविधा नहीं मिल पा रही। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि वह तुरंत सर्वदलीय बैठक बुला कर कोविड की चौथी नई लहर से लड़ने की योजना रखे। साथ ही दिल्ली सरकार पंजीकृत मरीजों के लिए डाक्टरी सलाह एवं अविलंब जांच केंद्रों के साथ ही क्वारंटाइन सेन्टरों की उपलब्धता को बढ़ाए और आयुष्मान भारत योजना को दिल्ली में लागू करने की घोषणा करें। आदेश गुप्ता ने कहा कि दिल्ली के सरकारी कालेज एवं स्कूलों का उपयोग क्वारंटाइन सेन्टर या अस्थाई अस्पताल के रूप में करने का भी सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि यह बेहद दुखद है कि आज जब दिल्ली के अधिकांश रोगी को खास कर ऑक्सीजन बेड एवं वेंटिलेटरों की आवश्यकता है, ऐसे वक्त पूरा सरकारी तंत्र एवं सत्ताधारी आम आदमी पार्टी केन्द्र सरकार के द्वारा चलाए जा रहे टीकाकरण अभियान को विवादित करने में लगे हैं।

## दिल्ली हाईकोर्ट ने सिद्दीबप्पा की जमानत याचिका पर एनआईए से मांगा जवाब, इंडियन मुजाहिदीन का आतंकी होने के लगे हैं आरोप

**नई दिल्ली ।** दिल्ली हाईकोर्ट ने देश में आतंकवादी गतिविधियों की साजिश रचने के आरोप में 2016 में गिरफ्तार किए गए इंडियन मुजाहिदीन के संदिग्ध आतंकी अब्दुल वाहिद सिद्दीबप्पा की जमानत याचिका पर एनआईए से मंगलवार को जवाब मांगा है. सिद्दीबप्पा ने मामले की सुनवाई में अत्यधिक विलंब÷ होने के आधार पर जमानत मांगी है.

जस्टिस सिद्धार्थ मृदुल और न्यायमूर्ति ए जे बंबानी की पीठ ने आरोपी की याचिका पर राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) को नोटिस जारी कर मामले को सुनवाई के लिये छह मई को सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया. सिद्दीबप्पा की ओर से अधिवक्ता एस एम खान ने कहा कि आरोपी लगभग पांच साल से तिहाड़ जेल में बंद है और आठ साल पहले दर्ज हुए मामले में कोई प्रगति नहीं हुई है.

उन्होंने कहा कि वह जमानत इसलिए मांग रहे हैं क्योंकि इस मामले में कोई प्रगति नहीं हुई है. अभी तक आरोप तय नहीं होने के चलते मामले की सुनवाई भी शुरू नहीं हुई है.

**IGI एयरपोर्ट से गिरफ्तार हुआ था सिद्दीबप्पा-** एनआईए ने 15 नवंबर 2016 को अब्दुल वाहिद सिद्दीबप्पा के खिलाफ एक विशेष अदालत में चार्जशीट दायर की थी. उसे देश में आतंकी वारदातों को अंजाम देने के लिए कथित साजिश के एक मामले में दुबई से दिल्ली पहुंचने पर **IGI** एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया गया था. सिद्दीबप्पा कर्नाटक के भटकल के रहने वाला और इंडियन मुजाहिदीन के को-फाउंडर यासीन भटकल का चचेरा भाई है. उसे दुबई से आने के बाद 20 मई 2016 को **IGI** एयरपोर्ट से पकड़ा गया था.

**दुबई के रास्ते पाकिस्तान से फंड भेजने का आरोप-** एनआईए ने आरोप लगाया था कि सिद्दीबप्पा ने आतंकी वारदातों को अंजाम देने के लिए पाकिस्तान के फंड को दुबई के रास्ते अन्य इंडियन मुजाहिदीन गुर्गों को सप्लाई करने में मुख्य भूमिका निभाई थी. कोर्ट ने 6 नवंबर, 2013 को सिद्दीबप्पा के खिलाफ एक गैर-जमानती वारंट जारी किया था, जिसे समय-समय पर बढ़ाया गया. आखिर में 3 दिसंबर 2013 को उसके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया गया था. एनआईए ने पहले भटकल और उसके सहयोगी असदुल्लाह अख्तर के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया था. उन पर आईपीसी की विभिन्न धाराओं के तहत 120 बी (आपराधिक षड्यंत्र), 121 (देश के खिलाफ युद्ध छेड़ना), 121 ए (युद्ध छेड़ने की साजिश) और गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था.

# संपादकीय

## अभी सही नहीं सबको टीका लगाना

आज हम में से कुछ लोग 1980 और 1990 के दशकों को याद कर सकते हैं, जब डिप्थीरिया, पोलियो, काली खांसी जैसी टीकारोधी बीमारियों के शिकार बच्चों के फोटो वाले 'टिन-प्लेट' से बने पोस्टर गांवों और शहरों के प्रमुख स्थानों पर चिपके होते थे। स्वास्थ्य केंद्रों और जिला अस्पतालों के बाहर तो ये विशेष तौर पर बड़े-बड़े आकार में लगाए जाते थे। देश में दरअसल, उन दिनों नौनिहालों को इन रोगों से बचाने के लिए सार्वभौमिक टीकाकरण अभियान शुरू किया गया था। आज लगभग चार दशक बाद इनमें से अधिकांश रोग कमोबेश खत्म हो गए हैं, और साथ-साथ टिन-प्लेट के ये पोस्टर भी। यह टीके का महत्व और उसकी ताकत दर्शाते हैं। अभी भारत में कोविड-19 टीकाकरण का जो बड़ा अभियान चल रहा है, वह पिछले चार दशकों में प्रशिक्षित वैक्सीनेटर (टीका लगाने वाले) की बड़ी संख्या, कोल्ड चेन प्वॉइंट्स और टीकाकरण के अन्य बुनियादी ढांचे में हुए अहम सुधार के कारण ही संभव हो पा रहा है। महामारी के दौरान पिछले एक वर्ष में हम यह बखूबी समझ चुके हैं कि सार्स कोव-2 अन्य वायरस से बिल्कुल अलग है। कई देशों में दूसरी व तीसरी लहर के रूप में यह महामारी लौटी है, और हर बार इसका असर विनाशकारी रहा। इसीलिए पूरी दुनिया ने शिद्दत के साथ इसके टीके का इंतजार किया। इस महामारी से पहले भी भारत विभिन्न टीकों के उत्पादन में एक अग्रणी देश रहा है। यहां कई निम्न और मध्यम आय वाले देशों की तुलना में कम लागत पर उच्च गुणवत्ता के पारंपरिक टीके बनाए और मुहैया कराए जाते हैं। हमने कोविड-19 संक्रमण काल में भी दो टीकों को मंजूरी दी, जिनका अब इस्तेमाल हो रहा है। कुछ और टीके भी मंजूरी की राह पर हैं। देश के भीतर तो टीकाकरण अभियान चल ही रहा है, एक अग्रणी टीका-निर्माता देश होने के कारण हमने दुनिया भर के 80 से अधिक देशों को यह वैक्सीन उपलब्ध कराई। ऐसा करके, भारत ने दुनिया को संदेश दिया कि वैश्विक महामारी जैसी बड़ी चुनौती से एकजुट होकर ही लड़ सकते हैं।

बहरहाल, अपने यहां लोगों में झिझक की वजह से शुरुआती हफ्तों में टीकाकरण अभियान प्रभावित हुआ, लेकिन कोरोना की दूसरी लहर आने के बाद और 45 साल से अधिक उम्र के लोगों को टीके दिए जाने की मंजूरी के बाद वैक्सीन की मांग बढ़ने लगी है। हालांकि, अब इस अभियान में नई चुनौतियां भी नजर आ रही हैं। मसलन, कुछ राज्यों ने टीके की सीमित स्टॉक होने की सूचना दी है और केंद्र सरकार से अधिक आपूर्ति की मांग की है। खबरें यह भी आ रही हैं कि टीके की अनुपलब्धता के कारण कुछ जगहों पर टीकाकरण रुक गया है। रिपोर्टें ये भी हैं कि भारत में हर दिन टीके की जितनी खुराक लोगों को दी जा रही है, उत्पादन उससे काफी कम हो रहा है। चंद दिनों पहले ही खबर आई थी कि कोविड-19 टीके का कुल उत्पादन, अनुमानित आपूर्ति से कम हो गया है। लिहाजा, एक अग्रणी वैक्सीन निर्माता ने अपने उत्पादन को बढ़ाने के लिए आर्थिक मदद मांगी है। इसके अलावा, कुछ राज्य और समूह देश के सभी वयस्क नागरिकों को टीका लगाने की मांग कर रहे हैं। आज जब तमाम राज्य कोरोना की दूसरी लहर से जूझ रहे हैं, तब टीकाकरण अभियान की निरंतरता सुनिश्चित करने के साथ-साथ महामारी के खिलाफ ठोस रणनीति बनाने की दरकार है। जब संक्रमण-दर कम थी, तब स्वाभाविक तौर पर टीकाकरण अभियान पर बहुत अधिक ध्यान दिया गया। हालांकि, दूसरी लहर के बीच इसे और अधिक लक्षित करना जरूरी है। अब जबकि संक्रमण के मामले बहुत तेजी से सामने आ रहे हैं, तब सात आयामी रणनीति का पालन किया जाना चाहिए। ये आयाम हैं- जांच, एकांतवास या क्वारंटीन, मरीज के संपर्क में आए लोगों की पहचान, इलाज, बचाव संबंधी व्यवहारों (मास्क पहनना, हाथ धोना व शारीरिक दूरी बनाना) का पालन, साझीदारी व जन-भागीदारी और कोविड-19 टीकाकरण अभियान। हमारा प्रयास न सिर्फ महामारी के बढ़ते प्रसार को थामना होना चाहिए, बल्कि हमें आगामी महीनों के लिए रणनीति भी बनानी चाहिए। इसके लिए इन सातों रणनीतियों पर मजबूती से अमल करने की जरूरत है। अभी तमाम वयस्कों के लिए टीकाकरण शुरू करने से हमें कोई खास फायदा नहीं होगा। टीके का लाभ तभी मिलता है, जब उसकी दोनों खुराक तय समय पर ली जाए। ऐसे में, अगर किसी को आज टीके की पहली खुराक लगाई जाएगी, तो मई या जून के अंत तक वह पूरी तरह से सुरक्षित हो सकेगा। यानी, मौजूदा लहर का मुकाबला करने की यह समयानुकूल रणनीति नहीं है। इसीलिए अधिकाधिक लोगों को टीके लगाना और टीके को लेकर लोगों की हिचक को दूर करना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। देश के सभी वयस्कों के लिए टीकाकरण शुरू कर देने से कुछ और स्वास्थ्यकर्मियों को इस काम में लगाना होगा, जिससे कोविड और गैर-कोविड अनिवार्य स्वास्थ्य सेवाओं की निरंतरता प्रभावित हो सकती है। फिर भी, इस महामारी की गंभीरता को देखते हुए चुनिंदा इलाकों या जिलों में अतिरिक्त जनसंख्या समूहों के टीकाकरण संबंधी विचार को पूरी तरह से खारिज नहीं किया जाना चाहिए। जाहिर है, टीकाकरण अभियान में जो चुनौतियां उभर रही हैं, उन पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। कोविड-19 रोधी टीके की आपूर्ति को सुनिश्चित किया जाना बहुत जरूरी है। टीकाकरण अभियान गति पकड़ चुका है और जिन्होंने पहली खुराक ले ली है, वे बड़ी संख्या में दूसरी खुराक लेने के लिए टीका-केंद्रों पर आने लगेंगे। इससे टीके की मांग तेजी से बढ़ जाएगी। आपूर्ति और मांग के मौजूदा अंतर को पहले के उत्पादन से कुछ समय के लिए ही पाटा जा सकता है, लिहाजा टीका आपूर्ति की व्यवस्था को कहीं अधिक टिकाऊ बनाने की दरकार है। यह वक्त पिछले एक साल की चुनौतियों से सीखने का भी है। जन-भागीदारी बढ़ाने के लिए व्यवहारमूलक और समाज विज्ञान संबंधी रणनीति का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। 1980 के दशक की तरह आज टिन-प्लेट के पोस्टर तो नहीं दिख रहे, पर पिछले चार दशकों में टीकाकरण का जो ढांचा हमने खड़ा किया है, उसका फायदा हमें आज मिल रहा है। 2021 में हमें कोरोना आपदा को भारत की स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करने के अवसर के रूप में बदलना होगा।

**प्रवीण कुमार सिंह**

# ऐसी कंपनियों पर नियंत्रण जरूरी, जिन्होंने भारत को अपने उत्पादों का डंपिंग ग्राउंड बना दिया

**नई नीति में ऑनलाइन शॉपिंग से जुड़ी कंपनियों के बाजार, बुनियादी ढांचे के साथ-साथ निर्यात बढ़ाए जाने संबंधी रणनीति भी शामिल करनी होगी। इन रणनीतिक कदमों के साथ-साथ सरकार द्वारा देश के छोटे उद्योग-कारोबार को ई-कॉमर्स से जोड़ने के लिए विशेष सुविधाएं भी सुनिश्चित करनी होंगी। हम उम्मीद करें कि सरकार लगातार बढ़ रहे ई-कॉमर्स की चमकीली संभावनाओं को भुनाने, करोड़ों उपभोक्ताओं को संतुष्ट करने और अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने के लिए ई-कॉमर्स कंपनियों तथा देश के उद्योग-कारोबार से संबंधित विभिन्न पक्षों के हितों के बीच उपयुक्त समन्वय से नई ई-कॉमर्स नीति को मूर्तरूप देने की डगर पर तेजी से आगे बढ़ेगी।**

कोरोना संक्रमण से निर्मित हुई ऑनलाइन खरीदारी देश के कोने-कोने में करोड़ों उपभोक्ताओं की आदत और व्यवहार का अभिन्न अंग बन गई है। ऑनलाइन उत्पादों के कैटलॉग चेक करके मनपसंद वस्तुओं की एक क्लिक पर वापसी की सुविधा के साथ घर के दरवाजे पर डिलीवरी का लाभप्रद बाजार ई-कॉमर्स की देन है। देश में ई-कॉमर्स कितनी तेजी से छलांगें लगाकर आगे बढ़ रहा है, इसका अनुमान ई-कॉमर्स से संबंधित कुछ नई रिपोर्टों से लगाया जा सकता है। विश्व प्रसिद्ध ग्लोबल प्रोफेशनल सिंवसेज फर्म अलवारेज एंड मार्सल इंडिया और सीआइआइ इंस्टीट्यूट ऑफ लॉजिस्टिक्स द्वारा तैयार रिपोर्ट के मुताबिक भारत में ई-कॉमर्स का जो कारोबार 2010 में एक अरब डॉलर से भी कम था, वह 2019 में 30 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गया और अब 2024 तक 100 अरब डॉलर के पार पहुंच सकता है। गोल्डमैन सैक्श का भी अनुमान है कि भारत का ई-कॉमर्स कारोबार 27 फीसद चक्रवर्ती ब्याज दर से बढ़ते हुए 2024 तक 99 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। अमेरिकी कंपनी एफआइएस की ग्लोबल पेमेंट रिपोर्ट, 2021 में कहा गया है कि भारत में बाय नाउ, पे लेटर के चलते ऑनलाइन पेमेंट सिस्टम दूसरे देशों की तुलना में तेजी से आगे बढ़ रहा है। देश में जिस रफ्तार से ई-कॉमर्स बढ़ रहा है, उसी रफ्तार से ई-कॉमर्स के तहत विदेशी निवेश भी बढ़ रहा है। ऐसे में देश में ई-कॉमर्स के चमकीले बाजार तक अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए दुनियाभर की बड़ी-बड़ी ऑनलाइन कंपनियों के कदम भारत की ओर तेजी से बढ़ते हुए दिखाई दे रहे हैं।

कोरोना संक्रमण की चुनौतियों का सामना कर रहे देश के करोड़ों लोगों के लिए घर बैठे सामान प्राप्त करने की प्रवृत्ति जीवन का अहम भाग बन गई है। विभिन्न वैश्विक अध्ययन रिपोर्टों के मुताबिक बड़ी संख्या में लोगों का मानना है कि वे अब खरीदारी के लिए भीड़भाड़ में नहीं जाएंगे। भारत में इंटरनेट मीडिया लोकल सर्कल ने पिछले दिनों विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस के मद्देनजर एक विशेष सर्वे किया। इसमें यह बात सामने आई कि 49 फीसद भारतीय अब खरीदारी के लिए ई-कॉमर्स साइट एवं एप को वरीयता देने लगे हैं।बढ़ते डिजिटलीकरण, इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की लगातार बढ़ती संख्या, मोबाइल और डाटा पैकेज, दोनों का सस्ता होना भी ई-कॉमर्स के बढ़ने के प्रमुख कारण हैं। मोबाइल ब्रॉडबैंड इंडिया ट्रैफिक इंडेक्स, 2021 के मुताबिक डाटा खपत बढ़ने की रफ्तार पूरी दुनिया में सबसे अधिक भारत में है। पिछले वर्ष 10 करोड़ नए 4जी उपभोक्ताओं के जुड़ने से देश में उनकी संख्या 70 करोड़ से अधिक हो गई है। ट्राई के मुताबिक जनवरी 2021 में भारत में ब्राडबैंड उपयोग करने वालों की संख्या बढ़कर 75.76 करोड़ पहुंच गई। रेडसीर कंसल्टिंग की नई रिपोर्ट के मुताबिक भारत में 2019-20 में जो डिजिटल भुगतान बाजार करीब 2,162 हजार अरब रुपये रहा, वह 2025 तक तीन गुना से भी अधिक बढ़कर 7,092 हजार अरब रुपये पर पहुंच जाना अनुमानित है।

देश में पहली बार ई-कॉमर्स का इस्तेमाल कर रहे लोगों को खरीदारी में आसानी हो, इसके लिए कुछ कंपनियों द्वारा विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं में खरीद की सुविधा शुरू किए जाने से भी ई-कॉमर्स बढ़ा है। जैसे-जैसे देश में ई-कॉमर्स आगे बढ़ रहा है, वैसे-वैसे विभिन्न औद्योगिक संगठनों और छोटे उद्योगों-कारोबारियों की ई-कॉमर्स के प्रति शिकायतें भी बढ़ रही हैं। इनका कहना है कि विदेशी ई-कॉमर्स कंपनियों द्वारा गलाकाट प्रतिस्पर्धा करने के लिए अपने मार्केट प्लेटफॉर्मों के संचालन के लिए भारत में लाखों करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं।

देश के छोटे कारोबारियों द्वारा यह भी कहा गया है कि अमेजन जैसी ई-कॉमर्स कंपनियां द्वारा अपने प्लेटफॉर्म पर गुपचुप तरीके से भारी छूट उपलब्ध कराकर छोटे कारोबार के भविष्य के सामने चिंताएं की लकीरें खींची जा रही हैं। ऐसे में हाल में सरकार द्वारा विभिन्न पक्षों के साथ नई ई-कॉमर्स नीति को लेकर विचार-विमर्श किया गया। इसमें देश के उद्योग-कारोबार संगठनों ने कहा कि नई ई-कॉमर्स नीति के तहत छोटे उद्यमियों और कारोबारियों के हितों का पूरा ध्यान रखा जाना चाहिए। ई-कॉमर्स की वैश्विक और भारतीय कंपनियों के लिए समान अवसर मुहैया कराए जाने चाहिए, ताकि छूट और विशेष बिक्री के जरिये बाजार को बिगाड़ा न जा सके। कई बड़ी कंपनियों ने सरकार को सुझाव दिया है कि ई-कॉमर्स में एफडीआइ नीति में स्थायित्व और निरंतरता लाई जाए।

नई ई-कॉमर्स नीति तैयार करते समय सरकार का दायित्व है कि इससे देश की विकास आकांक्षाएं पूरी हों और बाजार भी विफलता और विसंगति से बचा रहे। नई नीति के तहत सरकार द्वारा देश में बढ़ते हुए ई-कॉमर्स बाजार में उपभोक्ताओं के हितों और उत्पादों की गुणवत्ता संबंधी शिकायतों के संतोषजनक समाधान के लिए नियामक भी सुनिश्चित किया जाना होगा। इसके तहत ऐसी बहुराष्ट्रीय ई-कॉमर्स कंपनियों पर उपयुक्त नियंत्रण करना होगा, जिन्होंने भारत को अपने उत्पादों का डंपिंग ग्राउंड बना दिया है। नई नीति में ऑनलाइन शॉपिंग से जुड़ी कंपनियों के बाजार, बुनियादी ढांचे के साथ-साथ निर्यात बढ़ाए जाने संबंधी रणनीति भी शामिल करनी होगी। इन रणनीतिक कदमों के साथ-साथ सरकार द्वारा देश के छोटे उद्योग-कारोबार को ई-कॉमर्स से जोड़ने के लिए विशेष सुविधाएं भी सुनिश्चित करनी होंगी। हम उम्मीद करें कि सरकार लगातार बढ़ रहे ई-कॉमर्स की चमकीली संभावनाओं को भुनाने, करोड़ों उपभोक्ताओं को संतुष्ट करने और अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने के लिए ई-कॉमर्स कंपनियों तथा देश के उद्योग-कारोबार से संबंधित विभिन्न पक्षों के हितों के बीच उपयुक्त समन्वय से नई ई-कॉमर्स नीति को मूर्तरूप देने की डगर पर तेजी से आगे बढ़ेगी।

# आसमान में उड़ान की विजय गाथा, भारत के प्रथम अंतरिक्ष यात्री राकेश शर्मा की कहानी

आज से 37 साल पहले राकेश शर्मा अंतरिक्ष में प्रवेश करने वाले और वहां लंबा समय व्यतीत करने वाले पहले भारतीय बने थे और यह कीर्तिमान आज भी कायम है। किसी भारतीय का अंतरिक्ष में प्रवेश भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान के लिए एक स्वर्णिम पल था। यह सही है कि भारत को यह अवसर रूस से मैत्री के सौजन्य से मिला, लेकिन यह भी सच है कि इस उपलब्धि से हमें अंतरिक्ष के क्षेत्र में पूरी तरह आत्मनिर्भर होने की प्रेरणा मिली। हमने स्वदेशी साधनों का तेजी से विकास किया और इस क्रम में कई महत्वपूर्ण मुकाम हासिल किए। आज हमारे पास चांद और मंगल पर पहुंचाने वाले शक्तिशाली रॉकेट हैं। आज हम न केवल अपने महत्वपूर्ण उपग्रह खुद अपने रॉकेटों के जरिये पृथ्वी की कक्षा में पहुंचा रहे हैं, बल्कि दूसरे देशों को भी अपनी तकनीक का लाभ दे रहे हैं। इसरो यानी भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने भारी भरकम व्यावसायिक मिशनों को अंजाम देने के बाद 2017 में पीएसएलवी के जरिये एक साथ 104 उपग्रह प्रक्षेपित करने का विश्व रिकॉर्ड बनाया था। भारत के चंद्रयान-1 और मंगलयान मिशनों की पूरी दुनिया में चर्चा हो चुकी है। इन्हें इसरो की सबसे बड़ी उपलब्धियों में गिना जाता है। कुछ लोग अंतरिक्ष में राकेश शर्मा की उपस्थिति का जिक्र नहीं करते। उनकी उपस्थिति भले ही सांकेतिक रही हो, लेकिन उसका महत्व बड़ा था। राकेश शर्मा को अंतरिक्ष यात्री बनने से पहले कई कठिन परीक्षाओं से गुजरना पड़ा था। पहले बेंगलुरु स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ एयरोस्पेस मेडिसिन में उनके कई टेस्ट हुए। एक बार तो उन्हें एक कमरे में 72 घंटे तक बंद रखा गया। इसके पश्चात मास्को की स्टार सिटी में यूरी गगारिन कॉस्मोनॉट ट्रेनिंग सेंटर में लगभग दो साल तक उनको बहुत ही कठोर ट्रेनिंग दी गई। उनके साथ रवीश मल्होत्र भी थे। दोनों भारतीय वायुसेना के पायलट थे। अंतिम ट्रेनिंग के लिए दो अंतरिक्ष यात्री इसलिए चुने गए थे, क्योंकि एक अंतरिक्ष यात्री को 'स्टैंड बाय' रखना पड़ता है। अंतरिक्ष में भारहीनता की स्थिति में रहना बहुत चुनौतीपूर्ण होता है। इसका शरीर पर प्रतिकूल असर पड़ता है। लेकिन राकेश शर्मा ने भारहीनता से निपटने के लिए विशेष तैयारी की थी। वे रोज दस मिनट तक योग करते थे। वे शून्य गुरुत्वाकर्षण की स्थिति में भी योग का अभ्यास करते थे। योग का अभ्यास करके उन्होंने यह दिखा दिया कि भारहीनता जैसी कठिन स्थितियों से निपटने में भारत का पारंपरिक ज्ञान भी उपयोगी साबित हो सकता है।

दो अप्रैल 1984 को शर्मा ने सोवियत रॉकेट सोयूज-टी-11 से अंतरिक्ष की उड़ान भरी। यह रॉकेट बैकानूर कॉस्मोड्रॉम से रवाना हुआ था। उनके साथ फ्लाइट कमांडर यूरी मालिशेव और फ्लाइट इंजीनियर गेन्नाडी स्त्रेकालोव शामिल थे। सोयूज से चालक मंडल को साल्यूत स्पेस स्टेशन में हस्तांतरित किया गया। इस तरह किसी भारतीय के लिए रॉकेट से जाने और अंतरिक्ष स्टेशन पर चहलकदमी करने का यह पहला अनुभव था। इसे भी एक अनोखा कीर्तिमान कहा जा सकता है।

बाद में राकेश शर्मा को अशोक चक्र से सम्मानित किया गया। रूस ने उन्हें 'हीरो ऑफ सोवियत यूनियन' का खिताब दिया। वर्ष 1987 में भारतीय वायु सेना के विंग कमांडर पद से रिटायर होने के बाद शर्मा ने हिंदुस्तान एयरोनाटिक्स लिमिटेड में काम किया। बाद में वह तेजस विमान प्रोजेक्ट के साथ भी जुड़े।

राकेश शर्मा ने साल्यूत अंतरिक्ष स्टेशन पर सात दिन 21 घंटे और 40 मिनट बिताए थे। उन्होंने अंतरिक्ष से भारत के कई चित्र खींचे। उनके द्वारा लिए गए चित्रों से हवाई फोटोग्राफी में लगने वाले समय में बचत हुई। किसी क्षेत्र का नक्शा तैयार करने में जो काम हवाई फोटोग्राफी से दो वर्ष में पूरा होना था, वह शर्मा ने अंतरिक्ष से महज सात दिन के अंदर पूरा कर दिया। इस प्रकार शर्मा ने दिखाया कि दूर संवेदन के लिए अंतरिक्ष का प्रयोग कितना उपयोगी साबित हो सकता है। अंतरिक्ष मिशन ने अनेक वैज्ञानिक और तकनीकी अध्ययन किए। शर्मा का कार्य मुख्य रूप से बायो मेडिसिन और दूर संवेदन से जुड़ा था।एक टीवी कांफ्रेंस के दौरान जब तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने राकेश शर्मा से पूछा कि अंतरिक्ष से भारत आपको कैसा दिखता है? उनका जवाब था- सारे जहां से अच्छा हिंदोस्तां हमारा। यह जवाब आज भी हमारे कानों में गूंजता रहता है।

अंतरिक्ष में चहलकदमी करते हुए मनुष्य को सात दशक से अधिक हो चुके हैं। इस दौरान हम चांद पर उतर चुके हैं और मंगल की पड़ताल करने के लिए कई यान भेज चुके हैं। शुक्र, बृहस्पति और शनि जैसे सौरमंडल के दूसरे ठिकानों के आसपास पृथ्वीवासियों के यान पहुंच चुके हैं। सौरमंडल के बाहरी पिंडों के अवलोकन के लिए भेजे गए वॉयेजर-1 और 2 यान अब अंतर-नक्षत्रीय अंतरिक्ष में पहुंच चुके हैं। इन यानों द्वारा प्रेषित आंकड़ों से इन ग्रहों के बारे में हमारे ज्ञान में निश्चित रूप से वृद्धि हुई है। लेकिन तमाम उपलब्धियों के बावजूद अंतरिक्ष के बारे में हमारा ज्ञान अधूरा है। अंतरिक्ष के बहुत से रहस्य अनसुलझे हैं। हम अभी तक डार्क मैटर, डार्क एनर्जी और ब्लैक होल के बारे में नहीं जान सके हैं। पिछले काफी समय से हम मंगल पर पारलौकिक जीवन के चिह्न खोजने में जुटे हैं। पारलौकिक जीवन की उपस्थिति एक शाश्वत प्रश्न है जिसका जवाब हर कोई खोजना चाहता है। अंतरिक्ष एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें हम सिर्फ एक-दो देशों के सामर्थ्य पर निर्भर नहीं रह सकते। इस संदर्भ में भारत के चंद्रयान-1 मिशन को याद करना चाहिए जिसने दुनिया को पहली बार यह दिखाया कि चांद पर पानी मौजूद है।

## मधुमक्खी पालन से डरने की जरूरत नहीं; आत्मनिर्भर बन चुके हैं गांव

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम के जरिये देश के किसानों से मधुमक्खी पालन (एपिकल्चर) से जुड़ने की अपील की है। उन्होंने कहा कि शहद उत्पादन से किसानों की आय बढ़ने के साथ-साथ उनके जीवन में मिठास भी घुलेगी। मधुमक्खी पालन को देश में शहद क्रांति या मीठी क्रांति का आधार बताते हुए तथा बंगाल के गुरदुम, गुजरात के बनासकांठा और हरियाणा के यमुना नगर का उदाहरण देते हुए उन्होंने मधुमक्खी पालन के रूप में स्वरोजगार के एक सशक्त माध्यम की तरफ देशवासियों का ध्यान खींचा है।

देश में मधुमक्खी पालन एक लाभदायक और आकर्षक उद्यम के रूप में बड़ी तेजी से स्थापित हो रहा है। आज भारत दुनिया के पांच सबसे बड़े शहद उत्पादक देशों में शामिल हो चुका है। पिछले 15 वर्षों में देश में शहद उत्पादन में 242 फीसद की बढ़ोतरी हुई है। प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण के मुताबिक 2019-20 में भारत ने 633 करोड़ रुपये के लगभग 60 हजार मीटिक टन प्राकृतिक शहद का निर्यात किया। भारतीय शहद की अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब और कतर जैसे देशों में बड़ी मांग है।

उत्पादित शहद का ज्यादातर हिस्सा इन्हीं देशों में निर्यात किया जाता है। शहद की आयुर्वेदिक महत्ता के कारण प्राचीन समय से इसका प्रयोग रोग-प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने के लिए किया जाता रहा है। शहद का नियमित सेवन कई बीमारियों से सुरक्षा सुनिश्चित करती है। इसका प्रयोग पूजा, सौंदर्य प्रसाधन के साथ-साथ दवाओं के लिए भी होता है। शुद्ध शहद हजारों वर्षों तक खराब नहीं होता है। मधुमक्खी पालन से किसान को दोगुना फायदा होता है। एक तो मधुमक्खी पालन से तैयार होने वाले शहद और मोम की बिक्री से किसान अतिरिक्त आमदनी कमा लेते हैं, दूसरी तरफ मधुमक्खियों की सहायता से फसल का उत्पादन भी बेहतर होता है।यह एक ऐसा व्यवसाय है, जिसमें लागत कम और मुनाफा अधिक होता है। 20 से 30 हजार रुपये की प्रारंभिक पूंजी के सहारे इसकी शुरुआत कर लाखों की कमाई की जा सकती है। इसे घर की छत, खेत की मेड़, किसी तालाब के किनारे या किसी अन्य अनुकूल स्थान (फसल के निकट हो तो बेहतर) पर मधुमक्खीयुक्त कॉलोनी (बॉक्स) के साथ शुरू किया जा सकता है।

लकड़ी के ऐसे एक बॉक्स की लागत चार से पांच हजार रुपये आती है। जबकि एक बक्से से साल में औसतन 60 से 80 किलो शहद का उत्पादन होता है।एपिकल्चर को बढ़ावा देने के लिए मोदी सरकार समय-समय पर मधुमक्खी पालकों को आर्थिक सहायता और प्रशिक्षण देती रही है। मधुमक्खी पालन के सहारे कई गांव आत्मनिर्भर बन चुके हैं। बेरोजगार युवक मधुमक्खी पालन का व्यवसाय अपना कर सफलता का मीठा स्वाद चख सकते हैं।

# कारोबार को डिजिटल बनाने का समय, नई व्यवस्था में अस्तित्व और प्रतिस्पर्धी बढ़त हासिल करने के लिए एक मात्र उपाय

**कोविड के चलते ग्राहक ऑनलाइन खरीदारी और ऑनलाइन डिलीवरी को प्राथमिकता दे रहे हैं। इस नई व्यवस्था और नियम में अपना अस्तित्व बनाए रखने, प्रतिस्पर्धी बढ़त हासिल करने, नए ग्राहक पाने और पुराने ग्राहकों का प्रतिधारण करने के लिए डिजिटल रूपांतरण ही एकमात्र उपाय है। यह डिजिटल रूपांतरण के महत्व को स्वीकारे और अपनाने का सही समय है। डिजिटल जगत में बड़ी मछली छोटी को हजम नहीं करती। जो प्रासंगिक नहीं है उसका अस्तित्व स्वयं खत्म हो जाता है। तमाम परिस्थितियां इंगित करती हैं कि कारोबार को डिजिटल बनाने का यही वक्त है।**

तकनीक हमारे दैनिक जीवन की तमाम गतिविधियों में रच-बस गई है। यह निर्विवाद सत्य है कि हम एक ऐसे बिंदु पर पहुंच गए हैं जहां टेक्नोलॉजी के बिना चल नहीं सकते। तकनीक ने हमारे जीवन के हर पहलू को सरल और सहज बनाया है। विश्वव्यापी कोविड महामारी ने आज सभी व्यावसायों के लिए डिजिटल रूपांतरण और आधुनिक उपभोक्ताओं को सेवा प्रदान करने की प्रक्रिया में तकनीक को अपनाने की गति तेज कर दी है। वैश्विक महामारी हो या प्रतिस्पर्धा, एमएसएमई, सूक्ष्म, लघु और मंझोले उपक्रम समेत किराना कारोबार तक को डिजिटल के साथ नव-सामान्य नियम को अपनाना होगा। ऐसे में सवाल यह है कि कोई व्यवसाय डिजिटल रूप में रूपांतरित कैसे हो सकता है? क्या यह कठिन और अधिक समय लेने वाला नहीं है? तो इसका उत्तर है कि सचमुच ऐसा नहीं है। अगर आप इन तीन साधारण सवालों का जवाब जानते हैं, तो वास्तव में डिजिटल रूपांतरण सरल है। इसे इस तरह से समझा जा सकता है।

इसे समझने के लिए हमें सबसे पहले यह समझना होगा कि आखिर डिजिटल क्या है? डिजिटल का अभिप्राय है न्यूनतम कुशलता, कम लोग व न्यूनतम शिक्षण के साथ और प्रशिक्षण के बगैर आसानी से काम करना। डिजिटल का अर्थ होगा किसी दायित्व को कम से कम प्रयास, न्यूनतम कौशल और शिक्षण अवधि के साथ पूरा करना। उदाहरण के लिए, किसी से मदद मांगे बगैर किसी निर्दिष्ट गंतव्य पर ठीक-ठीक और तीव्रता से पहुंचने के लिए किसी कैब या बाइक कंपनी का ड्राइवर या फिर हमलोग स्वयं भी 'गूगल मैप' का प्रयोग करते हैं। यह भोजन के लिए ऑर्डर करने की प्रक्रिया पर भी लागू होता है। यहां उल्लेखनीय है कि किसी को 'गूगल मैप' के प्रयोग का प्रशिक्षण नहीं दिया जाता, क्योंकि यह इतना सरल और सहज है कि इसके लिए किसी खास प्रशिक्षण की आवश्यकता नहीं होती।

डिजिटल रूपांतरण क्यों?

इसके उदाहरण के लिए बैंकों को लिया जा सकता है। आज से करीब 20 वर्ष पहले बैंक के कर्मचारियों को कंप्यूटर के प्रयोग का विशेष प्रशिक्षण दिया गया था और सभी डाटा का डिजिटलीकरण किया गया। यह केवल प्रशिक्षित कर्मचारियों के लिए ही अभिगम्य था और ग्राहकों को यह सुविधा उपलब्ध नहीं थी। लेकिन नेट बैंकिंग के आरंभ होने से, ग्राहक आज बैंकों द्वारा दी जाने वाली अधिकांश सेवाओं को कहीं से भी प्राप्त कर सकते हैं। व्यावहारिक तौर पर यह उन टेक्नोलॉजिकल शिफ्ट के कारण संभव हुआ है जिसे डिजिटल रूपांतरण के रूप में बैंकों में लागू किया गया था। यही बात एमएसएमई संगठनों और किराना दुकानों पर लागू होती है, जहां मालिक एक एकल व्यक्ति होता है और वह दुकान के सभी कार्यकलाप के लिए उत्तरदायी होता है। उनके लिए डिजिटल रूपांतरण बहुत बड़ा काम था। एक सही सामग्री सूची प्रबंधन व्यवस्था रखने से उन्हें कम से कम कर्मचारियों, न्यूनतम कुशलताओं के साथ अपने भंडार और व्यावसायिक परिचालनों को ठीक-ठीक और दक्षतापूर्वक संभालने में मदद मिलती है।

**रूपांतरण कैसे करें?**

डिजिटल रूपांतरण की दिशा में पहला कदम है अपने व्यवसाय को ऑनलाइन करके ग्राहकों को स्वयं ही उनके अपने फोन से सामान का ऑर्डर करने का अवसर देना। अब इसके चलते एक नया दुकान, कारोबार खुल जाएगा। इसका विस्तार होगा, नए ग्राहक मिलेंगे और इन सबसे बढ़कर आपकी पहुंच बढ़ेगी। अपने ग्राहकों के लिए आपको अपने व्यवसाय का एक ऑनलाइन ऑर्डर एप रखने से सीधे आपसे ऑर्डर मंगाना सरल बन जाता है। इसमें आपका समय और धन खर्च नहीं होता है। आप एप को डाउनलोड करके कुछ ही दिनों में एक ऑनलाइन ऑर्डर व्यवस्था स्थापित कर सकते हैं। अपने दुकान या कारोबार के लिए एप होने से आपको अपनी प्रतिस्पर्धा, बाजार स्थलों के लिए चिंता नहीं करनी पड़ती, क्योंकि आपके ग्राहक अब न्यूनतम मार्गदर्शन या सहायता के कहीं से भी और कभी भी आपको आसानी से और स्पष्ट रूप से ऑर्डर भेज सकते हैं। किराना की छोटी दुकान से लेकर तमाम सुपरमार्केट, सब्जियों और परचून के स्टोर्स की सीरीज, रेस्टोरेंट, औषधालयों, फास्ट फूड या अन्य सेवाओं के कारोबारों का ऑनलाइन रूपांतरण किया जा सकता है।

इस प्रकार अब कारोबारी मालिक वस्तुओं की आवक, भंडार का हिसाब-किताब, भंडार में दोबारा सामान रखना, माल उठाना, डिलीवरी, अपने मोबाइल पर सभी आंकड़े और रिपोर्ट की प्राप्ति और तमाम डिजिटल पेमेंट गेटवे आदि जैसे अपने मनपसंद माध्यम पर भुगतान की सुविधा देने के लिए परिचालनों का डिजिटलीकरण शुरू कर सकते हैं। वास्तव में सही ईआरपी वेंडर का चयन करके छोटे-छोटे चरणों में दक्षतापूर्वक डिजिटल रूपांतरण किया जा सकता है। कोविड के चलते ग्राहक ऑनलाइन खरीदारी और ऑनलाइन डिलीवरी को प्राथमिकता दे रहे हैं। इस नई व्यवस्था और नियम में अपना अस्तित्व बनाए रखने, प्रतिस्पर्धी बढ़त हासिल करने, नए ग्राहक पाने और पुराने ग्राहकों का प्रतिधारण करने के लिए डिजिटल रूपांतरण ही एकमात्र उपाय है। यह डिजिटल रूपांतरण के महत्व को स्वीकारे और अपनाने का सही समय है। डिजिटल जगत में बड़ी मछली छोटी को हजम नहीं करती। जो प्रासंगिक नहीं है उसका अस्तित्व स्वयं खत्म हो जाता है। तमाम परिस्थितियां इंगित करती हैं कि कारोबार को डिजिटल बनाने का यही वक्त है।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

# उत्तर प्रदेश में बेहद खतरनाक स्तर पर कोरोना वायरस, 24 घंटे में मिले 18021 नए संक्रमित

**लखनऊ** । वैश्विक महामारी कोरोना वायरस संक्रमण की दूसरी लहर की स्थिति उत्तर प्रदेश में बेहद भयावह हो चुकी है। अप्रैल माह में इसका रौद्र रूप देखने को मिल रहा है। इस महीने में अभी 13 दिन ही हुए हैं कि इसका संक्रमण सात गुना बढ़ गया है। बीते 24 घंटे की टेस्ट रिपोर्ट तो बेहद ही डराने वाली है। उत्तर प्रदेश में 24 घंटे में 18021 नए संक्रमित मिले हैं। सोमवार को जहां 13685 नए संक्रमित मिले थे, वहीं मंगलवार को इनकी संख्या में 4336 का इजाफा हो गया।



उत्तर प्रदेश में बीते 24 घंटे में कोरोना संक्रमण के 18,021 नए केस आए हैं। इनमें भी लखनऊ का आंकड़ा पांच हजार पार कर गया है। लखनऊ में सोमवार को 3892 संक्रमित मिले थे तो आज इनकी संख्या 5382 है। लखनऊ को टक्कर देने वाले प्रयागराज ने एक बार फिर वाराणसी को पीछे छोड़ दिया है। प्रयागराज में सोमवार को जहां 1295 नए संक्रमित मिले थे, वहीं आज यहां 1856 नए संक्रमित मिले हैं। वाराणसी में कल 1417 थे तो आज 1404 नए कोविड के मामले सामने आए हैं। कानपुर में भी संक्रमण ने अब गति दिखा दी है। सोमवार को यहां पर 716 केस थे तो आज यहां पर इनकी संख्या 1271 की है।

सीएम के ओएसडी और बुलंदशहर के एसएसपी संक्रमित- कोरोना का संक्रमण कहर मुख्यमंत्री कार्यालय पर भी बरपा है। मुख्यमंत्री के ओएसडी अभिषेक कौशिक भी कोरोना से संक्रमित हो गए हैं। इसके अलावा मुख्यमंत्री कार्यालय के एक निजी सचिव कोरोना पाजिटिव पाए गए हैं। इससे पहले अपर मुख्य सचिव कृषि देवेश चतुर्वेदी और अपर मुख्य सचिव माध्यमिक शिक्षा आराधना शुक्ला भी कोरोना संक्रमित हो चुकी हैं। उनका इलाज संजय गांधी पीजीआइ में चल रहा है।

बुलंदशहर के एसएसपी संतोष कुमार सिंह के कोरोना संक्रमित होने के चलते शासन ने भारती सिंह को बुलंदशहर का कार्यवाहक एसएसपी बनाया है। 41वीं वाहिनी पीएसी गाजियाबाद की कमांडेंट भारती सिंह अगले आदेशों तक एसएसपी बुलंदशहर का कार्यभार संभालेंगी।

सिविल अस्पताल में 11 डॉक्टर्स की रिपोर्ट पॉजिटिव- लखनऊ के डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सिविल अस्पताल में 11 डॉक्टर्स की रिपोर्ट पॉजिटिव है। इनके साथ ही तीन मेडिकल स्टाफ भी संक्रमित हैं। यह सभी सिविल अस्पताल में कोरोना की जांच करते समय संक्रमित हुए हैं।

गौतमबुद्धनगर में कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए जिला प्रशासन हाई अलर्ट पर है। डीएम ने यहां के ग्रेटर नोएडा के सभी स्विमिंग पूल बंद करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने तत्काल सभी स्विमिंग पूल बंद करने के निर्देश दिया। अब भी अगर कोई स्विमिंग पूल चालू पाए जाने पर सख्त कार्रवाई का निर्देश है।

नए संक्रमितों में 58 फीसद पांच जिलों से- प्रदेश में कुल नए संक्रमितों में से 58 फीसद सिर्फ पांच जिलों में हैं। इन जिलों में भी संक्रमण हर दिन तेजी से बढ़ रहा है। प्रदेश में एक अप्रैल को नए 2,600 संक्रमित मिले थे। रविवार को 15353 और सोमवार को 13,658 मिलने के बाद मंगलवार को 18021 मिलने से कोरोना वायरस संक्रमण के प्रसार की तेजी का अंदाजा लगाया जा सकता है। अब 71 जिलों में 100 से अधिक संक्रमित हैं। इसमें से 30 जिले ऐसे हैं जहां एक्टिव केस की संख्या 500 से ज्यादा है। प्रदेश में सोमवार को 72 संक्रमितों की मौत हुई। यह वर्ष 2021 में अब तक एक दिन में हुई मौत की सबसे बड़ी संख्या है। 15 सितंबर, 2020 को 113 लोगों की जान गई थी। ऐसे में अप्रैल में हर दिन नया रिकार्ड बन रहा है। एक्टिव केस के मामले में भी रिकॉर्ड टूट गया है। 17 सितंबर को 68,235 एक्टिव केस थे, अब यह बढ़कर 82 हजार से ज्यादा हो गए हैं। 11 सितंबर 2020 को एक दिन में 7,103 संक्रमित मिले थे, लेकिन अप्रैल में 15 हजार मरीज मिलने के बाद यह रिकार्ड भी पीछे छूट गया। एक अप्रैल तक सिर्फ तीन जिलों में ही 500 से अधिक एक्टिव केस थे, अब 30 जिलों में इतने हैं। पहले 23 जिलों में 100 से अधिक संक्रमित थे, अब 73 जिलों में हैं।

## संक्षिप्त खबर

### कानपुर में चौबेपुर की महिलाओं ने समझी जल ही जीवन की हकीकत और बन गईं तालाब की पहरेदार

**कानपुर** । जल ही जीवन है, यह हकीकत चौबेपुर के बिरैचामऊ गांव की महिलाओं को बखूबी पता है। तभी तो वह अन्नपूर्णा स्वयं सहायता समूह की अध्यक्ष सुषमा दीक्षित के नेतृत्व में मनरेगा के तहत खोदे गए तालाब के पानी की पहरेदार बन गई हैं। यहां पर उन्होंने अमरूद, आम आदि के पौधे लगाए हैं और जैविक खेती संग जल संरक्षण के लिए भी किसानों में जागरूकता फैला रही हैं। बिरैचामऊ गांव के निवर्तमान प्रधान सुबोध दीक्षित की मां सुषमा दीक्षित ने अन्नपूर्णा महिला स्वयं सहायता समूह का गठन पांच साल पहले किया था। इस समूह की महिलाओं ने मिलकर जैविक खेती शुरू की। आधा दर्जन और स्वयं सहायता समूहों का गठन कराया। इन सभी समूहों में महिलाएं हैं जो जैविक खेती करती हैं। इन्हीं महिलाओं से उन्होंने श्रमदान कराकर गांव के तालाब पर पौधारोपण कराया। एक साल पहले तक गांव के तालाब का पानी लोग खेतों की ड्क्षसचाई के उपयोग में लाते थे। ऐसे में तालाब सूख जाता था। सुषमा ने इसका विरोध किया तो समूह की सपना पांडेय, लक्ष्मी, पूजा, रानी भी उनके साथ खड़ी हुईं। अब तालाब के पानी से खेत की सिंचाई नहीं होती और गर्मी में भी पानी लबालब भरा हुआ है। पास की नहर से तालाब तक मनरेगा से बंबा खोदा गया। सुषमा के आग्रह पर कुछ दिन महिलाओं ने श्रमदान भी किया। अब नहर से पानी तालाब में आता है। पहले गांव में पिंक सामुदायिक शौचालय की स्थापना कहीं और होनी थी। सुषमा ने सीडीओ और डीपीआरओ से मुलाकात की। अब तालाब के पास ही सरकारी धन से सामुदायिक शौचालय बन गया। इसकी देखरेख भी ये महिलाएं ही करती हैं। सुषमा ने बारिश का पानी जो लोगों की छतों से बहकर बर्बाद हो जाता है उसे सहेजने के लिए आधा दर्जन सबमर्सिबल के पाइप को छत से पाइप लगाकर जोड़ दिया। अब बारिश का पानी पाइप के जरिए धरा के अंदर जला जाता है। सुषमा ने बुंदेलखंड की तर्ज पर ही स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के खेतों में गड्ढे बनवाने की तैयारी की है ताकि बारिश का पानी उसमें सहेजा जा सके।

### अंबेडकरनगर में दिव्यांग महिला को बदमाशों ने चाकुओं से गोदा, जेवर लूटकर फरार

**अंबेडकरनगर** । अपनी दुकान पर बैठी आंखों से दिव्यांग महिला पर बदमाशों ने दिनदहाड़े चाकू से ताबड़तोड़ वार कर उसके शरीर पर मौजूद सारा आभूषण लूट लिया और फरार हो गए। जिला अस्पताल ले जाते समय रास्ते में महिला की मौत हो गई। मामला आलापुर थाने के लंगड़ी हाफिजपुर गांव का है।

बसखारी रामनगर मुख्य मार्ग स्थित उक्त गांव में मुख्य सड़क के किनारे ही गांव के हरी प्रसाद जायसवाल ने गुमटी में किराने की दुकान खोल रखी है। मंगलवार की सुबह करीब आठ बजे हरिप्रसाद बाजार में सामान लेने गए थे। इस दौरान उनकी 50 वर्षीय पत्नी रामलली, जिन्हें आंखों से दिखाई नहीं देता था, वह गुमटी में बैठी हुई थीं। इसी दौरान कुछ बदमाश मौके पर पहुंचे हो लूट के इरादे से रामलली के सिर में चाकू से वार कर दिया। बदमाश रामलली के नाक, कान, गले व पैर में पहने सोने-चांदी के आभूषण निकाल ले गए। कुछ देर बाद हरिप्रसाद बाजार से लौटे तो गुमटी में खून से लथपथ रामलली को देखा।उन्होंने डायल 112 पुलिस टीम को सूचित किया और एंबुलेंस के जरिए रामलली को पीएचसी रामनगर पहुंचाया। यहां से चिकित्सकों ने उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। बाद में रास्ते में ही रामलली की मौत हो गई। पुलिस ने घटनास्थल पर छानबीन की लेकिन बदमाशों का कोई सुराग नहीं लग सका। प्रभारी निरीक्षक बृजेश सिंह ने बताया कि प्राथमिक जांच-पड़ताल में लूट के इरादे से चाकू मारकर हत्या करने की बात सामने आई है। अभी तहरीर नहीं मिली है। मुकदमा दर्ज कर बदमाशों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

### मुजफ्फरनगर में बड़ी संख्या में निर्विरोध जीत रहे प्रत्याशी

**मुजफ्फरनगर** । राजनीति के रंग भी बड़े निराले हैं। जिला पंचायत सदस्य और ग्राम पंचायत प्रधान की हर सीट पर मारामारी के हालात हैं। वहीं बड़ी संख्या में बीडीसी और ग्राम पंचायत सदस्य पद पर इक्का-दुक्का प्रत्याशी ही मैदान में हैं। जिले में 97 बीडीसी का निर्विरोध बनना तय है, जबकि 3,757 ग्राम पंचायत सदस्य भी इसी श्रेणी में हैं। कई निर्विरोध बीडीसी की नजर ब्लाक प्रमुखी पर है। जिसे लेकर जोर आजमाइश जारी है। नाम वापसी और चुनाव चिह्न आवंटन के बाद प्रत्याशियों ने डोर-टू-डोर अभियान तेज कर दिया है। वोटरों से लुभावने वादे किए जा रहे हैं। एक-एक वोट के लिए जोर आजमाइश चल रही है। यह हालात अधिकतर जिला पंचातय सदस्य और ग्राम पंचायत सदस्य सीट पर बनी हुई है। इसके इतर क्षेत्र पंचायत सदस्य सीट पर स्थित उलट है। अधिकतर सीटों पर दो-तीन प्रत्याशी ही मैदान में हैं, जबकि 97 बीडीसी निर्विरोध हो गए हैं। इनमें निवर्तमान सदर ब्लाक प्रमुख अमित चौधरी, भाजपा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष अमित राठी, भाजपा नेत्री एडवोकेट बेबी सुमन आदि शामिल हैं। इनके में अधिकतर के सामने नामांकन नहीं हुए।

वहीं कुछ के सामने नामांकन निरस्त हो गए। इनके अलावा जिले की 498 ग्राम पंचायतों में 3757 ग्राम पंचायत सदस्य भी निर्विरोध हो गए हैं। 498 ग्राम पंचायतों में प्रधानी की दौड़ में 4,388 सर्वाधिक मारामारी गांव के मुखिया बनने पर है। जिले की 498 ग्राम पंचायतों पर 4388 उम्मीदवार मैदान में हैं, जबकि ग्राम पंचायत सदस्य के लिए 3,410 और जिला पंचायत सदस्य की 43 सीटों पर 744 प्रत्याशी चुनावी रण में हैं। एडीएम वित्त एवं राजस्व आलोक कुमार ने कहा- जिला पंचायत सदस्य और प्रधानी पद पर कोई भी प्रत्याशी निर्विरोध नहीं है। बीडीसी के लिए कुछ निर्विरोध हुए हैं। प्रत्याशियों के चुनावीं खर्च की निगरानी के लिए समिति गठित की गई है। चुनाव सामग्री की दर स्थानीय बाजार के आधार पर तय हुई है।

### ममता को चुनाव प्रचार रोका तो मिला तेजस्वी साथ, बोले- बीजेपी का गुलाम बना निर्वाचन आयोग

**पटना** । निर्वाचन आयोग द्वारा पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष ममता बनर्जी के चुनाव प्रचार पर रोक लगाने को लेकर बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। तेजस्वी यादव ने कहा है कि निर्वाचन आयोग भारतीय जनता पाटी के सेल की तरह काम कर रहा है। वह बीजेपी कागुलाम बन गया है। तेजस्वी ने बिहार में बढ़ते कोरोना संक्रमण तथा मधुबनी हत्याकांड पर भी प्रतिक्रिया दी।

विदित हो कि निर्वाचन आयोग ने भड़काऊ भाषण देने के आरोप में ममता बनर्जी पर 24 घंटे के लिए चुनाव प्रचार पर प्रतिबंध लगाया है। इसके विरोध में ममता बनर्जी कोलकाता में धरना पर बैठ गई हैं। दिल्ली से पटना लौटे तेजस्वी यादव ने इस मुद्दे पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। साथ पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव में तेजस्वी यादव के राष्ट्रीय जनता दल ने ममता बनर्जी के तृणमूल कांग्रेस को बिना शर्त समर्थन दिया है। आरजेडी वह चुनाव मैदान में नहीं है, लेकिन उसका समर्थन टीएमएसी को है।

## कैबिनेट मंत्री ब्रजेश पाठक ने लिखा पत्र: लखनऊ में कोविड की स्थिति बेहद गंभीर, अफसर सुस्त

**लखनऊ** । कोरोना वायरस संक्रमण के बेहद खतरनाक रूप लेने के बाद भी लखनऊ जिला प्रशासन के अफसरों की सुस्ती से प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार में कैबिनेट मंत्री ब्रजेश पाठक बेहद आहत हैं। उन्होंने अपर मुख्य सचिव तथा प्रमुख सचिव स्वास्थ को पत्र लिखकर राजधानी में कोरोना वायरस संक्रमण के दौरान भी सुविधा पाने से वंचित लोगों की चिंता करने का अनुरोध किया है।

योगी आदित्यनाथ सरकार में न्याय, विधायी एवं ग्रामीण अभियन्त्रण सेवा मंत्री ब्रजेश पाठक लखनऊ की लखनऊ मध्य विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं। उनका स्वास्थ्य महकमे के जिम्मेदारों को लिखा गया अति गोपनीय पत्र वॉयरल हो गया है। लखनऊ की चिंताजनक हालत पर लिखे गए पत्र में उन्होंने लखनऊ में कोविड की बदइंतजामी और बदहाली को लेकर अपना दर्द बयां किया है। पत्र लिखकर मंत्री ने सवाल उठाने के साथ कहा है कि लखनऊ में हालत चिंताजनक है। इतिहासकार पद्मश्री योगेश प्रवीन को लगातार मांग के बाद भी दो घंटे तक एंबुलेंस ना मिलना बेहद ही कष्टदायक है। आम आदमी के बारे में हम क्या कहें। उन्होंने पत्र में लिखा कि मैंने लखनऊ के सीएमओ से अनुरोध किया फिर भी एंबुलेंस नहीं मिली। समय से इलाज ना मिलने पर उनकी मौत हो गई। हम सब उनकी मौत के गुनाहगार हैं।

मंत्री ने चिट्ठी में इतिहासविद योगेश प्रवीन को भी एंबुलेंस न मिलने का जिक्र करते हुए लिखा है कि उन्होंने खुद सीएमओ से बात कर ऐंबुलेंस मुहैया करवाने का अनुरोध किया, लेकिन घंटों तक उन्हें एंबुलेंस नहीं मिली। समय से चिकित्सा सुविधा न मिल पाने के कारण उनका निधन हो गया। मंत्री ने चिट्ठी में लिखा है कि पिछले एक सप्ताह से जिलों से सैकड़ों फोन आ रहे हैं, जिनको हम ठीक से इलाज नहीं दे पा रहे। उन्होंने लिखा है कि सीएम योगी आदित्यनाथ के अथक प्रयास के बाद भी हम लोगों को हम इलाज नहीं दे पा रहे हैं। लखनऊ के सीएमओ ऑफिस से काम नहीं होता है। उनका तो फोन ही नही उठता है। लखनऊ के निजी लैब में कोविड जांच नहीं हो रही है। इतना ही नहीं कोविड अस्पतालों में बेड की संख्या कम है। कोरोना के बढ़ते संक्रमण के बीच राजधानी लखनऊ में चरमराती स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर यूपी के कानून मंत्री ब्रजेश पाठक ने अपर मुख्य सचिव (स्वास्थ्य) और प्रमुख सचिव (चिकित्सा शिक्षा) को चिट्ठी लिखी है। इसमें उन्होंने कहा है कि लखनऊ में स्वास्थ्य सेवाओं की हालात काफी चिंताजनक हैं। उन्होंने लखनऊ में कोविड बेड बढ़ाने, पर्याप्त जांच किट और प्राइवेट लैब में कोविड जांच शुरू कराने को कहा है।

मंत्री ने लिखा है कि असंतोषजनक हालात को देखते हुए आठ अप्रैल को वह सीएमओ ऑफिस जा रहे थे, लेकिन अपर मुख्य सचिव (स्वास्थ्य) के आश्वासन पर नहीं गए। फिर भी स्थिति संतोषजनक नहीं है। जरूरी है कि कोविड बेड बढ़ाए जाएं, पर्याप्त जांच किट दी जाएं, प्राइवेट लैब को कोविड जांच का फिर अधिकार मिले। गंभीर रोगियों को तुरंत भर्ती कर गंभीर रोगों से ग्रसित नॉन कोविड मरीजों का उचित इलाज हो। मंत्री ने कहा कि इन परिस्थितियों को शीघ्र नियंत्रित नहीं किया तो लखनऊ में लॉकडाउन लगाना पड़ सकता है।

## समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कराया कोविड टेस्ट, भाजपा पर जमकर बरसे



**लखनऊ** । समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने लखनऊ में मंगलवार को अपना कोविड टेस्ट कराया। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने समाजवादी पार्टी के प्रदेश कार्यालय में कोरोना वायरस जांच के लिए अपना सैंपल दिया। अब उनको रिपोर्ट का इंतजार है। इस उन्होंने कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण पर योगी आदित्यनाथ सरकार को बेहद नाकाम बताया।

समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव बीते दिनों उत्तराखंड दौरे पर थे। इस दौरान वह हरिद्वार में अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष नरेंद्र गिरि के सम्पर्क में आए थे। महंत बाद में कोरोना पॉजिटिव पाए गए। कोविड पॉजिटिव पाए गए नरेंद्र गिरि जी की हालत ठीक नहीं है। उन्हें एम्स ऋषिकेश में भर्ती कराया गया है। इसके बाद लखनऊ पहुंचे सपा मुखिया अखिलेश यादव ने मंगलवार को पार्टी मुख्यालय में अपना कोरोना टेस्ट कराया है। अखिलेश यादव ने कोविड जांच के लिए सैंपल दिया है। इसकी जानकारी उन्होंने एक ट्वीट से आज दी है।

कोरोना टेस्ट के लिए सैंपल देने के बाद अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कोरोना वायरस के कहर से इन दिनों हाहाकार मचा है। ऐसी स्थिति क्यों हुई है, भाजपा सरकार को इस बात का जवाब देना होगा। पार्टी ने कोरोना पर नियंत्रण का झूठा ढिंढोरा पीटा है। प्रदेश में चारों ओर कोरोना टीका, कोरोना टेस्ट के साथ ही डॉक्टर, बेड, अस्पताल तथा एंबुलेंस की कमी दिख रही है। कोरोना टेस्ट रिपोर्ट में देरी होने के साथ ही दवाई की कालाबाजारी की जा रही है। इन सभी मामलों पर भाजपा सरकार चुप क्यों है। भाजपा के स्टार प्रचारक अब कहां हैं।

## बिहार में कोविड-19 ने पकड़ी रफ्तार तो सीएम नीतीश को मिला विपक्ष का साथ,धुर विरोधी राजद भी आया साथ

**पटना** । कोराना के सेकेंड वेव के तेज रफ्तार ने विपक्ष का भी रुख बदल दिया है। विपक्ष, जो पहले चरण में हमलावर था। अब वह आक्रमण के बदले सरकार को सलाह दे रहा है। 17 अप्रैल को राज्यपाल ने सर्वदलीय बैठक बुलाई है। आसार बता रहे हैं कि उस बैठक में सरकार की आलोचना कम होगी। महामारी से निबटने के उपाय अधिक बताए जाएंगे। डोर-टू-डोर टीकाकरण की सलाह सभी दलों ने दी है। जांच का दायरा बढ़ाने की सलाह भी इसमें शामिल है।

**राजद की सलाह, टीकाकरण की रफ्तार बढ़े-** राजद के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह ने कहा कि महामारी खतरनाक रूप अख्तियार कर चुकी है। जरूरत इस बात की है कि सरकार अधिक गंभीर होकर तैयारी करे। संक्रमित लोगों की पहचान जल्द से जल्द हो। अभी जांच की रफ्तार धीमी है। आज किसी की जांच होती है तो दो-तीन दिन बाद पता चलता है कि व्यक्ति संक्रमित है। बीच की अवधि में संक्रमित व्यक्ति अन्य लोगों के लिए संक्रमण का वाहक बन जाता है। दूसरा यह कि टीकाकरण की रफ्तार बढ़े। सरकारी और निजी अस्पतालों के अलावा शहर के मोहल्लों में भी टीकाकरण केंद्र बनाए जाएं। यह विरोधाभास अचरज में डालता है। एक तरफ कहते हैं कि अधिक लोग एकसाथ न जुटें। दूसरी तरफ टीका और जांच के लिए भीड़ जमा हो रही है। इससे बचना होगा।



बता दें कि राजद लगातार कोविड वैक्सीन को नकली बता कर केंद्र और राज्य सरकार की खिल्ली उड़ाता रहा। तेज प्रताप यादव ने तो यहां तक कहा था कि वैक्सीन नकली है, इसलिए पीएम नरेंद्र मोदी टीका नहीं लगवा रहे। राजद के कई वरिष्ठ नेता कहते पाए गए कि सीएम नीतीश कुमार टीका लगवाएंगे तभी हम भी टीका के बारे में सोचेंगे।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. मदन मोहन झा ने कहा कि डोर-टू-डोर जांच और टीकाकरण कोरोना महामारी से बचने का कारगर उपाय हो सकता है। सरकार इसकी व्यवस्था करे। पहले भी कई बीमारियों से बचाव के लिए डोर-टू-डोर टीकाकरण हुआ है। उन्होंने कहा कि समय पर जांच और इलाज से जन जीवन की क्षति को बहुत हद तक रोका जा सकता है। एक राजनीतिक दल के नाते वह खुद, उनकी पार्टी के सभी सदस्य और समर्थक महामारी से बचाव के अभियान में हर समय साथ हैं।

भाकपा के राज्य सचिव रामनरेश पांडेय ने कहा कि टीकाकरण के लिए सरकार ग्रामीण चिकित्सकों को प्रशिक्षित कर उनकी सेवा ले। हरेक गांव में उनकी संख्या एक दर्जन से अधिक है। वे इंजेक्शन देने में निपुण होते हैं। उन्होंने कहा कि लॉकडाउन और शिक्षण संस्थानों को बंद करने की कोई जरूरत नहीं है। सरकार डोर-टू-डोर टीकाकरण अभियान चलाए।

शिक्षण संस्थानों में कैंप लगा कर टीका लगाया जाए। उनकी पार्टी हर तरह के सहयोग के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि पहले दौर के संक्रमण में राज्य सरकार ने बाहर काम करने वाले श्रमिकों को राज्य में ही रोजगार देने का वादा किया था। उस पर अमल करे।

**माकपा ने की स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार की बात-** माकपा के राज्य सचिव अवधेश कुमार ने कहा कि सबसे पहले राज्य सरकार स्वास्थ्य विभाग की आधारभूत संरचना में सुधार करे। हाल देखकर यह नहीं लग रहा है कि सरकार कोरोना के पहले दौर से कुछ सबक सीख पाई है। निर्धन लोगों के लिए कोई उपाय नहीं किया है। उन्होंने कहा कि सरकार राजनीतिक दलों और स्वयंसेवी संगठनों का सहयोग लेकर जागरुकता अभियान चलाए। महामारी के प्रति लोगों को लाठी के जोर पर जागरूक नहीं किया जा सकता है।

## बहराइच में भाजपा ने सियासी दिग्गजों के करीबियों को मैदान में उतारा, सभी सीटों के लिए उम्मीदवार घोषित

**बहराइच** । भारतीय जनता पार्टी ने जिला पंचायत चुनाव के मद्देनजर सभी 63 सीटों के लिए उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है। कई दिग्गज नेता अपने परिवारजनों एवं करीबियों को टिकट दिलाने में कामयाब रहे हैं, जबकि कुछ तो निराशा हाथ लगी। प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह की सहमति के बाद सूची जारी की है।तीन बार विधायक रहे अरुणवीर सिंह अपनी अनुजवधू मंजूदेवी को 49 नंबर सीट से टिकट दिलाने में कामयाब रहे। भाजपा के जिला उपाध्यक्ष हरीशचंद्र गुप्त की पत्नी पूर्व जिला पंचायत सदस्य कंचन गुप्त भी 28 नंबर सीट से एक बार फिर किस्मत आजमाएंगी। भाजपा ने पूर्व मंत्री स्वर्गीय बाबूलाल वर्मा के पुत्र अजय कुमार वर्मा को जरवल क्षेत्र की 62 नंबर सीट एवं पूर्व सांसद दद्दन मिश्र के भतीजे समयप्रसाद मिश्र पयागपुर द्वितीय 41 नंबर सीट से किस्मत आजमाएंगे। विशेश्वरगंज की ब्लॉक प्रमुख बीनाराज मिश्रा 46 नंबर सीट पर से चुनाव मैदान में होंगी। बलहा की विधायक सरोज सोनकर अपने प्रतिनिधि आलोक जिंदल को 20 नंबर सीट से टिकट दिलाने में कामयाब रही। भाजपा ने सिख समुदाय के कद्दावर नेता मनदीप सिंह वालिया को रिसिया की 19 नंबर से चुनाव मैदान में उतारा है। इसके विपरीत पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष विजय सिंह इस बार टिकट पाने में नाकाम रहे। उनकी जगह भाजपा ने कैसरगंज 59 से बुद्धसागर गुप्त को मौका दिया है। जिलाध्यक्ष श्यामकरन टेकरीवाल ने बताया कि नवाबगंज प्रथम से उमेश कुमार गुप्त, दो से माधुरी उर्फ सावित्रीदेवी, तीन से संगीता सोनकर, चार से रामचंद्र चौधरी, मिहींपुरवा क्षेत्र की पांच नंबर से शकुंतला सिंह, छह से सुधाकर मिश्र, सात से सरस्वतीदेवी, आठ से शिवसागर गौतम, नौ से अतुल चौधरी, दस से कमलावती, 11 से शैलेंद्र यादव, बलहा के 12 नंबर से राजेंद्र कुमार वर्मा, 13 से शांति रावत, 14 से लता श्रीवास्तव, 15 से सचिन कुमार राव, 16 से अरविंद चौधरी उम्मीद हैं।

## हिरासत में सुशील फौजी की मां, कुख्यात योगेश की भाभी ने किया नांमाकन, भदौडा गांव में तनाव

**मेरठ** । कुख्यात योगेश भदौडा के गांव में ग्राम पंचायत चुनाव को लेकर तनाव बन गया है। उधम सिंह के साथी सुशील फौजी ने अपनी मां गुड्डी को ग्राम पंचायत चुनाव के लिए नामांकन कराने ले गया, जिसे पुलिस ने लाइन से निकालकर हिरासत में थाने ले आई, जबकि योगेश भदौडा की भाभी कविता भदौडा का नामांकन करा दिया गया। जिसे लेकर भदौडा गांव में तनाव की स्थिति बनी हुई है। किसी की स्थिति खराब न हो इसके लिए पुलिस सुरक्षा व्यवस्था में जुटी हुई है।

भदौडा गांव में नामांकन को लेकर पहले दिन ही तनाव की स्थिति बन गई है। योगेश भदौडा की तरफ से उसके भाई प्रमोद भदौडा की पत्नी कविता चुनाव मैदान में है, जबकि उधम सिंह की तरफ से उसके साथी सुशील फौजी की मां गुड्डी भी चुनाव की तैयारी कर रही है। मंगलवार को गुड्डी और कविता दोनों ही नामांकन के लिए ब्लॉक में गई थी। बताया जाता है कि सीओ सरधना ने गुड्डी को नामांकन की लाइन से हिरासत में ले लिया। उसके बाद सरूरपुर थाने में रखा गया है।

सुशील फौजी का आरोप है कि प्रमोद की पत्नी कविता का पुलिस ने नामांकन करा दिया है। पुलिस चाह रही है कि योगेश भदौडा की भाभी कविता निर्विरोध प्रधान बन जाए। सुशील फौजी ने इसकी शिकायत चुनाव आयोग से भी की है। सीओ सरधना का कहना है कि उन्होंने गुड्डी को हिरासत में नहीं लिया है। ना ही मामला उनकी जानकारी में है,जबकि गुड्डी सरूरपुर थाने में बैठी हुई है।

गांव में पुलिस तैनात- इस मामले को लेकर पुलिस ने तैयारी कर ली है। किसी तरह की स्थिति खराब न हो इसके लिए गांव में भारी पुलिस बल तैनात की गई है। साथ ही पुलिस खुपिया तरह से भी नजरे जमाए हुए है। बता दें कि इस मांग में पहले से लेकर तनाव बना रहता है और जब चुनाव आता है तो और भी गांव में तनातनी का मामला बढ़ जाता है।

## पूर्वांचल के मेधावियों ने गाड़ा झंडा- डायट प्रवक्ता बन पुलिस के सिपाही ने कायम की मिसाल

**गोरखपुर** । लोक सेवा आयोग उत्तर प्रदेश ने सोमवार की शाम पीसीएस-2020 का जैसे ही परिणाम घोषित कर दिया, पूर्वांचल कई घरों में खुशी की लहर दौड़ गई। उनकी घर की मेधा ने अपनी प्रतिभा का लोहा जो उस परिणाम में मनवाया था। बधाइयों और मिठाइयों का दौर शुरू हो गया, जो देर रात तक चलता रहा। सर्वाधिक खुशी की बात यह रही कि गोरखपुर के कई विद्यार्थियों ने इस परिणाम में एसडीएम का पद हासिल करने में सफलता पाई है।

गोला क्षेत्र के सुधांशु नायक ने तो नौंवी रैंक हासिल कर समूचे पूर्वांचल का नाम रोशन कर दिया। अशोक नगर गोरखपुर की रहने वाली दिशा ने ओवरआल 21वां और महिला वर्ग में तीसरा स्थान हासिल किया है। उन्हें भी एसडीएम का पद मिला है। कौड़ीराम क्षेत्र के बारीगांव सोहगौरा के रहने वाले अविनाश त्रिपाठी और हरपुर बुदहट के प्रवीण यादव को भी एसडीएम का पद हासिल हुआ है। बिस्टौली बुजुर्ग के रहने वाले विश्वदीपक त्रिपाठ बीएसए का पद हासिल करने में सफल हुए हैं।

**डायट प्रवक्ता बने सिपाही मुकेश**

मूल रूप से गाजीपुर के रहने वाले और वर्तमान में गोरखपुर में साइबर सेल में तैनात सिपाही मुकेश खरवार को पीसीएस की परीक्षा से वरिष्ठ डायट प्रवक्ता का पद हासिल हुआ है। उनके इस चयन में साथियों में खुशी की लहर है। अपनी सफलता का श्रेय वह माता-पिता के अलावा गुरुजनों और मित्रों को देते हैं।

पीसीएस परीक्षा में नौवीं रैंक हासिल करने वाले गोला ब्लाक के बरहज गांव निवासी सुधांशु कुमार नायक के पिता पुरुषोत्तम नायक श्री दुर्गाजी इंटर कालेज चिउटीडाड़ मऊ के प्राचार्य रह चुके हैं। बड़े भाई प्रशांत नायक बलिया के बैरिया में उपजिलाधिकारी हैं। माता महेंद्रा देवी गृहिणी हैं। सुधांशु की प्रारंभिक शिक्षा गांव के ही प्राइमरी विद्यालय में हुई। उसके बाद हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की पढ़ाई पीपीगंज स्थित नवोदय विद्यालय से की। उनका चयन आइआइटी दिल्ली में बीटेक की पढ़ाई के लिए हो गया। उन्होंने चयन का श्रेय माता, पिता, चाचा, चाची व गुरुजनों को दिया है। सिविल सेवा की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए सुधांशु की सलाह है कि धैर्य को न खोएं। संकल्प के साथ मेहनत करें। सफलता अवश्य मिलेगी। उनके चयन पर क्षेत्र के डा. टीएन चंद, डा. विजयानंद तिवारी, राधे नायक, अनूप नायक, संपूर्णानंद शुक्ल, राजीव चंद, अखिलेश चंद, सुभाष चंद्र राय, योगेंद्र नाथ सिंह आदि ने बधाई दी है।

**पहले ही प्रयास में एसडीएम बनी दिशा-** अशोक नगर की रहने वाली दिशा श्रीवास्तव को पहले ही प्रयास में एसडीएम बनने में सफलता मिली है। उनके पिता दिनेश श्रीवास्तव जीवन बीमा निगम में अधिकारी है जबकि मां सुधा गृहणी। शुरू ही मेधावी छात्रा रहीं दिशा ने बताया कि बचपन से उनकी ख्वाहिश एसडीएम बनने की रही है। लक्ष्य निश्चित था, इसलिए बिना भटकाव के उन्हें पहले ही प्रयास में सफलता मिल गई। दिशा ने बताया कि व्यवस्थित और लक्षित पढ़ाई से बेहतर सफलता पाई जा सकती है। इसका कोई शार्टकट नहीं है। अध्ययन के लिए त्याग और ईमानदारी भी बहुत जरूरी है। वह अपनी सफलता का श्रेय माता पिता के अलावा मामा को देती है। समर्पण से मिला प्रवीण को एसडीएम का पद

हरपुर बुदहल क्षेत्र के जिगिना हरपुर गांव के रहने वो प्रवीण यादव को पीएसएस परीक्षा में 47वीं रैंक मिली है। इसे वह लक्ष्य के प्रति समर्पण का परिणाम मानते हैं। एसडीएम का पद हासिल करने वाले प्रवीण ने माध्यमिक शिक्षा आरपीएम एकेडमी गोरखपुर में हुई जबकि स्नातक की उपाधि उन्होंने उस्मानिया विश्वविद्यालय हैदराबाद से पाई है। प्रवीण अपनी सफलता का श्रेय राष्ट्रीय पहलवान पिता महेंद्र प्रताप यादव, माता रामसती यादव, बहन अर्चना यादव और गुरुजनों को देते हैं।

कौड़ीराम क्षेत्र के बारीगांव सोहगौरा निवासी शैलेश त्रिपाठी के पुत्र अविनाश कुमार त्रिपाठी को पीएसएस परीक्षा में 41वां स्थान मिला है और वह एसडीएम पद के चयनित हुए हैं। अपने इस चयन से वह बेहद खुश हैं लेकिन उनकी ख्वाहिश आइएएस बनने की है। वह यूपीएससी-2020 का साक्षात्कार भी दे रहे हैं। शुरू से मेधावी रहे अविनाश का चयन इससे पहले एसएसबी में अस्टिेंट कमांडेंट के पद पर हो चुका है। वह 2018 की पीसीएस परीक्षा में आबकारी निरीक्षक पद पर भी चयनित हुए थे। अविनाश अपनी सफलता का श्रेय पिता के अलावा मां सुमन त्रिपाठी और मामा डा. अरविंद कुमार शुक्ल को देते हैं। नाना स्व. पं. प्रदुम्न नारायण शुक्ल और बाबा जेआर त्रिपाठी को वह अपना आदर्श मानते हैं।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, व्हील-चेयर पर बैठीं, चुनाव आयोग द्वारा टीएमसी नेता पर 24 घंटे के चुनाव प्रचार पर प्रतिबंध लगाने के बाद, कोलकाता में गांधी प्रतिमा के सामने धरना दिया।

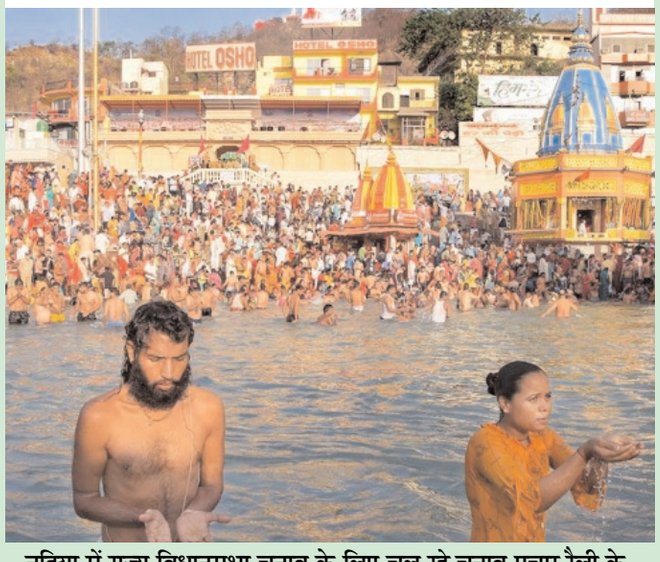


नदिया में राज्य विधानसभा चुनाव के लिए चल रहे चुनाव प्रचार रैली के दौरान तृणमूल कांग्रेस के समर्थक।

मुंबई में कोविड-19 मामलों में जारी स्पाइक के बीच, यात्री ट्रेनों में सवार होने के लिए लोकमान्य तिलक टर्मिनस में एक लंबी कतार में लोग।

## एक नजर

### एक दिन में बदला रुख, कर्नाटक के मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा ने कहा- राज्य में लॉकडाउन का सवाल नहीं, 2 मई तक बढ़ेंगे केस

**बेंगलुरु** । कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच कर्नाटक के मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा ने सोमवार को कहा था कि अगर जरूरत पड़ी तो राज्य में लॉकडाउन लगाया जा सकता है। हालांकि, इस बयान से पलटते हुए अब येदियुरप्पा ने कहा है कि राज्य में लॉकडाउन लगाए जाने का सवाल ही नहीं उठता। येदियुरप्पा ने कहा कि कोरोना की स्थिति पर चर्चा के लिए उन्होंने 18 अप्रैल को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। उन्होंने आगे कहा, अभी लॉकडाउन का सवाल ही नहीं उठता। एडवाइजरी कमेटी ने कहा है कि 2 मई तक संक्रमितों की संख्या बढ़ेगी, इसलिए लोगों को कोरोना के नियमों का पालन करना चाहिए। बता दें कि सोमवार को ही येदियुरप्पा ने कहा था कि जरूरत पड़ने पर राज्य सरकार लॉकडाउन लगाने को तैयार है। उन्होंने कहा कि यदि लोगों ने सहयोग नहीं किया और नियमों का पालन नहीं किया तो सख्त कदम उठाने होंगे। कर्नाटक के मुख्यमंत्री का यह बयान इसलिए भी अहम था क्योंकि हाल ही में पीएम मोदी ने कोरोना संक्रमण को काबू करने के लिए लॉकडाउन की बजाय छोटे कंटेनमेंट जोन, टेस्टिंग जैसे उपायों पर फोकस करने को कहा था। राज्य में रविवार को 10 हजार से अधिक कोरोना मरीज मिले हैं। कोरोना केसों में इजाफे को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि पीएम मोदी ने भी उनकी सरकार की ओर से उठाए जा रहे कदमों को लेकर बात की है।

### वैक्सीन जरूर लगवाएं, कोरोना के ब्रिटिश वैरिएंट को भी मात दे रहे हैं कोविशील्ड और कोवैक्सीन के टीके

**नई दिल्ली** । भारत में स्पुतनिक वी को आपातकालीन इस्तेमाल की मंजूरी मिलने के साथ ही तीन-तीन वैक्सन का लाभ अब लोगों को मिलेगा। इससे टीकाकरण अभियान को रफ्तार मिलेगी। देश में इससे पहले कोवाक्सिन और कोविशिल्ड की मदद से लोगों को महामारी से बचाने के लिए टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा था। दोनों ही टीके काफी असरदार हैं। हाल के दिनों में ब्रिटेन में मिले वायरस के नए स्ट्रेन के खिलाफ भी ये दोनों वैक्सीन असरदार तरीके से काम करती है। वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा है कि कोवाक्सिन और कोविशिल्ड - भारत में इस्तेमाल होने वाली वैक्सीन यूके के वैरिएंट के खिलाफ प्रभावी हैं। आपको बता दें कि भारत में भी इस नए स्ट्रेन का प्रकोप है। अधिकारियों ने यह भी कहा कि वायरस का अभी तक कोई भारतीय संस्करण नहीं आया है। महाराष्ट्र में केवल एक डबल म्यूटेशन पाया गया है। उन्होंने कहा कि एक नए संस्करण के लिए कई म्यूटेशन की आवश्यकता होती है ताकि उन्हें इस तरह पहचाना जा सके और एक प्रभाव डाला जा सके। अब तक, तीन आयातित वेरिएंट - यूके, दक्षिण अफ्रीका और ब्राजील - भारत में पाए गए हैं। सोमवार शाम तक इन प्रकारों के कुल 948 केस भारत में मिले हैं। एक अधिकारी ने टाइम्स ऑफ इंडिया को बताया, कोवाक्सिन यूके और ब्राज़ीलियन दोनों प्रकारों के खिलाफ प्रभावी है। कोविशिल्ड यूके संस्करण के खिलाफ प्रभावी है लेकिन हम ब्राजील के स्ट्रेन के खिलाफ इसके प्रभावकारी डेटा का इंतजार कर रहे हैं। एक अधिकारी ने कहा कि आईसीएमआर शोधकर्ता अध्ययन करना जारी रखे हैं।

### राजस्थान में सरिस्का से गांवों के विस्थापित नहीं होने के कारण टाइगर के स्वभाव पर हो रहा असर

**जयपुर** । राजस्थान में अलवर जिले के सरिस्का टाइगर रिजर्व में बढ़ती मानविय हलचल से वन्यजीवों विशेषकर टाइगर के स्वभाव पर असर हो रहा है। बार-बार समय सीमा तय करने के बावजूद सरिस्का के आसपास बसे गांवों का विस्थापन नहीं हो पा रहा है। यही कारण है कि टाइगर अब सरिस्का में वन्यजीवों का शिकार करने के बजाय पेट भरने के लिए पशुधन पर आश्रित हो रहा है। सरिस्का वनक्षेत्र और आसपास के गांवों के हालात यह है कि यहां रहने वाले लोगों की अपेक्षा पशुधन ज्यादा है। रणथंभौर और मुकुंदरा टाइगर रिजर्व की तुलना में सरिस्का में पशुधन का घनत्व ज्यादा है।

सरिस्का रिजर्व की सीमा और इसके आसपास 175 गांव है। इनमें से 26 गांव तो वे हैं जिन्हे क्रिटिकल टाइगर हैबिटेट एरिया में माना गया है। बाकी 146 गांव वनक्षेत्र से बाहर लेकिन सीमा के बिल्कुल निकट बसे हुए हैं ।इन गांवों में आबादी कुल 6 हजार हैं,लेकिन पशुधन करीब 20 हजार है। वहीं क्रिटिकल टाइगर हैबिटेट एरिया में बसे गांवों में आबादी 2 हजार से कम,लेकिन पशुधन 10 हजार के करीब है । पशुओं में भैंस,गाय,बकरी,भेड़ शामिल है।सरिस्का में पूर्व में काम कर चुके राजस्थान वन सेवा के अधिकारी जी.एस.भारद्वाज ने अध्ध्यन कर के एक रिपोर्ट तैयार की थी । इसके अनुसार साल,2011 में टाइगर के शिकार में पशुओं की प्राथमिकता करीब 19.4 प्रतिशत थी । बाद में यह बढ़कर 77 फीसदी को पार कर गई । टाइगर ने सबसे अधिक भैंस और गायों का शिकार किया । इसके बाद बकरी का नंबर आया । इसका प्रमुख कारण ग्रामीणों द्वारा पशुओं को चराई के लिए टाइगर रिजर्व की तरफ ले जाना या फिर टाइगर का बाहर निकल कर गांवों की तरफ आना है । रिजर्व में मानव हलचल बढ़ी तो टाइगर जंगल से बाहर निकल कर गांवों के आने लगा और पशुओं को अपना शिकार बनाया । इस अध्ययन में माना गया कि टाइगर की ओर से शिकार का चयन विभिन्न बिन्दुओं पर निर्भर करता है । प्राकृतिक जंगलों में सांभर के शरीर और एकांत प्रवृति के कारण सबसे पसंदीदा शिकार प्रजातियों में माना जाता है। लेकिन सरिस्का में टाइगर सांभर के बजाय पशुओं का शिकार करना पसंद करता है ।

### नालासोपारा के अस्पताल में 3 घंटे में 7 कोविड मरीजों की मौत के बाद हंगामा, परिजनों ने लगाया गंभीर आरोप

**मुंबई** । नालासोपारा पूर्व में विनायक अस्पताल की गहन चिकित्सा इकाई में भर्ती सात कोविड मरीजों की सोमवार को तीन घंटे के भीतर मौत हो गई। जहां परिजनों ने आरोप लगाया कि ऑक्सीजन की आपूर्ति में कमी के कारण मौतें हुई हैं, वहीं अस्पताल प्रशासन ने कहा कि मरीज गंभीर हालत में थे। मृतकों के परिजनों का कहना है कि प्रशासन ने उन्हें ऑक्सीजन सिलेंडर की कमी के बारे में सूचित नहीं किया।

मृतकों के परिवार के सदस्य अस्पताल के बाहर जमा हो गए और विरोध जताया, मौत के लिए प्रशासन को जिम्मेदार ठहराया। उत्तेजित भीड़ को खदेड़ने के लिए पास के तुलिंज पुलिस स्टेशन के अधिकारियों को हस्तक्षेप करना पड़ा। बता दें कि इससे पहले भी मिड-डे ने 10 अप्रैल को वसई विरार और नालासोपारा के अस्पतालों में ऑक्सीजन की आपूर्ति की कमी के बारे में बताया था । इसकी वजह से ही यहां के गंभीर हालत में भर्ती मरीजों को दूसरी जगह भर्ती करवाने के लिए मजबूर किया जा रहा था।

## ममता के बाद भाजपा नेताओं पर चुनाव आयोग सख्त, सुवेंदु को दी चेतावनी, दिलीप घोष के बयान पर मांगा जवाब

**कोलकाता, एजेंसी।** चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष दिलीप घोष से कल सुबह 10 बजे तक कूचबिहार के सीतलकुची की घटना पर उनके बयान पर अपना रुख स्पष्ट करने के लिए कहा है। चुनाव आयोग ने भाजपा नेता राहुल सिन्हा पर अगले 48 घंटों तक किसी भी तरीके से चुनाव प्रचार करने से रोक लगा दी है। सिन्हा आज दोपहर 12 से 15 अप्रैल दोपहर 12 बजे तक प्रचार नहीं करेंगे। उन पर ये रोक चौथे चरण के मतदान के दौरान कूच बिहार के सीतलकुची में हुई हिंसा पर विवादित बयान देने के बाद लगाई गई है। वहीं, चुनाव आयोग ने भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी को बीते 29 मार्च को दिए गए भाषण पर आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन करने के आरोप में नोटिस जारी किया है।

चुनाव आयोग ने भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी को उनके 29 मार्च को दिए गए भाषण के लिए चेतावनी दी है। इसके लिए उन्होंने 9 अप्रैल को जवाब दाखिल किया था। आयोग ने उन्हें सलाह दी है कि जब आदर्श आचार संहिता लागू है तो सार्वजनिक रूप से इस तरह के बयान देने से बचें। नोटिस में कहा गया है कि चुनाव आयोग ने पाया है कि आदर्श आचार संहिता के कुछ प्रावधानों का उल्लंघन हुआ है।

वहीं, हाबरा सीट से भाजपा के उम्मीदवार राहुल सिन्हा ने सोमवार को कथित तौर पर विवादित बयान में कहा था कि कूच बिहार के सीतलकुची में चार नहीं, बल्कि आठ लोगों को केंद्रीय बलों द्वारा गोली मार दी जानी चाहिए थी।चुनाव आयोग ने भाजपा नेता राहुल सिन्हा पर अगले 48 घंटों तक किसी भी तरीके से चुनाव प्रचार करने से रोक लगा दी है। सिन्हा आज दोपहर 12 से 15 अप्रैल दोपहर 12 बजे तक प्रचार नहीं करेंगे। उन पर ये रोक चौथे चरण के मतदान के दौरान कूच बिहार के सीतलकुची में हुई हिंसा पर विवादित बयान देने के बाद लगाई गई है।

राहुल सिन्हा ने कहा था कि शीतलचुकी में चार की बजाय केंद्रीय बलों द्वारा आठ लोगों को मार दिया जाना चाहिए था। केंद्रीय बलों ने चौथे चरण के मतदान के दौरान सीतलकुची में सही कदम उठाया। उन्होंने कथित तौर पर कहा कि केंद्रीय बल फिर से इसी तरह जवाब देंगे, अगर ऐसा सितालकुची में फिर से होता है। वहीं, पश्चिम बंगाल भाजपा के अध्यक्ष दिलीप घोष के रविवार को दिए बयान से नया विवाद खड़ा हो गया। एक चुनावी रैली में उन्होंने कहा था कि अगर सीतलकूची में मारे गए शरारती लड़कों की तरह किसी ने कानून हाथ में लेने का प्रयास किया तो चुनावों के अगले चरण में भी कूचबिहार की तरह हत्याएं हो सकती हैं। इस पर तृणमूल कांग्रेस ने सख्त आपत्ति जताते हुए उन्हें गिरफ्तार करने की मांग की थी। वहीं माकपा ने कहा था कि यह बयान भगवा दल के फासीवादी चेहरे को उजागर करता है। बता दें, सीतलकूची विधानसभा क्षेत्र में शनिवार को चौथे चरण के मतदान के दौरान सीआईएसएफ के जवानों से कुछ लोगों द्वारा राइफलें छीनने का प्रयास करने के बाद केंद्रीय बल ने गोलीबारी की जिसमें चार लोगों की मौत हो गई थी। घोष ने कहा था कि सीतलकूची में शरारती लड़कों को गोली लगी। अगर कोई भी अपने हाथ में कानून लेने का दुस्साहस करता है तो उसके साथ भी ऐसा ही होगा। उन्होंने 'शरारती लड़कों' के बारे में विस्तार से नहीं बताया।उन्होंने कहा कि 17 अप्रैल को भी (पांचवें चरण के चुनाव के दिन) केंद्रीय बल मतदान केंद्रों पर तैनात रहेंगे। अगर उन्होंने अपने हाथ में कानून लेने का प्रयास किया तो सीतलकूची की तरह घटनाएं हो सकती हैं। उल्लेखनीय है कि घोष पहले भी कई विवादास्पद बयान दे चुके हैं। वहीं, पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को लिखे पत्र में तृणमूल कांग्रेस ने कहा कि भाजपा नेता दिलीप घोष, राहुल सिन्हा सहित भाजपा के कई नेता कूच बिहार जैसी और घटनाओं की चेतावनी देकर हिंसा भड़का रहे हैं। तृणमूल कांग्रेस ने चुनाव आयोग को लिखा पत्रथा कि कहा भड़काऊ टिप्पणी के लिए भाजपा नेताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो।

## बढ़ते कोरोना मामलों के बीच रेलवे के आइसोलेशन डिब्बों की वापसी

**नई दिल्ली** । पिछले साल कोरोन महामारी के दौरान कई रेल डिब्बों को आइसोसलेशन वार्ड में तब्दील कर दिया गया था, अब कई महीने से स्टैंडबाय पर रहने के बाद दोबोरा उनकी जरूरत आन पड़ी है. रेलवे के पश्चिमी क्षेत्र से लगभग 95 कोच और 1,500 बेड की मांग हुई है, गुजरात की सीमा से सटे महाराष्ट्र जिले के नंदुरबार ने मांगा है।

11 अप्रैल को पश्चिमी रेलवे और जिला अधिकारियों के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। जिसमें बताया गया कि प्रत्येक कोविड -19 देखभाल रेक में 20 कोच होंगे, जिसमें स्लीपर और जनरल कोच दोनों शामिल होंगे; प्रत्येक कोच में16 रोगियों को रखा जा सकता है। कोचों को नंदुरबार के जिला प्रशासन और पश्चिम रेलवे के मुंबई मंडल प्रशासन के बीच पारस्परिक रूप से सहमत बनने के बाद तैनात किया जाएगा।

वर्तमान में यह जिला 15 अप्रैल तक लॉकडाउन में है और मार्च से अब तक यहां लगभग 400 मामले दर्ज किए गए हैं। महाराष्ट्र ने सोमवार को 51,751 नए कोविद -19 मामलों की सूचना दी जिसके बाद राज्य में कोरोना मामलों की संख्या 3,458,996 तक पहुंच गई है।राज्य में सोमवार को 258 मृत्यु की सूचना दी गई, जो टोल ले कर 58,245 हो गई।

कोविद -19 आइसोलेशन कोच में हल्के लक्षणों वाले रोगियों के लिए उपयोग करने के लिए डिज़ाइन किया गया था, यह उन राज्यों के लिए बनाया गया था जहां राज्यों में सुविधाओं की कमी हो गई थी और रेलवे के अनुसार, दोनों संदिग्ध और पुष्टि मामलों के आइसोलेशन के लिए इसका इस्तेमाल किया जा सकता है।

बता दें कि रेलवे बुनियादी ढांचे और प्लेटफार्मों की सफाई और स्वच्छता, परिसर की सफाई, कंबल, शौचालयों के प्रबंधन, बिजली और बिजली की आपूर्ति की व्यवस्था, पानी, संचार सुविधाओं जैसे परिसरों के रखरखाव के लिए जिम्मेदार होगा। यह कोचों में खानपान और ऑक्सीजन सिलेंडर भी प्रदान करेगा, ऐसा पिछले साल कोचों के लिए अपने दिशानिर्देशों में कहा गया था।

केंद्र ने पिछले साल अप्रैल में कोविड के कोच का पहला प्रोटोटाइप बनाया; मई तक यह कोविड -19 के मामलों में वृद्धि की संभावना को देखते हुए 15 राज्यों के 215 स्टेशनों में 5,231 रेलवे कोचों को तैनात करने के लिए तैयार था।

## ममता के बाद बीजेपी के राहुल सिन्हा पर चुनाव आयोग का एक्शन, प्रचार करने पर 48 घंटे का लगाया बैन

**नई दिल्ली** । चुनाव आयोग ने ममता बनर्जी पर 24 घंटे तक के लिए प्रचार पर रोक लगाने के बाद बीजेपी नेता पर राहुल सिन्हा पर 48 घंटों के लिए रोक लगा दी है। चुनाव आयोग की ओर से लगाया गया यह बैन आज दोपहर 12 बजे से लागू हो गया है और 15 अप्रैल को 12 बजे दोपहर तक ही लागू रहेगा। कूच बिहार के सितालकुची में केंद्रीय बलों की फायरिंग में 4 युवकों की मौत की घटना पर उन्होंने विवादित बयान दिया था। इस मामले को संज्ञान में लेते हुए ही चुनाव आयोग ने राहुल सिन्हा के खिलाफ यह एक्शन लिया है। राहुल सिन्हा ने सितालकुची की घटना पर विवादित टिप्पणी करते हुए कहा था कि वहां 4 नहीं बल्कि 8 की मौत होनी चाहिए थी। इस बीच ममता बनर्जी ने आयोग के बैन के खिलाफ धरना शुरू कर दिया है। इसके अलावा आयोग ने बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप घोष को नोटिस जारी किया है और बुधवार सुबह 10 बजे तक जवाब मांगा है।

चुनाव आयोग ने अपने आदेश में एक टीवी चैनल पर प्रसारित राहुल सिन्हा के बयान का जिक्र किया है। आयोग ने कहा कि हमने राहुल सिन्हा के बयान का स्वत- संज्ञान लिया है और इसे आचार संहिता का उल्लंघन मानते हुए उन पर 48 घंटे का बैन लगाया गया है। आयोग ने कहा कि राहुल सिन्हा ने भड़काऊं बयान दिया है, जो सुरक्षा बलों को उकसाने वाला है और चुनवा प्रक्रिया में इसका बेहद विपरीत असर देखने को मिल सकता है। आयोग ने कहा कि हम राहुल सिन्हा और बीजेपी को हिदायत देते हैं कि चुनाव आचार संहिता का सख्ती से पालन करें। इसके अलावा राहुल सिन्हा पर किसी भी माध्यम से चुनाव प्रचार करने पर 48 घंटे की रोक लगा दी गई है।

राहुल सिन्हा ने चौथे राउंड की वोटिंग के दौरान कूच बिहार में हुई हिंसा को लेकर विवादित टिप्पणी की थी। सिन्हा ने कहा था, ...केंद्रीय बलों ने उन्हें मुंहतोड़ जवाब दिया है। यदि वे फिर ऐसा करेंगे तो दोबारा उन्हें वैसा ही जवाब मिलेगा। केंद्रीय बलों को सितालकुची में 4 की बजाय 8 लोगों को मारना चाहिए था। यही नहीं राहुल सिन्हा ने कहा था कि केंद्रीय बलों को कारण बताओ नोटिस जारी कर पूछा जाना चाहिए कि उन्होंने सिर्फ 4 लोगों को ही क्यों मारा...। इस बीच ममता बनर्जी ने अपने ऊपर लगे बैन के खिलाफ धरना शुरू कर दिया है और बीजेपी के इशारे पर चुनाव आयोग के काम करने का आरोप लगाया है।

## गुजरात में कोरोना ने तोड़े सारे रिकॉर्ड, अहमदाबाद के सबसे बड़े कोविड अस्पताल में बेड फुल

**अहमदाबाद** । गुजरात में कोरोना संक्रमण के नए मामलों ने पहले के सारे रिकार्ड तोड़ दिए हैं। बीते 24 घंटे में यहां कोरोना संक्रमण के 6,021 नए मामले सामने आये हैं। सोमवार को 55 संक्रमितों की मौत दर्ज की गई जिसके बाद राज्य में कोरोना से होने वाली मौतों का आंकड़ा 4,855 तक पहुंच गया। 2854 लोगों को स्वस्थ पाये जाने पर अस्पताल से घर भेज दिया गया।

स्वास्थ्य विभाग से मिले आंकड़ों के अनुसार राज्य में कुल संक्रमित मरीजों की संख्या अब बढ़कर 3,53,516 तक पहुंच चुकी है जिनमें से 3,17,981 मरीजों को स्वस्थ पाये जाने पर अस्पताल से घर भेज दिया गया है। 30,680 मरीज सक्रिय बताये गए हैं। राज्य में अब तक 93,50,045 लोगों का टीकाकरण किया जा चुका है।

**गुजरात के इन जिलों में क्या है कोरोना का हाल-** बीते 24 घंटे में अहमदाबाद में 1,933 नए मामले, इसके बाद सूरत में 1,469, राजकोट में 576, वडोदरा में 381, जामनगर में 296, महसाना में 136, भावनगर में 110, गांधीनगर में 106, पाटन में 97, बनासकांठा में 94, जूनागढ़ में 87, नर्मदा में 61, भरूच में 54 मामले दर्ज हुए। कच्छ 50, खेड़ा 49, अमरेली, मोरबी, और नवसारी 48 प्रत्येक, दाहोद 45, महिसागर 43, पंचमहल 37, आनंद 33, बोटाद 31, सुरेंद्रनगर और वलसाड प्रत्येक में 29 , साबरकांठा 24, देवभूमि द्वारका 20, खतरे और गिर सोमनाथ प्रत्येक में 19। छोटा उदेपुर 15, अरावली और तापी प्रत्येक में 14 प्रत्येक और पोरबंदर छह मामले दर्ज किए गए हैं।

सोमवार को दर्ज हुए आंकड़ों के अनुसार अहमदाबाद से 20, सूरत से 19, वडोदरा से सात, राजकोट से छह और भरूच, बोटाद और सुरेंद्रनगर से एक-एक संक्रमित की मौत की खबर है। अब तक, कुल 93,50,045 टीका लगाए गए हैं, जिनमें से 82,37,367 लोगों को अपनी पहली खुराक मिली है और 11,12,678 लोगों ने अपना दूसरा खुराक प्राप्त की है। कोरोना संक्रमण के लगातार बढ़ रहे मामलों के कारण अहमदाबाद के सबसे बड़े कोविड अस्पताल का बुरा हाल हैं।

## ओडिशा कैबिनेट की बैठक सम्पन्नः 9 प्रस्ताव पर लगी मुहर, भुवनेश्वर में कैंसर अस्पताल बनाने की मंजूरी

**भुवनेश्वर** । मुख्यमंत्री नवीन पटनायक की अध्यक्षता में सोमवार को आयोजित ओडिशा कैबिनेट की बैठक सम्पन्न हुई। वीडियो कान्फ्रेसिंग के जरिए आयोजित इस बैठक में 9 प्रस्ताव पर कैबिनेट ने अपनी मुहर लगायी है। जानकारी के मुताबिक कैबिनेट ने राजधानी भुवनेश्वर में बागची-शंकर कैंसर अस्पताल बनाने पर अपनी मुहर लगायी है। इसके लिए सुब्रत बागची एवं उनकी पत्नी सुस्मिता बागची 210 करोड़ रुपया प्रदान करेंगे। 2024 तक यह कैंसर अस्पताल कार्यकारी हो जाएगा। इसके लिए राज्य सरकार की तरफ से इनफोसिटी इलाके में 20 एकड़ जमीन दी जाएगी। पहले 250 बेड एवं फिर 500 बेड वाला यह अस्पताल बनेगा।

भुवनेश्वर में पालिएटिव केयर अस्पताल के लिए भी कैबिनेट में निर्णय लिया गया है। बागची करूणाश्रय पालीएटिव केयर सेंटर संयुक्त रूप से इसका निर्माण करेंगे। इसके लिए बागची दंपत्ति ने 130 करोड़ रुपया देगा। इनफावैली के पास सरकार ने इसके लिए 20 एकड़ जमीन मुहैया कराएगी। यहां पर मरीजों का मुफ्त इलाज होगा।

उसी तरह से ओडिशा खदान पदार्थ चोरी एवं गैरकानूनी कारोबार रोकने के लिए संशोधित अधिनियम 2021 को भी कैबिनेट ने अपनी मंजूरी दी है। इससे राज्य में खदान पदार्थ चोरी, चोरा चालान एवं खदान संबन्धित गैरकानूनी कार्य पर लगाम लगेगी। उसी तरह से एससी-एसटी छात्र-छात्राओं के लिए अन्वेषा योजना जारी रखने के लिए कैबिनेट ने मुहर लगायी है।

## ऑक्सीजन की कमी से मुंबई में 7 लोगों की मौत का आरोप, परिजनों का हंगामा, अस्पताल ने दी यह सफाई

मुंबई । कोरोना के लगातार बढ़ते मामलों के चलते मरीजों के लिए जरूरी इंजेक्शन रेमेडिसिवर के इंजेक्शन के बाद अब ऑक्सिजन की किल्लत भी बढ़ गई है। मुंबई के नालासोपारा में 7 कोविड मरीजों के ऑक्सीजन की कमी से मरने का आरोप लग रहा है। परिजनों का आरोप है कि ऑक्सीजन की कमी के चलते ही लोगों की मौत हुई है। यही नहीं बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर अस्पताल के बाहर हंगामा भी किया है। हालांकि अस्पताल के एक डॉक्टर ने कहा कि मरीजों की मौत ऑक्सीन की कमी से नहीं हुई है। डॉक्टर ने कहा, इलाके में गंभीर मरीजों के लिए यह इकलौता अस्पताल है। मरीजों की मौत यहां अधिक आयु से पैदा हुई बीमारियों या फिर अन्य किसी गंभीर बीमारी के भी होने की वजह से हुई हैं।

इस बीच सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर राजेंद्र कांबले ने कहा, ऑक्सीजन की सप्लाई सुबह 3 बजे की गई थी। मृतकों के परिजनों की अस्पताल प्रशासन से बिल को लेकर बहस हुई थी। यदि मृतकों के परिजन अस्पताल के खिलाफ केस दर्ज कराना चाहते हैं तो वे ऐसा कर सकते हैं। अस्पताल का कहना है कि मरने वाले ज्यादातर मरीजों की हालत पहले से ही गंभीर थी या फिर अधिक आयु से पैदा हुई बीमारियों से पीड़ित थे।

इन मौतों के बाद मृतकों के परिजनों ने अस्पताल के बाहर जमकर हंगामा किया और विरोध दर्ज कराया। इसके बाद भीड़ को काबू में करने और किसी भी हिंसा की आशंका को टालने के लिए पुलिस भी मौके पर पहुंची। बता दें कि महाराष्ट्र सरकार के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे भी राज्य में ऑक्सीजन की कमी का मुद्दा उठा चुके हैं। उन्होंने कहा था कि हम केंद्र सरकार से अपील करते हैं कि हमें पड़ोसी राज्यों से ऑक्सीजन की सप्लाई सुनिश्चित करें।

## कुख्यात गैंगस्टर शेख हैदर फरार, छह पुलिस कर्मचारी निलंबित

**भुवनेश्वर** । पिपिली विधानसभा सीट पर हो रहे उप चुनाव को अब महज कुछ ही दिन का समय बचा है, ऐसे में तीनों प्रमुख राजनीतिक दलों ने चुनाव जीतने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। खासकर बीजू जनता दल एवं भारतीय जनता पार्टी के नेता एवं स्टार प्रचारक लोगों को लुभाने के लिए कोई भी कोर कसर नहीं छोड़ रहे हैं और लगभग हर दिन एक दूसरे के खिलाफ चुनाव आयोग से शिकायत करना नहीं भूलते हैं। इसी बीच बीजद सुप्रीमो नवीन पटनायक ने वीडियो कान्फ्रेसिंग के जरिए जहां अपने उम्मीदवार को लिए लोगों से वोट मांगते हुए पिपिली एवं डेलांग के विकास की जिम्मेदारी खुद लेते हुए कोरोना संक्रमण के बाद लोगों से आकर मिलने की बात कही तो वहीं कांग्रेस उम्मीदवार अजीत मंगराज के कोरोना पाजिटिव पाए जाने के बाद उन्हें जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हुए उनके परिवार के साथ बात की। केन्द्र मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने आज पिपिली विधानसभा क्षेत्र में रोड शो कर अपनी ताकत का इजहार किया है। चुनाव के सरगर्मी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि भाजपा एवं बीजद दोनों ही पार्टी की तरफ से नियमित चुनाव आयोग के पास एक दूसरी की शिकायत की जा रही है। गौरतलब है कि पिपिली विधानसभा सीट के लिए 17 अप्रैल को मतदान होगा, 2 मई को मतगणना की जाएगी। गौरतलब है कि पिपिली विधानसभा उप चुनाव के लिए महज तीन दिन का समय बचा है। ऐसे में मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने वीडियो कान्फ्रेसिंग के जरिए अपने पार्टी के उम्मीदवार रूद्र प्रताप के लिए प्रचार किया। मुख्यमंत्री ने कहा है कि पिपिली एवं डेलांग इलाके में कई अच्छे कार्य हुए हैं। आगे और अनेक अच्छे कार्य के लिए अवसर हैं। मुख्यमंत्री ने कहा है कि पिपिली-डेलांग महाप्रभु श्री जगन्नाथ जी के श्रेष्ठ भक्त दासिया की पवित्र भूमि है।

महात्मा गांधी की पदयात्रा से पिपिली-डेलांग की भूमि धन्य हो गई है। यह कला की भूमि है। यहां तैयार चांदुआ देश-विदेश में ओडिशा का नाम रोशन किया है। मुख्यमंत्री ने पिपिली-डेलाग के समृद्ध इतिहास को याद करते हुए यहां की मिट्टी को प्रणाम किया है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि मुझे पता है कि यहां के लोग मुझे बहुत प्रेम करते हैं, यदि मैं पिपिली-डेलांग आता तो काफी संख्या आप लोग मुझे आशीर्वाद देने के लिए एकत्र होते। कोरोना के समय में यह उचित नहीं था। मेरे लिए आपको कोई असुविधा हो ऐसा मैं नहीं चाहता था, इसीलिए वीडियो कान्फ्रेसिंग के जरिए आपको संबोधित कर रहा हूं। कोरोना ठीक होने के बाद मैं आपसे मिलने जरूर आऊंगा।

वहीं दूसरी तरफ भाजपा उम्मीदवार आश्रित पटनायक के लिए आज केन्द्र मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने प्रचार किया है। रोड शो के जरिए केन्द्र मत्री ने भाजपा उम्मीदवार आश्रित पटनायक को लेकर प्रचार कियाहै। पिपिली ब्लाक, पिपिली एनएसी, डेलांग ब्लाक के चुनाव क्षेत्र में केन्द्र मंत्री ने रोड शो किया है। यहां उल्लेखनीय है कि इससे पहले भुवनेश्वर सांसद अपराजिता षडंगी ने भी सोमवार को भाजपा उम्मीदवार आश्रित पटनायक के लिए चुनाव प्रचार किया था।

शादी या किसी भी पारंपरिक त्योहारों की बात हो या जाना हो किसी पार्टी में, मेहँदी के बिना मेकअप पूरा नहीं होता। सोलह श्रृंगार में प्रतिष्ठित मेहँदी की रंगत भी समय के साथ काफी बदली है। अब तो मेहँदी लगाने से लेकर उसे तैयार करने के तरीके में खासा बदलाव आ गया है। बदलाव की इस दौड़ में ग्लिटर और टैटू भी मेहँदी की लिस्ट में शामिल हो गए हैं।

# मेहँदी है रचने वाली हाथों में गहरी लाली

मेहँदी परंपरा से अधिक अब फैशन बन गई है और जरूरत, रचाने के लिए मेहँदी उपलब्ध समय, समारोह के प्रकार के हिसाब से अलग- अलग रूपों में लगाई जाने लगी है। मेहँदी के क्षेत्र में हुए सारे परिवर्तन आज की महिलाओं ने न सिर्फ अपना लिए हैं बल्कि अब ये सब फैशन के अंग हो गए हैं।

## ग्लिटर मेहँदी का ग्लो

फैशनेबल मेहँदी के रूप में ग्लिटर मशहूर है। यूँ ग्लिटर मेहँदी में मेहँदी का कोई उपयोग नहीं होता। यह शुद्धरूप से केमिकल से बनी होती है, पर तुरन्त लग जाने और ग्लो करने के साथ ही यह हर कलर में उपलब्ध होती है। इसलिए मैचिंग के दीवाने इसका खूब उपयोग करते हैं। जिस कलर की ड्रेस पहनी हो उसी कलर की मेहँदी भी लगानी हो तो ग्लिटर मेहँदी सबसे अधिक उपयुक्त होती है। अब इसके साथ स्टोन का भी चलन है। ग्लिटर के साथ ही मैचिंग स्टोन या कंट्रास्ट स्टोन लगाकर मेहँदी को आकर्षक बनाया जाता है।

## टैटू मेहँदी, झटपट मेहँदी

यूँ टैटू मेहँदी से काफी अलग है पर इसने मेहँदी का स्थान ले लिया है। इसे झटपट मेहँदी भी कहते हैं। मेहँदी के रूप में प्रयुक्त टैटू मेहँदी वाली डिजाइन में मिलने लगे हैं। बस पाँच मिनट में तैयार इस मेहँदी का प्रयोग हाथों से अधिक पेट, कमर, गले और बाजू में किया जाता है।

टैटू पारंपरिक और अरेबियन दोनों प्रकार के डिजाइनों में उपलब्ध होते हैं। पेड़ से पत्ते तोड़कर सिल पर पीसने और हाथों में रचाने का सिलसिला तो पुराना हो ही चुका है अब तो पैक मेहँदी पाउडर की जगह तैयार कोन भी मिलने लगी हैं। बस कोन खरीदें और लगाना शुरू करें।

## पारंपरिक का जलवा

वैसे तो फैशन के हिसाब से मेहँदी की डिजाइनों में काफी बदलाव आया है। जब बात त्योहारों और शादियों की हो तो पारंपरिक डिजाइन ही पसंद किए जाते हैं। शादियों में दुल्हन अभी भी पारंपरिक मेहँदी ही प्रयोग में लाती हैं। पारंपरिक मेहँदी भरावट वाली होती है और इससे हाथ या पैर पूरे भरे-भरे दिखते हैं।

रचने के बाद भरावट वाला हिस्सा अधिक सुन्दर दिखता है। इस डिजाइन में आजकल सजावट के लिए ऊपर से ग्लिटर या स्टोन का भी उपयोग होता है, पर बेस-मेहँदी डिजाइन में पारंपरिक डिजाइनें होती हैं।

## राजस्थानी का राज

राजस्थानी शैली की मेहँदी एक प्रकार से पारंपरिक मेहँदी डिजाइनों का ही एक भाग है। इसके कुछ प्रतीक काफी लोकप्रिय हैं जो कि अन्य डिजाइनों के साथ भी मर्ज करके रचाए जाते हैं। इन प्रतीकों में मोर सबसे अधिक प्रचलित है। इसके अलावा नगाड़े, ढोल, दुल्हन, दूल्हा, तुरही, कलश आदि प्रतीकों के कारण राजस्थानी मेहँदी लोगों की पसंद में शामिल है।

## अरेबियन का आकर्षण

कॉलेज गोइंग गर्ल्स और टीनएजर्स के बीच लोकप्रिय इस डिजाइन ने फैशन को बदलने में सबसे बड़ी भूमिका निभाई है। एक ओर जहाँ पारंपरिक और राजस्थानी डिजाइनें शादी और पारंपरिक समारोहों के लिए आरक्षित सी हैं वहीं अरेबियन डिजाइन युवाओं की पहली पसंद में शामिल है। इस डिजाइन की खासियत यह है कि इसे भरे-भरे रूप में और पूरे हाथ में एक सा नहीं लगाया जाता। बल्कि डिजाइन को आकर्षक मोड़ देकर एक पतली लकीर के रूप में डिजाइन बनाई जाती है।

हेलो दोस्तो! हर किसी को मुकम्मल जहाँ नहीं मिलता.. क्या यह सोचकर हमेशा उदास रहना चाहिए? नहीं। अगर हमने अधूरेपन को ही अपनी सोच का आधार बना लिया तो खुशी हमें दूर-दूर तक नजर नहीं आएगी। हम अवसाद में डूबते जाएँगे। हमारे जीने का उत्साह ही खत्म हो जाएगा। जीवन में खुशियाँ भरने के लिए प्यार से भरे हुए जो भी पल आपके हाथ लगते हैं उसका शुक्रिया अदा करना चाहिए। अपने साथी के हर सहयोग, आपको खुश करने की हर कोशिश, अपनी व्यस्तता और मजबूरियों के बीच साथ देने और समय निकालने के हर प्रयास का तहे दिल से धन्यवाद करना चाहिए।

# जरूरी है एक छोटा-सा थैंक्स

शुक्रिया अदा करना बहुत ही प्यारा लव मंत्र है। इससे मिलने वाली खुशी हजार गुना बढ़ जाती है और प्यार पर भरोसा बढ़ता जाता है। प्यार का एक ही धर्म है खुशी देना। इस मजहब में केवल अच्छे गुणों की ही गुंजाइश है। आप ही बताएँ यदि प्यार करने वाले आपस में ईर्ष्या करने लगें, प्रतिस्पर्धा करने लगें, एक दूसरे को नीचा दिखाने लगें, वर्ग भेद और ऊँच-नीच का अहसास कराने लगें, अहम दिखाने लगें, उम्र एवं पद का धौंस महसूस कराने लगें तो वह प्यार टिक सकता है? प्यार तो दूर की चीज है, ऐसी नकारात्मक भावना से साधारण पसंद भी समाप्त हो जाएगी। नकारात्मक गुणों को आपस में पालते हुए भी यदि कोई प्रेमी युगल बने हुए हैं तो इसका मतलब है कि उन्हें बस जीवन साथ बिताने की कोई मजबूरी है। न सखा भाव है, न ही एक-दूसरे के लिए कोई हमदर्दी। क्या बिना त्याग, करूणा और हमदर्दी के कोई प्रेम मुमकिन है। इसलिए अपने साथी से प्रदर्शित किया गया मामूली सा त्याग, हल्की सी करुणा और थोड़ी सी हमदर्दी का तहे दिल से शुक्रिया अदा करें। यकीन मानिए आपको लगेगा कि आपको दोनों जहाँ मिल गया है।

अपने साथी की हर अच्छी अदाओं और गुणों पर वारा जाऊँ या वारी जाऊँ वाली भावना से प्यार के रिश्ते में चार चाँद लग जाते हैं। प्यार कोई करता ही इसलिए है कि वह जीवन में जीने का अहसास लाए। जीने की भावना जगाने के लिए अच्छी सोच की जरूरत होती है।

उम्मीद की जरूरत है। अपने प्यार पर भरोसे की जरूरत है। यह तभी संभव है जब हम अपने साथी की हर छोटी-बड़ी कोशिश को सराहें। उसे उसके प्रयास को इंगित करके दिखाएँ।

अपने प्यार के साथ शुरू की गई यह आदत और व्यवहार धीरे-धीरे तमाम परिस्थितियों से निपटने का हौसला देगा। एक बार हालात को, व्यक्तियों को सकारात्मक दृष्टिकोण से देखने और तोलने की आदत जीवन में कामयाबी की ओर ले जाएगा।

आप ही बताएँ अपने बॉस, शिक्षक, माँ-बाप, भाई-बहन, अन्य रिश्तेदार या दोस्त-अहबाब को आप उनके किसी सहयोग पर धन्यवाद व्यक्त करते हैं, उनका चेहरा कितना खिल उठता है। सख्त से सख्त व्यक्ति भी कोमलता से भर उठता है। इतना ही नहीं इसका असर और भी गहरा होता है। वह असर आगे फिर आपके लिए उससे भी बेहतर कुछ करने का मौका देगा।

शुक्रिया, केवल औपचारिकता के लिए नहीं करना चाहिए। उसे दिल से महसूस करके करें तो उसकी ताकत आपको भी महसूस होगी। आपको शारीरिक तौर पर भी इसका लाभ मिलेगा। सकारात्मक सोच आते ही हमारे सारे ग्लैंड सही काम करने लगते हैं। यह आपके अंदर आत्मविश्वास भी जगाता है। यदि एक मरीज को अपने डॉक्टर पर ही भरोसा न हो तो उस डॉक्टर का काम ज्यादा मुश्किल हो जाता है। पर अगर डॉक्टर के प्रयास से आपको थोड़ी भी राहत मिली हो और आप उसको, उस प्रयास का धन्यवाद करते हैं तो डॉक्टर भी अपनी पूरी विधा और तजुर्बे को अपने दिमाग में समेटकर आपका इलाज करने की कोशिश करेगा। यदि आपने यह भावना दिखाई कि बस दस प्रतिशत तो ठीक हुआ है...आप क्या इलाज कर रहे हैं... तो वह आपका इलाज तो करेगा पर उसका व्यक्तिगत प्रयास लुप्त हो जाएगा।

उसी प्रकार प्यार करने वाले को भी उसके प्रयास की विशेष पहचान की जरूरत पड़ती है। जिसने आपके लिए कुछ भी किया है उसका एक ही तरीका है बताने का और वह है, शुक्रिया अदा करना।

# जब रूठा हो आपका हमदम...!

अक्सर प्रेमी जोड़ों को एक-दूसरे से यही शिकायत रहती है। तो जनाब अगर आपका साथी आपसे रूठ गया है तो यह कतई जरूरी नहीं है कि आपको उसे मनाने में कड़ी मशक्कत ही करनी पड़े। यह काम एकदम आसानी से भी हो सकता है, बस जरूरत होती है थोड़ी समझदारी की।

यह ऐसा नाजुक वक्त होता है, जब कोई संबंध टूट भी सकता है या उस रिश्ते में और मजबूती भी आ सकती है। इसलिए जल?दबाजी में कोई कदम न उठाएँ। कोई निर्णय लेने से पूर्व काफी सोचविचार लें। अगर संभव हो तो नजदीकी मित्रों से सलाह भी ले सकते हैं। जिस तरह हर व्यक्ति का स्वभाव अलग होता है, उसी तरह से रूठे हुए को मनाने का अंदाज भी भिन्न-भिन्न होता है। अगर ये अंदाज पुराने प्रचलित तरीकों से अलग होगा तो आपके साथी के मान जाने की संभावनाएँ भी बढ़ेंगी और यकीन मानिए रिश्ते की खूबसूरती और मजबूती, दोनों बढ़ेगी। मान लीजिए अगर आपका साथी रूठा है, उसे मनाने के लिए उसके पसंदीदा रंग के कपड़े पहनकर उसके सामने जाएँ और आँखों में आँखें डालकर सॉरी कह दें, उसे अच्छा लगेगा। हो सकता है उसका गुस्सा काफूर हो जाए। अगर वो इस तरह भी न माना तो उसके पास हर घंटे फूलों का बुके भेजकर उसे चकित कर दें और झट से भविष्य में दुबारा गलती न करने का वायदा भी करें। इसके अलावा भी अनेक तरीके हैं, जिनसे अपनों को मनाया जा सकता है,-क्यूँ न एक खूबसूरत-सा कार्ड खरीद कर अपने मन की गहराइयों से एक प्यारी-सी कविता उस पर लिखें और बची हुई जगह पर लम्बा-सा सॉरी लिखें। यकीन कीजिए, न मानने का सवाल ही नहीं उठता। आप चाहें तो अपने प्रेमी या प्रेमिका को प्रेम पर कोई अच्छी-सी किताब भी भेंट कर सकते हैं। किसी गॉर्डन या मंदिर में अपनी गलती स्वीकार कर सकते हैं। अगर थोड़ा फिल्मी स्टाइल में सॉरी बोलना है तो मुन्नाभाई की तरह एफ.एम. के जरिए माफी माँग लें। अगर ऐसे भी आपका काम न बने तो सबसे आसान तरीका ये है कि आप उसके सामने जाइए, साधारण शब्दों में दिल से माफी माँग लीजिए। विश्वास रखें, यदि वह वाकई में आपका सच्चा साथी है तो आपकी गलतियों को नजरअंदाज कर आपको स्वीकार करेगा।

# पंजाब ने राजस्थान को 4 रन से हराया

**आखिरी ओवर में 13 रन नहीं बना सकी रॉयल्स; सैमसन बतौर कप्तान पहले मैच में शतक लगाने वाले आईपीएल के पहले खिलाड़ी**

**नई दिल्ली।** पंजाब किंग्स ने IPL 2021 के पांचवें मैच में राजस्थान रॉयल्स को 4 रन से हरा दिया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पंजाब टीम ने 20 ओवर में 6 विकेट गंवाकर 221 रन बनाए। इसके जवाब में राजस्थान टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर 217 रन ही बना सकी। बतौर कप्तान सैमसन ने अपने पहले ही मैच में शतक जड़ा। ऐसा करने वाले वे IPL के पहले खिलाड़ी बने। यह IPL में सैमसन की तीसरी सेंचुरी रही। उन्होंने शतक के मामले में एबी डिविलियर्स की बराबरी भी की।

हालांकि, सैमसन का शतक बेकार गया। आखिरी ओवर में राजस्थान को जीत के लिए 13 रन की जरूरत थी। पंजाब की ओर से अर्शदीप सिंह ने 20वें ओवर में बॉलिंग की। पहले 3 गेंद पर सिर्फ 2 रन आए। इसके बाद चौथी गेंद पर सैमसन ने छक्का जड़ा। पांचवीं गेंद पर कोई रन नहीं बना। अंतिम बॉल पर राजस्थान को जीत के लिए 5 रन चाहिए थे। सैमसन ने शॉट तो लगाया, पर वह बाउंड्री लाइन पर खड़े दीपक हूडा

**बराबरी की**

राजस्थान रॉयल्स के लिए

के हाथों में गई। सैमसन 63 गेंदों पर 119 रन बनाकर आउट हुए।

**संजू सैमसन ने डिविलियर्स के रिकॉर्ड की**

बेन स्टोक्स और मनन वोहरा ओपनिंग के लिए उतरे। टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। मोहम्मद शमी ने राजस्थान रॉयल्स को शून्य पर पहला झटका दिया। स्टोक्स बिना खाता खोले आउट हुए। शमी ने अपनी ही बॉल पर उनका कैच लिया।

इसके बाद 25 रन के स्कोर पर टीम का दूसरा विकेट गिरा। तेज गेंदबाज अर्शदीप ने अपनी ही बॉल पर मनन वोहरा का कैच लपका। वोहरा 8 गेंदों पर 12 रन बनाकर आउट हुए।

जोस बटलर ने सैमसन के साथ मिलकर पारी संभालने की कोशिश की। उन्होंने 5वें ओवर में राइली मेरिडिथ की बॉल पर लगातार 4 चौके लगाए। हालांकि, वे इस मोमेंटम को जारी नहीं रख सके और 13 बॉल पर 25 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें जे रिचर्ड्सन ने क्लीन बोल्ड किया। बटलर और सैमसन के बीच तीसरे विकेट के लिए 26 बॉल पर 45 रन की पार्टनरशिप हुई।

70 रन पर 3 विकेट गंवाने के बाद शिवम दुबे ने सैमसन के साथ चौथे विकेट के लिए 33 बॉल पर 53 रन की पार्टनरशिप की। दुबे 15 बॉल पर 23 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें अर्शदीप ने दीपक हूडा के हाथों कैच कराया।दुबे के आउट होने **प** बल्लेबाजी करने आए रियान पराग ने आते ही चौके के साथ अपनी पारी की शुरुआत की।

उन्होंने 11 बॉल पर 25 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली। पराग ने सैमसन के साथ 5वें विकेट के लिए 23 बॉल पर 52 रन की पार्टनरशिप की।

## महिला मुक्केबाजी शिविर में दो सहायक कोच कोरोना संक्रमित, इंदिरा गांधी स्टेडियम में लगा है कैंप

**नई दिल्ली।** भारतीय महिला मुक्केबाजी शिविर में दो सहायक प्रशिक्षकों का कोरोना परीक्षण पॉजिटिव आया है। शिविर यहां इंदिरा गांधी इनडोर स्टेडियम में चल रहा है। टीम से जुड़े सूत्र ने बताया कि दो महिला प्रशिक्षक पॉजिटिव पाई गई हैं। उनको एकांतवास में कर दिया गया है और शिविर तय कार्यक्रम के अनुसार जारी है।

इन दोनों सहायक प्रशिक्षकों के अलावा शिविर में शामिल सदस्यों का भी परीक्षण कराया गया। अभी परीक्षण की रिपोर्ट आनी बाकी है। कुछ सिक्योरिटी गार्ड भी अस्वस्थ चल रहे हैं, लेकिन अभी यह नहीं पता कि उन्हें कोरोना है या नहीं। हाल ही में पटियाला में चल रहे कैंप में हेड कोच सी ए कुटप्पा सहित दस सदस्य संक्रमित पाए गए थे।

## सोनम मलिक एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप से बाहर, टोक्यो ओलंपिक में भारत की है नई उम्मीद

**मुंबई।** पहलवान सोनम का घुटना चोटिल हो चुका था और वह मेजबान कजाखस्तान की अयायुलिम कासीमोवा से छह अंकों से पीछे थे। बावजूद इसके चीफ कोच कुलदीप सिंह को 18 साल की सोनम की वापसी की उम्मीद थी। ऐसे में कुलदीप ने सोनम को यही कहा जब एक जवान देश के लिए युद्ध लड़ते हुए जख्मी हो जाता है तो वह युद्ध का मैदान नहीं छोड़ता है बल्कि जाबांजी से लड़ता रहता है। उसके बाद तो ओलंपिक क्वालिफायर में सोनम ने जो किया वह इतिहास है। यह तो कुलदीप का बाउट के दौरान मैट पर सोनम के अंदर जज्बा भरने का तरीका था, लेकिन अब यही कुलदीप को सोनम की टोक्यो ओलंपिक की तैयारियों को ध्यान में रखते हुए उन्हें दो दिन बाद शुरू हो रही एशियाई चैंपियनशिप में खिलाने के हक में नहीं थे, अब रिपोर्ट में साफ हो गया कि सोनम टूर्नामेंट से बाहर हो गई।

**खेलने पर बुरी तरह गहराएगी चोट**

कुलदीप साफ करते हैं कि सोनम अगर एशियाई चैंपियनशिप में लड़ीं तो हो सकता है उनके घुटने की चोट गहरा जाए। ऐसे में उनका टोक्यो ओलंपिक में खेलना खतरे में पड़ सकता है। कुलदीप के मुताबिक सोनम का घुटना सूजा है और वह इस पर बर्फ की सिकाई कर रही हैं। उल्लेखनीय है कि सोनम ने क्वालिफायर के फाइनल में चीन की जिया लांग को चोट के चलते वॉक ओवर दे दिया था।

**पहलवान साथ ले गए वजन करने की मशीन**

कुलदीप खुलासा करते हैं कि उन्होंने सोनम (0-6 से पिछडने की) को इस तरह की स्थिति में पहले भी देखा है, लेकिन वह हमलावर पहलवान है। ऐसा पहलवान बाउट में किसी भी समय कैसी भी स्थिति में वापसी का माद्दा रखता है। यही कारण था कि उन्होंने सोनम की वापसी की उम्मीद बिल्कुल नहीं खोई थी। कुलदीप के मुताबिक उन्हें पता था कि टूर्नामेंट के लिए उनकी टीम ऐन मौके पर अलमाटी पहुंचेगी। ऐसे में पहलवानों को वजन कम करने की समस्या भी रहेगी। उन्होंने दिल्ली में ही सभी पहलवानों को अपने साथ छोटी इलेक्ट्रानिक वजन करने की मशीन साथ में रखने को कह दिया था। जिससे एयरपोर्ट पर सभी पहलवान अपने मशीन से वजन देखते रहें।

## चहल ने राहुल-गेल को किया ट्रोलः पंजाब की नई जर्सी पर बेंगलुरु के फिरकी गेंदबाज ने ली चुटकी, बोले- आरसीबी में आपका स्वागत है

**लाहौर।** राजस्थान रॉयल्स और पंजाब किंग्स के बीच IPL 2021 का चौथा मुकाबला मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला गया। मैच पंजाब की टीम नई जर्सी में मैदान पर उतरी। उसके बाद से ही टीम की नई जर्सी चर्चा में बनी हुई है। इस पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के फिरकी गेंदबाज युजवेंद्र चहल ने जाब के कप्तान केएल राहुल और क्रिस गेल को ट्रोल किया। उन्होंने लिखा कि IPLमें आपका स्वागत है। दरअसल, पंजाब की नई जर्सी बेंगलुरु की पुरानी जर्सी से काफी मिलती-जुलती है। इस वजह से चहल ने राहुल और गेल का वीडियो शेयर करते हुए यह बात कही। राहुल और गेल दोनों ही पहले RCB का हिस्सा रह चुके हैं।पंजाब ने राजस्थान को 4 रन से हराया

इससे पहले पंजाब ने सीजन के पांचवें मैच में राजस्थान रॉयल्स को 4 रन से हरा दिया था। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पंजाब टीम ने 20 ओवर में 6 विकेट गंवाकर 221 रन बनाए। इसके जवाब में राजस्थान टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर 217 रन ही बना सकी। कप्तान लोकेश राहुल ने IPL में अपनी 22वीं फिफ्टी लगाई। उन्होंने 50 बॉल पर 91 रन की पारी खेली। राहुल ने सबसे ज्यादा अर्धशतक के मामले में पूर्व ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर शेन वॉटसन को पीछे छोड़ा वॉटसन ने 145 मैच में 21 फिफ्टी के साथ 3874 रन बनाए थे। उन्होंने पिछले सीजन के बाद ही IPL से संन्यास ले लिया था। IPL 2021 का ओपनिंग मैच बेंगलुरु ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेला था। इसमें RCB को 2 विकेट से जीत मिली थी। युजवेंद्र चहल 4 ओवर में 41 रन देकर काफी महंगे साबित हुए थे।

# वोल्वो कार ओपन टेनिसः कुदेरमेतोवा ने जीता पहला डब्ल्यूटीए खिताब

**नई दिल्ली।** वेरोनिका कुदेरमेतोवा ने वोल्वो कार ओपन टेनिस के फाइनल में डानका कोविनिच को हराकर एकल वर्ग में डब्ल्यूटीए का पहला खिताब अपने नाम किया। रूस की 23 साल की खिलाड़ी ने 2016 के बाद पहली बार फाइनल में पहुंची कोविनिच 6-4, 6-2 से हराया। वह मौजूदा डब्ल्यूटीए सत्र में पहली बार चैंपियन बनने वाली पांचवीं खिलाड़ी हैं।

वेरोनिका ने दो ब्रेक प्वाइंट का सामना किया और एक बार उनकी सर्विस टूटी। कोरोना वायरस महामारी के कारण पिछले साल इस टूर्नामेंट को रद्द कर दिया गया था जबकि इस बार इसे दर्शकों के बिना खेला गया।

कुदेरमेतोवा को खिताबी जीत ऐसे टूर्नामेंट में मिली है जिसमें शीर्ष दस वरीय खिलाड़ी क्वार्टर फाइनल से पहले बाहर हो गई थीं।

जबकि दुनिया की नंबर एक एशलेग बार्टी अंतिम आठ दौर में हार गई थीं।

**1 घंटा 36 मिनट में जीत हासिल की फाइनल मुकाबले में वेरोनिका ने**

दूसरा फाइनल रहा यह रूसी खिलाड़ी का, इससे पहले जनवरी में अबुधाबी में सेबेलेंका से हारी थीं

**सेरेना विलियम्स की बराबरी**

रूस की वेरोनिका ने अपने पहले डब्ल्यूटीए खिताब के लिए सभी प्रतिद्वंद्वियों को सीधे सेटों में हराया। ऐसा कर उन्होंने अमेरिकी दिग्गज सेरेना विलियम्स की बराबरी की जिन्होंने 2012 में बिना सेट गंवाए खिताब जीता था।

'मैं जब यहां पहुंची तो मैंने खुद से कहा था कि मुझे रणनीति और कड़ी मेहनत पर जोर देना होगा। मैच दर मैच खेल सुधरता रहा। खिताब जीतकर बेहद रोमांचित हूं। मेरे लिए इसके बड़े मायने हैं।'

## देश में कुश्ती के हुए दो-दो संघ, WFI ने खेल मंत्रालय को लिखा मान्यता के खिलाफ पत्र

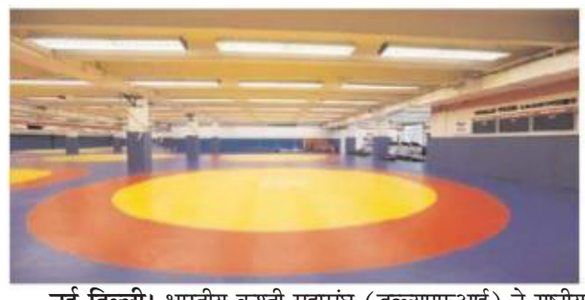

**नई दिल्ली।** भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने राष्ट्रीय खेल महासंघ (एनएफएस) के तौर पर 'भारतीय शैली की भारतीय कुश्ती संघ (आईएसडब्ल्यूएआई)' को मान्यता देने के फैसले को चुनौती देते हुए खेल मंत्रालय को लिखा है कि यह खेल संहिता का उल्लंघन है।

खेल मंत्रालय ने पिछले महीने मिट्टी पर आयोजित होने वाले इस खेल की पारंपरिक शैली (दंगल) के मामलों के संचालन के लिए आईएसडब्ल्यूएआई को राष्ट्रीय महासंघ के रूप में मान्यता दी थी। डब्ल्यूएफआई ने तर्क दिया कि आईएसडब्ल्यूएआई खेल संहिता 2011 में निर्धारित मानदंडों को पूरा नहीं करता है और देश में एक खेल के प्रबंधन करने के लिए दो संघ नहीं हो सकते हैं।

इस मामले की जानकारी रखने वाले डब्ल्यूएफआई के सूत्र ने कहा, 'हम समझ नहीं पा रहे हैं कि मंत्रालय ने किस आधार पर इस संघ को मान्यता दी है। हमने इस बारे में 23 मार्च को मंत्रालय को लिखा था। खेल संहिता के मुताबिक एक खेल के लिए दो संघ नहीं हो सकते है।

# जहीर का खुलासाःबोले- पहले मैच में हार्दिक पंड्या कंधे में चोट की वजह से नहीं कर सके गेंदबाजी

**इस पिच पर पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम को 10-15 एक्स्ट्रा रन बनाने होंगे**

**नई दिल्ली।** मुंबई इंडियंस के क्रिकेट ऑपरेशंस के डायरेक्टर जहीर खान ने कहा कि हार्दिक पंड्या कंधे में चोट लगने की वजह से रॉयल चैलेंजर्स के खिलाफ पहले मैच में गेंदबाजी नहीं कर पाए। वे आगे के मैचों में गेंदबाजी कर सकते हैं। पहले मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने मुंबई इंडियंस को 2 विकेट से हराया था। पंड्या इस मैच में बॉलिंग नहीं कर सके थे। हालांकि पंड्या ने इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू टी-20 सीरीज और वनडे सीरीज के आखिरी मैच में बॉलिंग की थी। जहीर ने कहा, कंधे की चोट से थोड़ी चिंता थी, लेकिन यह चिंताजनक नहीं है और बहुत जल्द ही वे गेंदबाजी करेंगे। हालांकि यह बताना मुश्किल है कि पंड्या कब से गेंदबाजी कर सकेंगे। उनकी चोट पर टीम के फिजियो नजर रख रही है।

**डीकॉक और एडम मिल्ने अगले मैच के लिए रहेंगे उपलब्ध**

उन्होंने आगे कहा कि केकेआर के खिलाफ मंगलवार को मैच के लिए क्विंटन डीकॉक और एडम मिल्ने उपस्थित रहेंगे। उनका क्वारैंटाइन पीरियड पूरा हो

चुका है। एडम मिल्ने और क्विंटन डी कॉक को क्या मार्को जेंसन और क्रिस लिन की जगह पर प्लेइंग इलेवन में शामिल किया जाएगा, इस सवाल पर उनका जवाब था कि मैच से पहले इस पर फैसला किया जाएगा।

**मार्को पहले मैच में नर्वस थेः** उन्होंने कहा कि मार्को जैसे युवा खिलाड़ी को जब बाहर जाते देखते हैं तो उसका प्रभाव पड़ता है। वे पहले मैच में नवर्स थे। लेकिन उनका पहला मैच शानदार रहा। उन्होंने आईपीएल में अच्छी वापसी की है। वहीं लीन बेहतरीन क्रिकेटर हैं। वे प्रोफेशनल एथलीट हैं। उनका ड्रेसिंग रूम में व्यवहार काफी उत्साहजनक रहता है। सभी खिलाड़ियों के साथ बेहतर तालमेल है।

**पहले बैटिंग करने वाली टीम को बनाने होंगे 10-15 एक्स्ट्रा रनः** जहीर ने कहा कि इस पिच पर पहले बैटिंग करने वाली टीम को एक्स्ट्रा 10-15 रन बनाने होंगे। क्योंकि ओस का प्रभाव कहीं न कहीं मैच पर पड़ रहा है। हालांकि पहले फील्डिंग करने वाली टीम को फायदा होता है।

# आखिरी गेंद पर मौरिस को स्ट्राइक न देने के सैमसन के फैसले का संगकारा ने किया बचाव

**मुंबई।** राजस्थान रॉयल्स के क्रिकेट डायरेक्टर कुमार संगकारा ने पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच की आखिरी गेंद पर क्रिस मौरिस को स्ट्राइक न देने के कप्तान संजू सैमसन के फैसले का बचाव किया है। मैच खत्म होने के बाद उन्होंने कहा कि कप्तान संजू सैमसन ने मैच खत्म करने के लिए खुद पर भरोसा जताया और और उन्हें जिम्मेदारी लेते देखना काफी अच्छा। बता दें कि मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में सोमवार को पंजाब किंग्स के 222 रनों के विशालकाय लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन (119) अपनी टीम को 19.4 ओवर में 217 रनों तक ले आए। टीम को आखिरी दो गेंदों पर पांच रनों की जरूरत थी। उनके साथ दूसरी छोर पर आइपीएल नीलामी के इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी (16.25 करोड़ रुपये) क्रिस मौरिस थे।

अर्शदीप ने मैच के आखिरी ओवर की पांचवीं गेंद फेंकी, संजू ने उसे लांग ऑफ की तरफ खेल दिया। मौरिस बल्लेबाजी छोर तक पहुंच गए लेकिन संजू ने रन नहीं लिया। वह अपने पास ही स्ट्राइक रखना चाहते थे। अब राजस्थान को एक गेंद पर पांच रन की जरूरत थी। अगर संजू एक रन ले लेते तो राजस्थान चौका मारकर भी जीत सकता था, लेकिन कप्तान ने खुद पर भरोसा जताया।आइपीएल के शातिर गेंदबाजों में पहचान बनाने

वाले अर्शदीप ने आखिरी गेंद ऑफ स्टंप से बाहर की ओर कटर डाली। संजू ने कवर के ऊपर से छक्का मारने की कोशिश की लेनिक दीपक हुड्डा ने उनका कैच लपक लिया और पंजाब ने चार रन से रोमांचक जीत दर्ज की। इसके बाद संजू सैमसन का बचाव करते हुए संगकारा ने कहा, संजू ने मैच खत्म करने की जिम्मेदारी खुद के कंधों पर ली और उन्होंने लगभग मैच खत्म कर दिया था। वह आखिरी गेंद पर छक्का मारने के लिए सिर्फ पांच या छह गज से चूक गए। कभी-कभी जब आपको पता होता है कि आप गेंद को इतनी अच्छी तरह से मार रहे हैं और आप फॉर्म में हैं, तो आपको मैच खत्म करने की जिम्मेदारी लेनी होगी। संजू को ऐसा करते देखना उत्साहजनक था। हमेशा छोटी-मोटी चूक के बारे में बात होती, लेकिन मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण बात खिलाड़ियों का विश्वास, दृष्टिकोण और समर्पण है। संजू ने इस मैच को खत्म करने की जिम्मेदारी खुद पर ली और वह कुछ रनों से चूक गए। लेकिन मुझे विश्वास है कि अगली बार जब ऐसा होगा तो वे बाउंड्री लाइन से 10 गज आगे गेंद को मारेंगे और हमें मैच जीताएंगे।

# चार मैचों के बाद दिल्ली टॉप पर, चेन्नई फिसड्डी

**नई दिल्ली।** इंडियन प्रीमियर लीग के 14वें सीजन में कुल चार मैच खेले जा चुके हैं। यानी सभी टीमों ने एक-एक मैच खेल लिए हैं। पंजाब किंग्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच आइपीएल के इस सत्र का चौथा मैच खेला गया। पंजाब को इस मैच में चार रनों से जीत मिली। चार मैचों के बाद प्वाइंट्स टेबल पर नजर डाले तो दिल्ली कैपिटल्स, कोलकाता नाइट राइडर्स, पंजाब किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के पास दो-दो अंक है, लेकिन नेट रनरेट के आधार पर रिषभ पंत की कप्तानी वाली दिल्ली कैपिटल्स पहले पायदान पर है। वहीं महेंद्र सिंह धौनी की कप्तानी वाली चेन्नई सुपर किंग्स आखिरी पायदान पर है।

**चेन्नई का नेट रनरेट सबसे खराब**

इयोन मोर्गन की कप्तानी वाली कोलकाता नाइटराइडर्स (चयक्र)

की टीम दूसरे स्थान पर है। मौजूदा चैंपियन रोहित शर्मा की अगुवाई वाली मुंबई इंडियंस से उसका मैच है। मैच में अगर केकेआर को जीत मिलती है तो वह पहले पायदान पर पहुंच जाएगी। राजस्थान को हराने वाली केएल राहुल की कप्तानी पंजाब की टीम प्वाइंट्स टेबल में तीसरे नंबर पर है। वहीं बेंगलुरू चौथे स्थान पर है। मुंबई की टीम पांचवें

**चार मैचों के बाद प्वाइंट्स टेबल पर नजर डाले तो दिल्ली कैपिटल्स, कोलकाता नाइट राइडर्स, पंजाब किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के पास दो-दो अंक है, लेकिन नेट रनरेट के आधार पर रिषभ पंत की कप्तानी वाली दिल्ली कैपिटल्स पहले पायदान पर है।**

नंबर पर है। आज कोलकाता से उसका मैच है। संजू सैमसन की कप्तानी राजस्थान की टीम छठे नंबर पर है। वहीं डेविड वार्नर की कप्तानी वाली सनराइजर्स हैदराबाद (स्क्रा) सातवें और चेन्नई आठवें नंबर पर है। चेन्नई का नेट रनरेट सबसे खराब है।

**अब तक खेले गए चार मैचों का हाल**

बता दें कि सीजन का पहला मैच रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू और मुंबई इंडियंस के बीच खेला गया। बेंगलुरू को जीत मिली। दूसरा मैच चेन्नई सुपरकिंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच खेला गया। दिल्ली ने इस मैच को जीत लिया। तीसरा मैच सनराइजर्स हैदराबाद और कोलकाता नाइटराइडर्स (चयक्र) के बीच खेला गया। कोलकाता जीत मिली। चौथा मैच पंजाब किंग्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच हुआ। पंजाब को जीत मिली।

# लिंडे के दम पर दक्षिण अफ्रीका ने पाकिस्तान को हराया, सीरीज 1-1 से बराबर

**जोहानिसबर्ग।** जॉर्ज लिंडे के ऑलराउंडर खेल के साथ एडेन मार्करम की 54 रन की पारी के दम पर दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे टी-20 में पाकिस्तान को छह विकेट से हराकर चार मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर कर ली। लिंडे ने 20 रन की नाबाद पारी खेलने से पहले तीन विकेट भी झटके। दक्षिण अफ्रीका के लिए लिजार्ड विलियम्स ने भी तीन विकेट लिए। पाकिस्तान पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान बाबर आजम की 50 रन की पारी के बाद भी 20 ओवर में नौ विकेट पर 140 रन ही बना सका।

**क्लासेन ने 21 गेंदों में नाबाद 36 रन बनाए**

दक्षिण अफ्रीका ने महज 14 ओवर में चार विकेट गंवाकर 141 का स्कोर कर लक्ष्य हासिल कर लिया। कार्यवाहक कप्तान हेनरिक क्लासेन ने 21 गेंदों में नाबाद 36 रन बनाए। उनहोंने लिंडे के साथ मिलकर नाबाद 49 रनों की साझेदारी की। मार्करम ने अपनी 54 रन की पारी के दौरान सात चौके और तीन छक्के लगाए। उन्होंने जानेमन मलान (15)के साथ उन्होंने 44 रनों की साझेदारी करके टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई। पाकिस्तान की ओर से मोहम्मद हसनैन और हसन अली ने एक-एक विकेट लिए। वहीं उस्मान कादिर ने दो विकेट लिए। शाहिन अफरीदी और मोहम्मद नवाज को एक भी सफलता हाथ नहीं लगी।

**पाकिस्तान की शुरुआत काफी खराब रही**

इससे पहले बल्लेबाजी करने का फैसला करने के बाद पाकिस्तान की शुरुआत काफी खराब रही। लिंडे ने 11 गेंदों के भीतर दो झटके दिए। मोहम्मद रिजवान को उन्होंने उक्र पर और शारजील खान (8) को आउट कर दिया। पाकिस्तान की ओर से बाबर आजम ने सबसे अधिक 50 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने पांच चौके लगाए।

मोहम्मद हफीज ने 23 गेंदों में 32 रनों का योगदान दिया। उन्होंने छह चौके लगाए। तीसरे विकेट दोनों ने 58 रनों की साझेदारी की।अफ्रीका के लिए जॉर्ज लिंडे और लिजार्ड विलियम्स ने तीन-तीन और तबरेज शम्सी और सिसिंडा मगला ने एक-एक विकेट लिए।